



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]
No. 88]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 7, 2005/चैत्र 17, 1927
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 7, 2005/CHAITRA 17, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2005

अन्तिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन. गण. के मूल अथवा वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) के आयात से संबंधित पाटन-रोधी जांच।

सं० 14/20/2003-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995. को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया:

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

i उपर्युक्त नियमावली के अन्तर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को एसोसिएशन के सभी सदस्यों की ओर से सिंथेटिक फाइबर उद्योग एसोसिएशन से इस आशय का लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित या नायलॉन टायर कॉर्ड फैब्रिक का तथाकथित पाटन किया गया है।

ii. आवेदन की प्रारम्भिक जांच में कुछ कमियां पाई गई थी जिन्हें आवेदक ने बाद में ठीक कर दिया था। इसके पश्चात् आवेदन को उपर्युक्त दस्तावेज के रूप में विचारार्थ स्वीकार कर लिया गया था।

- iii. आवेदक द्वारा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के फलस्वरूप प्राधिकारी ने आयातित नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक या चीन जनवादी गणराज्य से इसका निर्यात होने की स्थिति में इनके तथाकथित पाटन की जांच करने का निश्चय किया है ।
- iv. नियमों के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले प्राधिकारी तथाकथित पाटन की सूचना के बारे में उस देश के दूतावास को अधिसूचित करेगा ।
- v. प्राधिकारी द्वारा 29 अक्टूबर, 2003 को भारत के असाधारण राजपत्र में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गई जिसमें अध्याय 59, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष 5902.10.00 के अन्तर्गत श्रेणीबद्ध नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक के आयात या चीन जनवादी गणराज्य से इसके निर्यात के फलस्वरूप इसकी पाटन-रोधी जांच शुरू किए जाने के बारे में जानकारी दी गई ।
- vi. नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक के निर्यातकों/आयातकों (जिनके विवरण आवेदक द्वारा उपलब्ध करा दिए गए थे) को भी सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की गई जिससे वे इस सूचना के जारी किए जाने की तारीख से चालीस दिनों के अन्दर अपने विचार दें सकें । अनुरोध पर कारण बताए जाने पर निर्यातकों को समय-सीमा बढ़ाने की अनुमति दी गई ताकि वे प्राधिकारी द्वारा अग्रेषित प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दर्ज करा सकें ।
- vii. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक के आयातों के विवरण देने का भी अनुरोध किया गया । डी जी सी आई एस, कोलकाता से भी अनुरोध किया गया कि वे जांच अवधि के दौरान उक्त वस्तुओं का भारत में किए गए आयात के लेन-देनवार विवरण मुहैया कराए और इसके साथ साथ प्रविष्टियों की संख्या के बिल, इन वस्तुओं के निर्माता देश, आयातित वस्तुओं का विवरण, आयात की मात्रा और मूल्य और निर्यातक और आयातक के नाम और पतों की सूचना भी है ।
- viii. प्राधिकारी ने नियम 6(3) के अनुसार जानकारी वाले निर्यातकों और चीन के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रतियां भी मुहैया कराई ।
- ix. नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी जानकारी वाले चीन के निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजेगा जिससे उपयुक्त सूचना प्राप्त की जा सके ।

चीन जनवादी गणराज्य

- निगंबो नायलॉन कम्पनी लिमिटेड
जिनलुन ग्रुप ऑफिस बिल्डिंग, जोंगम स्ट्रीट, सिक्सी सिटी,
जीलीयांग प्रोविस,
- वीफेंग ग्रेट ड्रेगन केमिकल्स फैब्रिक्स कं० लि०/शानडोंग पोलीटेक्स
वैन्नम रोड, एनक्यू शैनडोंग प्रोविस
चीन जनवादी गणराज्य

- जियांग्सू कुनफा केमिकल्स कम्पनी लि०
3, तैपांग वैलू, जैंगजू प्रोविन्स
चीन जनवादी गणराज्य
- बेलिंग पेट्रोकेमिकल्स,
योगशन पेट्रोकेमिकल्स वर्क्स
यूजांग हूनान
- जियांग्सू स्टीड
जियांग्सू जूनमा ग्रुप
जांग जीयांगेग हुआयू केमिकल्स कम्पनी लि.
80.रिवर इस्ट रोड,
चैनहंग टाऊन,
जांगची योगैंग सिटी
- क्विंगदेव टेक्सटाइल मिल्स
22 है-एन रोड,
क्विंग देव

- x. भारत में चीन के दूतावास के नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू किए जाने के बारे में भी सूचित किया गया और यह अनुरोध भी किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को इस संबंध में उत्तर देने का परामर्श दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी दी गई और इसके साथ उन्हें निर्यातकों के पते भी दिए गए।
- xi. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा प्रस्तुत करने के लिए चीन के निर्यातक उत्पादकों को अनुमति देने के प्रयोजन के उद्देश्य से प्राधिकारी ने सभी ज्ञात सहयोगकारी कंपनियों और चीन जन.गण. के दूतावास दोनों को बाजार-अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली भेजी।
- xii. यद्यपि शुरू किए जाने के प्रयोजन से चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य कीमत का आधार चीन में वस्तुओं के उत्पादन की निर्मित लागत है तथापि प्राधिकारी ने जानकारी वाले निर्यातकों को बताया कि आवेदक के दावों की जांच तथा संशोधित पाटन-रोधी नियमों के अनुबंध-I के पैरा (7) और (8) को ध्यान में रखकर की जाएगी। चीन से इन वस्तुओं के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को यह अनुरोध भी किया गया कि वे पैराग्राफ 8 के पैरा (3) में उल्लिखित पर्याप्त साक्ष्यों के साथ आवश्यक सूचना भिजवाएं जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात का पता लगा सके कि क्या मार्किट एकोनॉमी ट्रीटमेंट ऐसे सहयोग करने वाले निर्यातकों/उत्पादकों को दी जा सकती है जो उक्त पैराग्राफ में निर्धारित प्रक्रिया को संजोषजनक मानते हैं। इस संबंध में मार्किट एकोनॉमी ट्रीटमेंट प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली जानकारी वाले निर्यातकों तथा चीन के दूतावास को भिजवा दी गई है।

xiii. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगवाने के लिए नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक जानकारी वाले निर्यातों/उपयोगकर्ता को एक प्रश्नावली भेज दी गई है:

- ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन
- बिड़ला टायर्स, कोलकाता-700019
- सियट लि०, मुंबई-400018
- डनलप इंडिया लि०, कोलकाता-700016
- जे के इंडस्ट्रीज लि०, नई दिल्ली-110002
- एमआरएफ लि०, चेन्नई-600006
- विक्रान्त टायर्स लि०, मैसूर - 570002

xiv. डीजीएडी के दिनांक 25 अगस्त, 2004 के पत्र द्वारा निर्यातकों को सूचित किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी डब्ल्यूटीओ करार जिसे सहभागी निर्यातकों द्वारा स्वीकार किया गया था, के अनुच्छेद 6.7 के अनुसार मौके पर जांच करना चाहता है।

यह सूचित किया गया कि मौके पर जांच का प्रयोजन निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में सहयोगकारी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी और एमईटी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में प्रस्तुत जानकारी, जैसाकि स्रोत दस्तावेजों में बताया गया, की पड़ताल करना है। अनुबंध 1 (अनुच्छेद 6 के पैरा 7 के अनुसरण में मौके पर जांच करने संबंधी क्रियाविधि) के अनुसार, पड़ताल की जाने वाली सामान्य किस्म की जानकारी जो उनके द्वारा दी जानी अपेक्षित थी, दौरे से पहले प्रस्तुत की जाने वाली आवश्यक जानकारी डीजीएडी के दिनांक 23 सितंबर, 2004 के पत्र द्वारा दी गई थी।

सभी निर्यातकों को यह सूचित किया गया था कि निर्यातक प्रश्नावली तथा एमईटी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में उनके प्राप्त जानकारी के अनुसरण में दिनांक 23 सितंबर, 2004 के पड़ताल-पूर्व पत्र में उन निर्यातक उत्पादकों से जानकारी/आंकड़े/दस्तावेजों का निर्धारण किया गया जिन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया था। यह भी अनुरोध किया गया कि प्रस्तुत सभी दस्तावेज अंग्रेजी में अनुवाद करके साथ में प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारियों के दल द्वारा सहयोगकारी निर्यातकों के कारिसरों में मौके पर पड़ताल की गई जिनके नाम हैं मैसर्स जियांग्सू कुन्फा (जिसे इसके बाद जियांग्सू कहा गया है), मैसर्स वेइफांग ग्रेट ड्रैगन एंड शांडोंग पोलिटेक्स (जिसे इसके बाद वेइफांग कहा गया है) और मैसर्स निंगबो नॉयलोन कंपनी लिमिटेड (जिसे इसके बाद निंगबो नाइलोन कहा गया है)। इसकी सहायक कंपनी मैसर्स निंगबो जिनलुन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी को इसके बाद एनजेआईई कहा गया है। इन सभी कंपनियों की पड़ताल के दौरान चीन जन.गण. के ब्यूरो ऑफ फेयर ट्रेड, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

- xv. निर्यातक पड़ताल रिपोर्ट की प्रतिलिपियां सहयोगकारी निर्यातकों को भेजी गई ताकि वे उन पर अपनी-अपनी टिप्पणियां दायर कर सकें जिन पर प्राधिकारी ने विधिवत् विचार किया।
- xvi. बोफ्ट, मोफकॉम को भी निर्यातक पड़ताल रिपोर्ट के संबंध में सूचित किया गया और उन्हें बताया गया कि विषय रिपोर्टों की एक प्रतिलिपि संबंधित निर्यातक के साथ बोफ्ट द्वारा गोपनीयता मुद्दों को निपटा दिए जाने के बाद उन्हें उपलब्ध कराई जा सकेगी।
- xvii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय पाठों की एक सार्वजनिक फाइल हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी।
- xviii. उत्पादन की अधिकतम लागत निकालने के लिए लागत की जांच की गई और आवेदक द्वारा दी गई सूचना से सामान्यतः स्वीकार्य लेखा पद्धतियों के आधार पर भारत में इन वस्तुओं की विनिर्माण और बिक्री लागत निकाली गई जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन-रोधी शुल्क कम हो तो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के लिए पाटन मार्जिन पर्याप्त हो।
- xix. आवश्यक तथ्यों का खुलासा करते हुए एक विस्तृत प्रकटन विवरण-पत्र सहभागी निर्यातकों तथा घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराया गया। संबंधित सहयोगकारी निर्यातकों को अलग से एक गोपनीय प्रकटन विवरण दिया गया। इच्छुक पक्षकारों से प्राप्त प्रत्युत्तरों को इन परिणामों में शामिल किया गया है।
- xx. जांच परिणामों में *** किसी इच्छुक पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी है और प्राधिकारी द्वारा नियमावली के तहत उसकी गोपनीयता को देखते हुए संतुष्ट होकर उस पर विचार किया गया।
- xxi. पहली अप्रैल 2002 से 30 जून 2003 (15 माह) तक पाटन तथा क्षति की जांच अवधि को कवर किया गया जिसे जांच अवधि अथवा 'पीओआई' कहा गया है। 1999-2000 से जांच की अवधि तक (क्षति विश्लेषण अवधि) के वर्षों में शामिल क्षति विश्लेषण जांच की प्रवृत्ति के लिए उपयुक्त है।

2. क्रियाविधि पर इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचार:

- i) एक इच्छुक पक्षकार ने यह तर्क दिया है कि अनुच्छेद 7.1 के उपबंधों का उल्लंघन किया गया है क्योंकि निर्यातक को अपना मामला स्पष्ट करने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया है। प्रारंभिक जांच परिणामों में भी इस आशय के परिणाम रिकॉर्ड नहीं किए गए हैं कि नियम 12 का उल्लंघन जांच के दौरान हुई क्षति को रोकने के लिए निर्देशित था।
- ii) यह भी मुद्दा उठाया गया कि आवेदन के अगोपनीय रूपान्तर में संपूर्ण जांच अवधि (अर्थात् अप्रैल, 2002 से जून, 2003 तक) के लिए आंकड़े शामिल नहीं हैं बल्कि अप्रैल, 2002 से मार्च, 2003 तक के लिए ही आंकड़े शामिल थे।

- iii) यह भी मुद्दा उठाया गया कि घरेलू उद्योग को आईबीआईएस आंकड़ों की गोपनीयता का दावा करने की अनुमति दी गई है।
- iv) इसके अलावा इस उत्पाद के संबंध में मौजूदा जांच और पिछली मध्यावधि पुनरीक्षा जांच में बिक्री तथा उत्पादन आंकड़े मेल नहीं खाते।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

- V) प्राधिकारी नोट करता है कि यह जांच नियम 5 के उपबंध 9 के अनुसार आरंभ की गई थी। उसके पश्चात् जांच प्रारंभ करने संबंधी सार्वजनिक सूचना और निर्यातक/आयातक प्रश्नावली तथा आवेदन-पत्र के अगोपनीय भाग की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को अग्रेषित की गई थी जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने-अपने प्रत्युत्तर इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर दें। इसके अलावा, प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा समय-सीमा बढ़ाए जाने के अनुरोधों को भी ध्यान में लिया ताकि वे अपने-अपने निवेदन कर सकें। इच्छुक पक्षकारों के साथ बातचीत प्राधिकारी को देय नोटिस दिए जाने के बाद ही अक्सर आयोजित की जाती है। इच्छुक पक्षकारों से यह भी अनुरोध किया गया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस जांच से संबंधित दस्तावेज/तर्क प्रस्तुत कर दें। अतः जानकारी प्रस्तुत करने और जांच आरंभ करने संबंधी टिप्पणी करने और उसके बाद जांच की प्रत्येक स्थिति पर टिप्पणी करने का पर्याप्त अवसर दिया गया। प्राधिकारी नोट करता है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली वास्तविक क्षति के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई है। प्राधिकारी ने इस बात से संतुष्ट होने के बाद प्रारंभिक जांच परिणामों को जारी किया कि प्रारंभिक जांच किए जाने की आवश्यकता रही है। इसके अलावा, जांच प्रारंभ होने के अनुसरण में निर्यातक तथा एटीएमए द्वारा की गई टिप्पणियों को प्रारंभिक जांच-परिणामों में विधिवत् समाविष्ट किया गया है। संपूर्ण जअवधि के लिए आंकड़े जैसाकि आवेदन-पत्र के अगोपनीय भाग में उपलब्ध कराए गए, को सार्वजनिक फाइल में रखा गया। उपर्युक्त 2(iv) में उठाए गए बिंदु के प्रत्युत्तर में प्राधिकारी नोट करता है कि इस उत्पाद की मध्यावधि पुनरीक्षा के दौरान घरेलू उद्योग के गठन जिसमें मैसर्स एसआरएफ (मनाली तथा ग्वालियर संयंत्र), एनआरसी, निर्लोन एंड टीएफएल (टायर फैब्रिक लिमिटेड) जबकि मौजूदा जांच में घरेलू उद्योग में शामिल हैं मैसर्स एसआरएफ(मनाली, ग्वालियर, गूमिडिपुंडी संयंत्र) एनआरसी, निर्लोन तथा सेंचुरी एंका। गठन में इस परिवर्तन के मध्यनजर मध्यावधि पुनरीक्षा जांच और मौजूदा जांच में बिक्री तथा उत्पादन के आंकड़ों में आवश्यक रूप से अन्तर होगा।

ख. विचाराधीन उत्पाद

3. मौजूदा मामले में विचाराधीन उत्पाद नायलोन टायर कोर्ड फैब्रिक है जो चीन जनवादी गणराज्य में तैयार किया गया था और वहां से निर्यात किया गया है। ये वस्तुएं नायलॉन फैब्रिक की हैं जिनका इस्तेमाल सामान्यतः टायर कोर्ड के लिए किया जाता है। नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक का अनुप्रयोग विभिन्न प्रकार के आटोमोटिव टायरों जैसे बस और ट्रकों के टायर, दो पहिया वाहनों के टायर, साइकल टायरों, लाइट कर्मिशियल क्लियर टायर, पशुओं द्वारा चलाई जाने वाली गाड़ियों आदि के टायरों के लिए किया जाता है।

4. नायलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक का विनिर्माण यार्न के विभिन्न डिनायर्स के प्रयोग से किया जाता है। इस फैब्रिक का प्रयोग टायरों के प्रबलन के लिए किया जाता है। उत्पाद की बिक्री "ग्रे फैब्रिक" और "डिप्ड फैब्रिक" के रूप में की जाती है। याचिकाकर्ता ने साईकिल टॉयर विनिर्माताओं को बेचे जा रहे डिप्ड फैब्रिक को "साईकिल टॉयर फैब्रिक" बताया है। किंतु, प्राधिकारी नोट करता है कि साईकिल टॉयर फैब्रिक और कुछ भी नहीं है बल्कि डिप्ड फैब्रिक ही है, यद्यपि उस लागत तथा कीमत साईकिल टॉयर विनिर्माताओं से इतर टॉयर उत्पादकों को बेचे जा रहे अन्य डिप्ड फैब्रिक की तुलना में अधिक हैं। साईकिल किस्म के अनुप्रयोगों के लिए आशयित डिप्ड फैब्रिक को इस अधिसूचना में साईकिल टॉयर फैब्रिक (सीटीसी) के रूप में वर्णित किया गया है और अन्य सभी डिप्ड फैब्रिक को "डिप्ड फैब्रिक" बताया गया है। इन दोनों ही श्रेणियों के नायलोन टायर कोर्ड फैब्रिक का टैरिफ वर्गीकरण एक समान है। एमटीसीएफ की सभी किस्में उत्पादन कार्य क्षेत्र में हैं और विचाराधीन हैं और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 59, सीमाशुल्क उपशीर्ष 59.02.10.00 के अन्तर्गत वर्गीकृत हैं। हालांकि वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और किसी भी स्थिति में मौजूदा जांच के कार्यक्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है।

5. प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करता है।

ग. समान वस्तुएं

6. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में प्रावधान है कि "समान वस्तुओं" का अर्थ ऐसी वस्तु से है जो जांच के अधीन उत्पाद के हर तरह से समान हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में अन्य वस्तु जांच के अधीन शामिल वस्तुओं की विशेषता अथवा समान गुण रखती हों।
7. विचाराधीन उत्पाद में इसके दायरे में सभी किस्मों को शामिल किया गया है। घरेलू उद्योग ग्रे तथा डिप्ड एनटीसीएफ के अलावा साईकिल टायर कोर्ड का भी विनिर्माण करता है। इच्छुक पक्षकारों ने आवेदन के अगोपनीय भाग को यह दर्शाते हुए बताया कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न किस्मों के एनटीसीएफ नामतः ग्रे, डिप्ड तथा सीटीसी के संबंध में आंकड़े दिए हैं। हालांकि संबद्ध माल की ऊपर उल्लिखित सभी श्रेणियों के लिए क्षति-विश्लेषण किया गया है लेकिन पाटन का अन्तिम विश्लेषण, क्षति तथा कारणात्मक संबंध विचाराधीन उत्पाद अर्थात् नाइलोन टायर कोर्ड फैब्रिक के संबंध में किया गया है।
8. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नॉयलान टायर कोर्ड फैब्रिक चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित वस्तुओं जैसा ही है और इसकी तकनीक विनिर्देश, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यकलाप और उपयोग और टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
9. आवेदकों ने यह दावा किया कि उनके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देश के उद्भव अथवा वहां से निर्यातित माल का समान उत्पाद है। आवेदकों ने यह भी दावा किया कि दोनों ही उत्पाद तकनीकी तथा वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं। आवेदकों ने विभिन्न ग्राहकों के संबंधित बीजकों की प्रतिलिपियों को बिक्री साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान विभिन्न ग्राहकों को की गई बिक्रियों की सौदेवार सूचियां भी उपलब्ध

कराई हैं। आवेदकों ने आयातकों के नाम दर्शाते हुए गौण स्रोतों के रूप में आयात जानकारी प्रस्तुत की। यह पाया गया कि इस माल का आयात ऐसी कंपनियों द्वारा किया गया जा रहा है जो घरेलू उद्योग से संबद्ध माल की खरीद कर रहे हैं।

10. चीन के निर्यातकों अथवा भारत के ग्राहकों/आयातकों के बीच आवेदकों के दावे के संबंध में कोई विवाद नहीं है। उत्तरदाता निर्यातकों ने किए गए निर्यात के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं जिनमें ग्राहकों के नाम भी शामिल किए गए हैं।
11. आवेदक कंपनियों, चीन के निर्यातकों तथा भारत के प्रयोक्ताओं/ ग्राहकों/आयातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी से यह पाया जाता है कि उन्हीं स्रोतों से संबद्ध माल का प्रयोग ग्राहकों द्वारा एक-दूसरे के साथ अदला-बदली को गई।
12. उपर्युक्त ब्यौरे और इस संबंध में की गई जांच के आधार पर आवेदकों द्वारा उत्पादित संबद्ध माल उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर, संबद्ध देश से आयातित उत्पाद की समान वस्तु है।
13. प्राधिकारी ने यह भी पाया कि इसमें विवाद का कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित एनटीसीएफ की विशेषताएं आयातित सामग्री से निकट से मेल खाती है और वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों ही दृष्टियों से चीन जनवादी गणराज्य से आयातित एनटीसीएफ द्वारा प्रतिस्थापित की जा सकती है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित एनटीसीएफ को नियम 2(घ) के अर्थों के अन्तर्गत चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित उत्पाद जैसा माना जा सकता है।
14. प्राधिकारी नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर समान वस्तुओं संबंधी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करता है।

घ. घरेलू उद्योग

15. नई दिल्ली स्थित सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन(एसएसएफआई) ने मैसर्स एसआरएफ लि० चेन्नई, मैसर्स एनआरसी लि० मुम्बई, सैचुरी इंका लि०, पुणे और मैसर्स निर्लोन लि०, मुम्बई की ओर से आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जो भारत में एन टी सी एफ के निर्माता हैं और एसोसिएशन के सदस्य हैं।
16. घरेलू उत्पादकों द्वारा निर्मित वस्तुओं की मात्रा का ब्योरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिक)
उत्पादन (मी.टन)					
ग्रे	43590	38690	42352	61620	49296
डिप्ड	4539	2644	4478	9528	7622
सीटीसी	744	728	648	877	702
कुल उत्पादन	48873	42062	47478	72025	57620

17. आवेदक देश में विषयगत वस्तुओं का कुल घरेलू उत्पादन 100 प्रतिशत कर सकते हैं इसलिए मौजूदा याचिका को दायर करना उचित समझते हैं ।
18. प्राधिकारी उस प्रारंभिक जांच परिणाम की जांच की पुष्टि करता है कि आवेदक 'घरेलू उद्योग' माने गए हैं और वे नियमावली के तहत मौजूदा याचिका को दायर करने का अधिकार रखते हैं ।

ड. न्यूनतम सीमा से अधिक

19. यह पता करने के उद्देश्य से कि क्या जांच अवधि के दौरान चीन से किए गए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों से संबंधित हर संभव उपलब्ध जानकारी का हवाला लिया है जिसमें आवेदकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी, ग्राहकों/आयातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी, निर्यातकों द्वारा दी गई जानकारी और चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा प्रस्तुत जानकारी शामिल है । आवेदकों ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिलीज किए गए आंकड़ों को गौण स्रोतों के रूप में मानकर प्रदान की गई जिसमें आंकड़े संकलनकर्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तुत पत्तनवार आंकड़े, (मुम्बई पत्तन के लिए), चेन्नई तथा कोचिन पत्तन से संबंधित सीमा शुल्क आंकड़े और चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा रिलीज की गई जानकारी के अनुसार भारत को चीन से इस उत्पाद के निर्यात से संबंधित जानकारी शामिल है । जांच के दौरान प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस से संबद्ध देश से सौदे-वार आंकड़े के संबंध में जानकारी भी एकत्र की । मैसर्स निंग्बो नाइलोन, वेइफांग तथा जियांग्स नाम निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी को भी समेकित किया गया । प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा जानकारी और प्रत्युत्तरदाता आयातकों/ग्राहकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के बीच में सहसंबंध को देखा । आयातकों/ग्राहकों द्वारा दायर जानकारी को भी समेकित किया गया । यह पाया गया कि इस सब जानकारी के आधार पर आयात की मात्रा नियमावली के तहत निर्धारित सीमा की तुलना में न्यूनतम से अधिक रही ।

घ. अन्य मुद्दे

20. प्राधिकारी ने इस जांच के दौरान मध्य पैमाने की ऑटोमोबाइल टायर तथा ट्यूब विनिर्माता कंपनी मैसर्स मोनोटोना टायर लिमिटेड, मुम्बई द्वारा उठाए गए मुद्दे की जांच की है । इस कंपनी द्वारा यह बताया गया है कि लो डेनियर तथा कम चौड़ाई वाले फैब्रिक का प्रयोग उनके उत्पाद में होता है और घरेलू उद्योग अपने किस्म की सप्लाई करने को मजबूर है । किंतु यह बात नोट की जाती है कि यह फैब्रिक विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल है और इस जांच का विषय रहा है । जहां तक किसी खास चौड़ाई वाले फैब्रिक की सप्लाई का संबंध है घरेलू उद्योग के साथ मै0 मोनोटोना टायर्स का संबंध मौजूदा जांच के दायरे से परे है ।
21. प्राधिकारी ने मै0 इण्डियन साइकिल एण्ड रिव्शा टायर मैन्यू0 एसोसिएशन द्वारा उठाए मुद्दे की जांच की है । किन्तु, यह नोट किया जाता है कि फैब्रिक विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल है और यह इस जांच का विषय रहा है ।

छ. दिनांक 1 सितंबर, 2004 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचार:

22. घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे:-

- (i) घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि चीन के जीएएपी के संबंध में सं.रा. अमरीका ने यह स्वीकार किया था कि चीन की लेखा प्रणाली अन्तर्राष्ट्रीय लेखा प्रणाली का अनुसरण नहीं करती है।
- (ii) परिसम्पत्ति हस्तान्तरण के मूल्य को इस तरह से देखा जाना चाहिए कि क्या इन परिसम्पत्तियों का हस्तान्तरण बजार औचित्य के सन्दर्भ में किया जाता है अथवा उन्हें बातचीत से निपटाया जाता है।
- (iii) चीन की कंपनियां तथाकथित रूप से वैट एकत्र करती हैं लेकिन वे एकत्रित सम्पूर्ण राशि का जमा नहीं करती हैं। वे अपने-अपने निर्यात-निष्पादन के आधार पर ऐसे सम्पूर्ण संग्रहण पर तथाकथित रूप से छूट की बातचीत करती हैं। विदेशी मुद्रा के मामले में, निर्यात निष्पादन पर आधारित विनियम-दरें अलग-अलग हैं। विदेश व्यापार के लिए जोखिम निधियां प्रदान की जाती हैं। गुप्त सहायता राशियों में से काफी विविध आय प्राप्त होती है।
- (iv) एनजेआईई द्वारा भी निर्यातक-प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दायर किया जाना था और एनजेआईई के लिए एक अलग पाटन मार्जिन निर्धारित किया जाए।
- (v) किंगरिंग के शेयरधारकों के संबंध में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं है। यह भी पता नहीं है कि क्या किंगरिंग ग्रुप/निंग्बो एक मानक वैट दाता है।
- (vi) शैंडोंग की रिपोर्ट को लेखा परीक्षकों ने सापेक्ष पाया है। इसमें दीर्घकालीन ऋण अथवा ब्याज घटक नहीं पाया गया है।
- (vii) लागत-निर्धारण अन्तर्राष्ट्रीय जीएएपी के आधार पर की जाए।

23. निर्यातकों/आयातकों द्वारा व्यक्त विचार:

(I) निंग्बो नायलोन

- (i) प्रारंभिक जांच के निष्कर्ष इतने विलम्ब से देना नियम-12 के अनुसार नहीं हैं और यह अनुच्छेद 7.1 का उल्लंघन है। इस बात का भी कोई उल्लेख नहीं है कि प्रारंभिक जांच-निष्कर्षों को 9 माह बाद अधिसूचित क्यों किया गया।
- (ii) सार्वजनिक फाइल में घरेलू उद्योग का तुलन-पत्र नहीं रखा गया है।

- (iii) निर्यातक से शेयरधारण पैटर्न के प्रश्न के बारे में पूछा जाना चाहिए था ।
- (iv) याचिका प्रति 12 महीने के लिए है जबकि जांच-अवधि 15 महीनों के लिए ।
- (v) सहायता राशि का पाटारोधी मामले में होना कोई संबंध नहीं बनता है । सहायता-राशियों के होने से कोई देश एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था नहीं बनता है।
- (vi) प्राधिकारी ने बिजली/पानी की वसूली संबंधी प्रश्न नहीं पूछे हैं और टाइल्स परिणामों के मामले में किए गए निवेदनों पर भरोसा किया गया है ।
- (vii) आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है और चीन की आयातों में अन्य देशों का ही हिस्सा शामिल है ।
- (viii) असाधारण सौदे नहीं दर्शाने वाले डीजीसीआईएस के आंकड़ों को गोपनीय नहीं रखा जा सकता है ।
- (ix) घरेलू उद्योग के बिक्री/उत्पादन-आंकड़े मध्यावधि समीक्षा/प्रारंभिक जांच-परिणामों से भिन्न हैं ।
- (x) प्रत्येक मानदण्ड की जांच अकेले कारक स्वरूप की जानी है ।
- (xi) कीमत कटौती 6.34% दर्शाई गई है और यह सीमा 10-16% दिखाई गई है ।

(II) जियांग्सू कुन्का

संबद्ध माल की मांग में गिरावट नहीं आई है । लेखा मानक भिन्न हो सकते हैं । इसी प्रकार की स्थिति में पोटेशियम कार्बोनेट के मामले में एमईटी दिया गया था।

(III) वेईफांग/शांगडोंग

इस संकंपनी में सरकारी निवेश नहीं दर्शाया गया है । यह कंपनी सीटीसी का उत्पादन नहीं करती है ।

(IV) एटीएमए

घरेलू उद्योग सम्पूर्ण मांग को पूरा नहीं करता है । एनटीसी उत्पादक लोग वित्तीय दृष्टि से टायर कंपनियों की तुलना में बेहतर है । सीटीसी ग्रेड के मामले में चीन के सप्लायर आस्थगित भुगतान कर रहे हैं ।

(V) चीन जन.गण. सरकार

- (i) निर्यातकों/आयातकों ने सहयोग करने का भरसक प्रयास किया है । किन्तु निर्दिष्ट

प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार नहीं दिया और यहां तक कि अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करके भी अलग-अलग व्यवहार भी नहीं दिया है।

- (ii) किसी भी एनटीसीएफ निर्यातक में चीन सरकार की कोई भी स्वामित्व रुचि नहीं दिखाई दी है।
- (iii) पाटन मार्जिन की गणना करते हेतु सहयोगकर्ता निर्यातकों की उपलब्ध निर्यात कीमत का उपयोग नहीं करके निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने ही कानूनों का उल्लंघन किया है।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच-परिणामों से पहले कोई भी स्पष्टीकरण नहीं मांगा है।

24. जुनमा टायर कॉर्ड कं0 लि0

जुनमा ने कहा है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध माल का (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से) निर्यात नहीं किया है। जुनमा द्वारा संबद्ध माल का प्रथम निर्यात जांच अवधि के बाद अर्थात् 15 अगस्त, 2003 को किया गया। वे अन्तिम जांच-परिणाम के बाद एक नई पोटवणिक समीक्षा दर्ज करने का प्रयास कर रहे हैं।

ज. जांच अवधि

25. पाटन तथा क्षति संबंधी जांच में दिनांक 1 अप्रैल, 2002 से 30 जून, 2003 तक (15 माह) की अवधि कवर की गई जिसे "जांच-अवधि" अथवा "पीओआई" कहा गया है। क्षति-विश्लेषण के संगत प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 1999-2000 से जांच अवधि तक (क्षति-विश्लेषण अवधि) कवर की गई। प्राधिकारी का निर्णय है कि जांच के लिए निर्धारित पीओआई का उस अवधि का होना जरूरी नहीं है जिसके लिए आंकड़े आवेदन-पत्र में निहित हैं। प्राधिकारी ने यह यथोचित समझा कि पीओआई को उस अवधि से एक तिमाही और बढ़ाया जाए जिसके लिए याचिकाकर्ता ने अपने आवेदन-पत्र में आंकड़े प्रदान किए थे। जांच के दौरान विभिन्न इच्छुक पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल में ऐसे आंकड़े उपलब्ध करा कर टिप्पणी देने का अवसर प्रदान किया गया है।

झ. प्रकटन विवरण-पत्र पर इच्छुक पक्षकारों के प्रत्युत्तर तथा जांच

26. प्रत्युत्तर

(i) घरेलू उद्योग

1. घरेलू उद्योग ने जांच के दौरान किए गए विभिन्न प्रत्युत्तर निवेदनों को दोहराया है जिसमें प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों के अपूर्ण प्रत्युत्तर, जानकारी की गोपनीयता, प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा जानकारी का तथाकथित छिपाना शामिल है।

2. घरेलू उद्योग ने एमईटी जांच के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्धारण का समर्थन करते समय तर्क दिया कि प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों को जांच के दौरान सूचीबद्ध अनेक अन्य कारणों की वजह से बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा नहीं दिया जा सका है।
3. पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रारंभिक जांच परिणामों में विहित पाटन मार्जिन की तुलना में काफी कम रहा है यद्यपि चीन की कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया नहीं गया है।
4. निर्धारित निर्यात कीमत को आयात-निर्यात कंपनी के खर्चों के कारण कम नहीं किया गया है। निर्यात कीमत में भी व्यापारिक कंपनी की लाभ राशि के संबंध में कम किया जाना चाहिए। इसके अलावा, कोई भी कीमत समायोजन पैकिंग तथा समुद्री बीमे, पत्तन सुपुर्दगी और अन्य खर्चों की वजह से किया गया प्रतीत नहीं होता है।
5. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई जानकारी से घरेलू उद्योग को हुई क्षति स्पष्ट रूप से साबित होती है।

(ii) निर्यातक

(क) मैसर्स निंगबो नाइलोन/निंगबो जिनलुन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी ने अपने पिछले निवेदनों को दोहराते हुए अपनी-अपनी टिप्पणियां दायर की हैं। किंतु निर्यातक ने प्रकटन विवरण-पत्र के अनुसरण में उन्हें प्रदान की गई व्यक्तिगत सुनवाई के अवसर का कोई लाभ नहीं उठाया। उनकी टिप्पणियां मोटे तौर पर इस प्रकार हैं:-

1. प्रकटन विवरण-पत्र में पड़ताल रिपोर्ट की तुलना में काफी अन्तर है।
2. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पड़ताल रिपोर्ट तक सभी जानकारी पूर्ण पाई है लेकिन उन्होंने अब यह उल्लेख किया कि कंपनी द्वारा अनेक जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई जोकि कानूनी तौर पर, वास्तव में और क्रियाविधि की तुलना में गलत है।
3. यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया कि कंपनी द्वारा दी गई जानकारी पूरी नहीं थी तो ऐसी स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए था कि वे इस जानकारी की पड़ताल न करें।
4. निर्यातक पर अनावश्यक, अत्यधिक, बेवजह और अवांछित भार डाला गया है। इस निर्यातक से अनावश्यक जानकारी की मांग की गई।
5. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों का प्रत्युत्तर नहीं दिया है और अपनी कार्रवाई के समर्थन में कोई कारण नहीं दिया है।
6. निर्यातक को घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका तथा जानकारी पर टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान नहीं किया गया है।

7. मौके पर जांच के दौरान दल ने अनेक मुद्दों पर संतुष्टि जताई थी लेकिन अब प्रकटन विवरण-पत्र में त्रुटियों का उल्लेख किया है और प्रकटन विवरण-पत्र में पूर्ण रूप से एक भिन्न स्थिति दर्शाई गई है ।
8. प्रकटन विवरण-पत्र में पहली बार अनेक नए तथ्यों को उजागर किया गया है जिसके लिए इच्छुक पक्षकारों को पहले सूचित नहीं किया गया ।
9. जब इसी प्रकार की परिस्थितियों में जानकारी को दूसरे मामलों में स्वीकार किया गया तो उसे इस मामले में अस्वीकृत नहीं किया गया ।
10. कीमत कटौती का निर्धारण श्रेणी-वार नहीं किया गया है ।

निंग्बो ने जांच के दौरान पहली बार परस्पर स्वीकार्य शर्तों पर कीमत कटौती की ऑफर की है ।

(ख) मैं शांडोंग पालिटेक्स केमिकल फाइबर कंपनी लिमिटेड ने अपने इस इरादे के साथ प्रत्युत्तर दिया है कि उन्हें कीमत संशोधन की राशि के बराबर के कीमत वचन-पत्र का सिद्धांत ऑफर किया जाए ।

(ग) मै0 जियांग्सू कुनफा ने ऐसे कतिपय अतिरिक्त दस्तावेजों को प्रस्तुत करते हुए प्रत्युत्तर दिया है जो 2000, 2001 तथा 2002 की अवधि के लिए लेखा-परीक्षित तुलन-पत्रों तथा लाभ-हानि खाते के संबंध में प्रमाणित सरकारी लेखाकार द्वारा जारी प्रमाण-पत्रों की अनुदित प्रतियां हैं। इसके अलावा, उन्होंने यांगझू केमिकल एसेट्स मैनेजमेंट कंपनी लि0 और चाइना हुआरोंग एसेट्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के निगमितिकरण संबंधी प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियां प्रस्तुत की हैं । उन्होंने सूचित किया है कि वे इसका अनुदित रूपान्तरण शेयरधारिता पैटर्न के साथ-साथ इसके प्राप्त होते ही दायर कर देंगे ।

iii) मैसर्स निंग्बो तथा मै0 शांडोंग पालिटेक्स ने परस्पर स्वीकार्य शर्तों पर कीमत वचन-पत्र ऑफर करने का इरादा व्यक्त किया है ।

27. प्राधिकारी द्वारा जांच

(i) घरेलू उद्योग

प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण-पत्र पर घरेलू उद्योग की टिप्पणियों को नोट कर लिया है और उन पर इन परिणामों में अपनी समुचित टिप्पणियों के साथ कार्रवाई की है ।

(ii) निर्यातक

(क) जहां तक निम्बो नाइलोन/निम्बो जिनलुन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी द्वारा उठाए गए मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी यह पाता है कि:-

1. जानकारी की पड़ताल के प्रयोजनार्थ किसी निर्यातक के परिसरों का दौरा करने का मतलब यह नहीं है कि इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सभी जानकारी प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार अन्यथा पूर्ण नहीं है। प्राधिकारी द्वारा ऐसी पड़ताल प्रस्तुत जानकारी की शुद्धता के संबंध में संतुष्टि करने के लिए की जाती है। पड़ताल द्वारा पक्षकारों के इस दायित्व को अन्यथा पूरा करने के बदले नहीं किया जाता है कि पूरी जानकारी उन्हें दी जाए और प्राधिकारी की ओर से यह संतुष्टि प्रमाणित की जाए कि निर्यातक द्वारा दायर जानकारी अन्यथा पूरी अथवा स्वीकार्य है।
2. विदेशी उत्पादकों को पड़ताल रिपोर्ट इसलिए जारी की जाती है ताकि पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न जानकारी और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित जानकारी के संबंध में कोई गलतफ़हमी समाप्त की जा सके। पक्षकारों को पड़ताल रिपोर्ट देना यह प्रमाण-पत्र नहीं होता है कि जानकारी अन्यथा पूर्ण है अथवा प्राधिकारी पक्षकार द्वारा प्रस्तुत जानकारी को आवश्यक रूप से अंगीकार कर ले।
3. नियमावली की योजना में यह प्रावधान नहीं है कि प्राधिकारी केवल जानकारी की पड़ताल कर ले बशर्ते प्राधिकारी संपूर्ण जानकारी को अंगीकार करना चाहे। किसी भी दशा में जानकारी की पड़ताल करना जांच-प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग होता है। ऐसी पड़ताल करना जानकारी को स्वीकार करने से पहले आवश्यक हो सकता है। किंतु, जानकारी की पड़ताल से जानकारी को स्वीकार करने की गारंटी नहीं होती है।
4. मौजूदा जांच में विभिन्न पक्षकारों द्वारा अनेक मुद्दे उठाए गए हैं। हालांकि प्रारंभिक जानकारी हेतु अनुरोध करना सभी मामलों में आमतौर पर तुलनीय होता है लेकिन पूरक/अतिरिक्त जानकारी मांगना मामले के विभिन्न तथ्यों तथा परिस्थितियों पर विचार करने हेतु वांछनीय होता है। प्राधिकारी इस बात पर विचार नहीं करता है कि निर्यातक से कोई अनावश्यक जानकारी मांगी गई और कंपनी पर अवांछित तथा अनावश्यक भार डाला गया है।
5. यह व्यवहारिक नहीं है कि इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत निवेदनों को जांच-परिणामों में शब्दशः प्रस्तुत किया जाए और न ही ऐसा करना नियमावली के अनुसार आवश्यक होता है। प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह उन प्रमुख कारणों को रिकॉर्ड करे कि जिनसे निर्धारण हो सके और यह इस मामले में किया गया है।
6. प्राधिकारी इस बात पर विचार करता है कि विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आवेदन-पत्र और किए गए विभिन्न निवेदनों पर टिप्पणी किए जाने के संबंध में जांच-प्रक्रिया के दौरान सभी इच्छुक पक्षकारों को अवसर प्रदान किया गया।

7. यह कहना सही नहीं है कि दल ने मामले के किसी भी पहलू पर संतुष्टि व्यक्त की है। वास्तव में, यह दल पड़ताल दौर के समय कोई राय व्यक्त नहीं कर पाया क्योंकि दौरा करने का प्रयोजन विभिन्न जानकारी की स्वीकृति पुष्ट करना अथवा अन्यथा नहीं होता है। प्राधिकारी से जांच के दौरान अपेक्षा है कि वह विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा सप्लाई की गई जानकारी की शुद्धता के प्रति स्वयं को संतुष्ट कर लें जिसके आधार पर प्राधिकारी जांच परिणाम निर्धारित करता है।

8. यह कहना गलत नहीं है कि प्रकटन विवरण-पत्र में अनेक नए तथ्य सामने लाए गए हैं। प्राधिकारी ने पक्षकारों द्वारा उठाए गए ऐसे विभिन्न मुद्दों को अथवा इस मामले में जांच करने के संगत तथ्यों को ही सामने प्रस्तुत किया है।

9. जैसाकि कीमत कटौती संबंधी पैराग्राफ से देखा जा सकेगा, प्राधिकारी ने ग्रे, डिप्ल तथा सीटीसी के लिए श्रेणी-वार अलग-अलग कीमत कटौती का निर्धारण किया है।

10. निम्बो ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी ने प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत संबंधी पैराग्राफ के अन्तर्गत परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्टों का हवाला दिया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने प्रौद्योगिकीय लागत के मुद्दे पर कार्रवाई की है जिसके लिए प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण-पत्र में कहा है कि प्रौद्योगिकी लागत के मुद्दे में परिसंपत्तियों, प्रौद्योगिकी तथा सुविधाओं संबंधी कीमत अधिग्रहण का मुद्दा शामिल होता है जिसके लिए पूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

(ख) जहां तक मै0 शांडोंग पोलिटेक्स द्वारा कीमत वचन-पत्र की ऑफर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि ऐसी ऑफर आमतौर पर प्रारंभिक निर्धारण के बाद की जाती है।

(ग) जहां तक जियांग्सू कुनफा का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि इस निर्यातक ने किसी भी आवश्यक तथ्य पर अपनी टिप्पणी नहीं की है।

iii) संगत नियमावली के अनुरूप प्राधिकारी ने दो निर्यातकों द्वारा कीमत वचन-पत्र की ऑफर पर विचार किया है। प्राधिकारी ने अनुबंधों के साथ-साथ विस्तृत कीमत वचन-पत्र संबंधी प्रोफार्मा दिया था जिससे कि निर्यातकों को अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने में सहायता मिल सके।

ट. पाटन

28. प्राधिकारी ने धारा 9क (1) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। चीन जन.गण. के सहयोगकर्ता निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है।

29. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को कार्यवाही शुरू किए जाने का नोटिस भेजा । मै0 जियांग्सू कुन्फा केमिकल कं0 लि0, मै0 शांडोंग पोलीटेक्स केमिकल फाइबर कं0 लि0 और मै0 निंग्बो जिनलुन इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं0 लि0 द्वारा प्रत्युत्तर दर्ज कराने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था जिसे कारण बताने पर प्राधिकारी ने प्रदान कर दिया था । निम्नलिखित उत्पादकों ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दर्ज किया:-

- ❖ निंग्बो नायलोन कं0 लिमिटेड (जिसे निंग्बो नायलोन कहा गया है)
- ❖ वेईफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल फाइबर कंपनी लिमिटेड और शांडोंग पोलीटेक्स (जिसे वेईफांग कहा गया है)
- ❖ जियांग्सू कुन्फा कंपनी लिमिटेड (जिसे जियांग्सू कहा गया है)

30. इन उत्पादकों द्वारा दर्ज प्रत्युत्तर अधूरे पाए गए जिनके ब्यौरे प्रारंभिक जांच-परिणामों में प्रकाशित किए गए । निर्यातकों को अपूर्णता संबंधी विस्तृत पत्र भेजे गए जैसाकि प्रारंभिक जांच परिणामों में पाया गया था । यहां यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि निर्यातक-आंकड़ों में कमी इतनी बड़ी और महत्वपूर्ण थी कि उनके निवेदनों पर प्रारंभिक जांच परिणाम आधारित नहीं हो सके । इन निर्यातकों से अतिरिक्त जानकारी प्राप्त की गई जिसकी प्राधिकारी ने विस्तृत जांच की गई और तब भी वह अपूर्ण पायी गई । प्राधिकारी द्वारा आगे भी अतिरिक्त जानकारी मांगी गई जिसे निर्यातकों ने प्रदान भी किया । निर्यातक मौके पर जांच करवाने पर सहमत हुए जिसे प्राधिकारी ने चीन जन.गण. में उनके अलग-अलग परिसरों में जाकर कर दिया । अतः प्राधिकारी इन निर्यातकों को मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ सहयोगकर्ता निर्यातक मानता है । यह उल्लेख है कि प्रारंभिक जांच-परिणामों में प्राधिकारी द्वारा सूचित कमियों को अनेक अवसर दिए जाने के बावजूद भी सुधासरा नहीं गया है । इनका मौके पर पड़ताल के समय मौखिक रूप से उल्लेख भी किया गया । इन कंपनियों को पड़ताल की जाने वाली जानकारी के प्रकार और डब्ल्यूटीओ एडीए के अनुबंध-1 के अनुसार दी जाने हेतु अपेक्षित अतिरिक्त जानकारी की पहले ही पर्याप्त सलाह दी गई थी । मौके पर पड़ताल से पहले अनेक स्पष्टीकरण मांगे गए थे जिसके उत्तर प्रस्तुत नहीं किए गए । प्राधिकारी यह नहीं समझता है कि ये त्रुटियां/कमियां आकस्मिक हैं । यद्यपि इन इच्छुक पक्षकारों ने अपनी-अपनी सर्वोत्तम योग्यताओं के अनुसार कार्रवाई नहीं की है, किन्तु प्राधिकारी ने यह समझा कि समुचित पायी गई सीमा तक प्रत्युत्तरों को स्वीकार किया जाए । प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि यह प्राधिकारी का काम नहीं है कि वह किसी सरकारी दखल को साबित करे बल्कि यह कंपनियों का काम है कि वह एमईटी से यह अनुरोध करें कि वह उनके व्यवसाय निर्णयों में किसी खास सरकारी दखल नहीं होना दिखाए।

31. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा:

- (i) जैसाकि ज्ञान निर्यातकों और चीन जन.गण. के दूतावास को सूचित किया गया है, प्राधिकारी ने यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा (7) और (8) को

ध्यान में रखते हुए गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाले चीन जनवादी गणराज्य के आवेदक के दावों की जांच की ।

(ii) यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था की धारणा का तब खंडन किया जा सकता है यदि अपनी बात को सिद्ध करने के लिए चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर जानकारी और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दें और इसके विपरीत साक्ष्य को साबित करें । चीन जन.गण. के संबद्ध माल के सहयोगकारी निर्यातकों/उत्पादकों से अपेक्षा है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दें ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-

(क) चीन जनवादी गणराज्य की संबंधित फर्मों के मूल्य, लागत और कच्चे सामान सहित इनपुट, प्रौद्योगिक लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्री और निवेश के बारे में निर्णय पूर्ति और मांग के बाजार के संकेतकों के प्रत्युत्तर में लिए जाते हैं और इस संबंध में राज्य की ओर कसे कोई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप नहीं किया जाता और क्या मुख्य इनपुटों की लागतें पर्याप्त रूप में बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं ।

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति भूतपूर्व गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण हानियों के अध्यधीन होगी विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्यहास अन्य बट्टे खाते डाली गई राशियों, वस्तु के बदले वस्तु व्यापार और ऋणों के मुआवजे के माध्यम से भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन होंगी जो फर्मों के सतत संचालन और स्थिरता के लिए विधिक आवश्यकताओं की गारंटी देती है ।

(घ) परिवर्तन के लिए विनिमय दर बाजार दर के हिसाब से होते हैं ।

(iii) बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी दावा प्रस्तुत करने की चीन के निर्यातक उत्पादकों को अनुमति दिए जाने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने सभी ज्ञात सहयोगकर्ता कंपनियों को एक-एक बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार-प्रश्नावली भेजी ताकि वे पैरा-8 के उप-पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर सकें । इन कंपनियों को स्वामित्व, प्रबंधन, नियंत्रण, वाणिज्यिक एवं व्यवसाय नीतियों के निर्धारण और वित्तीय स्थिति, आदि संबंधी विस्तृत प्रश्न भी भेजे गए । इन कंपनियों को स्वामित्व के मुद्दे यह पता लगाने के लिए पूछे गए थे क्या इन कंपनियों का स्वामित्व अथवा नियंत्रण सरकार के पास है । इन प्रतिवादियों से प्राप्त उत्तरों का विश्लेषण यह निर्धारण करने हेतु किया गया कि क्या इन कंपनियों ने बाजार

अर्थव्यवस्था वाले देश में प्राप्त स्वतंत्रता की तुलना में चीन की सरकार से पर्याप्त स्वतंत्रता का लाभ उठाया ।

- (iv) चीन के तीन उत्पादकों/निर्यातकों ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 8 के उप नियम 3 के अनुसरण में एमईटी से अनुरोध किया और एमईटी दिए जाने हेतु प्रश्नावली का उत्तर दिया । प्राधिकारी ने एमईटी प्रश्नावली में आवश्यक समझी गई जानकारी मांगी और प्रत्येक सहयोगकर्ता कंपनी को जारी पड़ताल-पूर्व पत्र में अतिरिक्त शंकाएं उठाई और साक्ष्य मांगे । प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों से निम्नांकित मानदण्डों के संबंध में सामान्य एवं कतिपय उदाहरण-विशिष्ट जानकारी का अनुरोध किया -

- ❖ स्वामित्व संबंधी ब्यौरे
- ❖ शेयरधारण पैटर्न
- ❖ संवर्धक/धारक कंपनी/कंपनियों संबंधी जानकारी, जहां कहीं यह पाया गया था कि किसी एक संवर्धक/शेयरधारक में टीवीई शामिल है
- ❖ टाउनशिप तथा ग्रामीण उद्यमों संबंधी कानून
- ❖ निदेशक मंडल के घटक, उनका वैधानिक दर्जा तथा प्रतिनिधित्व का व्यक्ति/दल
- ❖ कच्चे माल की निविष्टियां तथा लागतें- निम्नलिखित जानकारी मांगी गई:-
 - कैप्रोलेक्टम, शक्ति, भांप, पानी संबंधी जानकारी । इसमें इन मदों की सप्लाई के स्रोतों, सप्लायरों की पहचान तथा ढांचा और उस कीमत संबंधी जानकारी शामिल है जिस पर ये मदें सप्लाई की गई और इन निविष्टियों के बाजार मूल्य-संबंधी जानकारी शामिल है ।
 - क्या इन निविष्टियों का आधार अल्पकालिक अथवा दीर्घकालिक संविदाओं पर है ।
 - कच्चे माल, निविष्टियों, उपयोगिताओं तथा लागतों के संबंध में कोई सरकारी दखल, नियंत्रण अथवा हस्तक्षेप रहा । इन मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांग गया - (1) जांच-अवधि के दौरान चालू बाजार कीमतें, और (2) किस आधार पर यह साबित किया गया कि इन कीमतों का निर्धारण बाजार सप्लाई तथा मांग द्वारा किया गया ।
 - प्रत्येक लागत घटक की खरीद के ब्यौरे जिनमें ये इंगित हों (1) खरीदी गई मात्रा (2) उसका मूल्य (3) खरीद का स्रोत (4) सप्लायर के ब्यौरे (5) सप्लायर के संबंधों की अवधि ।
- ❖ सरकार द्वारा किसी न्यूनतम मजदूरी निर्धारण का होना अथवा नहीं और क्या ये उद्यम बाजार मांग के अनुसार मजदूरियों के निर्धारण हेतु स्वतंत्र हैं ।
- ❖ उत्पादन सुविधाएं तथा लागतें
- ❖ ऋण तथा उपदान

- ❖ वस्तु व्यापार/प्रति व्यापार
- ❖ लाभ वितरण
- ❖ दिवालियापन तथा सम्पदा कानून
- ❖ विनिमय दर परिवर्तन

(v) प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दर्ज और प्राधिकारी द्वारा पड़ताल की गई जानकारी पर चर्चा इसके बाद की गई है। एनईटी प्राप्त करने के लिए सहयोगकारी कंपनियों को यह जरूर दिखाना चाहिए कि वे यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 तथा 8 में निर्धारित मानदण्डों को पूरा करते हैं। पाटनरोधी नियमावली के उक्त उल्लिखित प्रावधान के आधार पर प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित नहीं है कि वह किसी सरकारी दखल को साबित करे बल्कि एनईटी हेतु अनुरोधक कंपनियों को चाहिए कि वे अपने-अपने व्यवसाय निर्णयों में किसी खास सरकारी दखल नहीं होने की पुष्टि कर दिखाएं। अनुबंध-1 के पैरा 7 तथा 8 में निर्धारित मानदण्डों, जिन्हें संक्षेप में ऊपर बताया गया है, का विश्लेषण किया गया।

32. मै0 निंग्बों नाइलोन कंपनी लि0 द्वारा एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर-

- (क) व्यवसाय-निर्णय बाजार-दशाओं के आधार पर और सरकारी हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं-
- (i) इस बात की जांच करने के लिए कि क्या सहयोगकारी उत्पादक/निर्यातक के संसाधन आबंटन और निर्णयन में सरकार का कोई प्रभाव अथवा हस्तक्षेप, प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष, रहा हो, प्रतिवादी के स्वामित्व पैटर्न की जांच की गई। इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए दावों/प्रति-दावों को हिसाब में लिया गया और जहां कहीं दिए गए थे, इस संबंध में ब्यौरों की पड़ताल की गई।
- (ii) प्राधिकारी ने चीन के कंपनी कानून की विस्तार से जांच की है। प्राधिकारी समझता है कि महत इस कारण से कि कोई कंपनी चीन के कंपनी कानून के तहत स्थापित है और वह इस कानून का पालन कर रही है, निर्णय लेने के लिए अपर्याप्त है कि कंपनी को एमईटी दिया जाए। वास्तव में, यह देखा गया है यदि कंपनी कानून के तहत कोई कंपनी निगमित होती है तो उस पर पूर्णतया अथवा पर्याप्त सरकारी स्वामित्व/नियंत्रण होता है। प्राधिकारी नोट करता है कि इन कंपनियों के निदेशक मंडल का गठन, इस मण्डल में प्रत्येक व्यक्ति की पहचान, उनके कार्य, इन व्यक्तियों द्वारा धारित अन्य पद, मण्डल में उनकी नियुक्ति के कारण, आदि बातें यह तय करने में कम महत्व की नहीं हैं कि क्या उनमें सरकारी हस्तक्षेप है। प्राधिकारी निदेशक-मंडल के गठन, पर्यवेक्षण मण्डल, महाप्रबंधक, उनके कार्य तथा शक्तियों, नियुक्ति तथा बर्खास्तगी, कंपनी की स्वायत्ता और सरकार द्वारा ऐसी कंपनियों में निभाई गई भूमिका यदि कोई है, अथवा सरकारी अथवा सरकारी

स्वामित्वाधीन/नियंत्रित व्यक्तियों/निकायों, नियुक्ति आदि के मामलों, प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित संगत प्रावधानों का हवाला देते हुए उन पर विश्वास करता है।

- (iii) इस निर्यातक ने एमईटी प्रश्नावली के अपने प्रत्युत्तर और दिनांक 1 सितंबर, 2004 को हुई मौखिक सुनवाई में दावा किया कि यह पूर्णतया गैर-सरकारी स्वामित्व वाली लिमिटेड देयता कंपनी है। निर्यातक प्रश्नावली तथा एमईटी प्रश्नावली में दिए गए शेयरधारण पैटर्न और शेयरधारकों की सूची में कुल शेयरधारण में 97.67% के साथ प्रमुख शेयरधारक के रूप में जिनलुन ग्रुप कारपोरेशन लि० का नाम इंगित किया गया। जांच के दौरान यह विदित हुआ कि निंग्बो नाइलोन कं० का एक बड़ा हिस्सा "किंगरिंग ग्रुप" के स्वामित्व में है। इस कंपनी की वेबसाइट जानकारी में स्पष्टरूप से बताया गया कि निंग्बो नाइलोन कं० लि० "किंगरिंग ग्रुप का प्रमुख उद्यम" है। लेकिन, इस निर्यातक के प्रत्युत्तर में किंगरिंग का कहीं भी कोई उल्लेख नहीं है।
- (iv) इस निर्यातक को ऐसा संगत साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया था कि निंग्बो नाइलोन किंगरिंग ग्रुप की एक पूर्णतया स्वामित्वाधीन सहायक कंपनी नहीं है जिससे घरेलू उद्योग के आरोप का खण्डन हो सके। निर्यातक प्रत्युत्तर तथा एमईटी प्रत्युत्तर में किंगरिंग ग्रुप के नाम का उल्लेख नहीं करने संबंधी कारण प्राधिकारी द्वारा इस जांच में और मौके पर पड़ताल के दौरान पड़ताल दल द्वारा पूछा गया। यह निर्यातक यह भी बताने में असफल रहा कि किंगरिंग ग्रुप पर चार टीवीई अथवा टाउनशिप तथा ग्रामीण उद्यमों का स्वामित्व है। प्रत्युत्तर में इन निर्यातक ने स्पष्ट किया है कि प्रमुख शेयरधारक कंपनी का सरकारी नाम "जिनलुन ग्रुप कारपोरेशन लि०" है। साथ ही, यह ग्रुप चीन में "किंगरिंग ग्रुप के नाम से जाना जाता है। प्रारंभिक जांच-परिणामों से पहले, इस निर्यातक द्वारा प्राधिकारी को उपर्युक्त के संबंध में कोई खुलासा नहीं किया गया। प्राधिकारी ने नोट किया कि इस निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित उन प्रारंभिक जांच परिणामों का कड़ा विरोध किया जिनमें इन मुद्दों के खुलासे शामिल थे और उस जानकारी की अधि-प्रमाणिकता को चुनौती दी जबकि उस जानकारी को बाद में वास्तव में सही पाया गया।
- (v) घरेलू उद्योग ने अपने अगोपनीय निवेदनों (सार्वजनिक फाइल में प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत) में कहा कि किंगरिंग ग्रुप शेयर होल्डिंग कं० लि० जिसने वर्ष 1982 में एक ग्रामीण (विलेज) फैक्ट्री के रूप में प्रचालन आरंभ किया था, एक "सामूहिक स्वामित्वाधीन" हस्ती है जो सिक्सी टाउनशिप बिजनेस ऐडमिनिस्ट्रेशन ब्यूरो के नियंत्रणाधीन है। अक्टूबर, 1993 में किंगरिंग ग्रुप कारपोरेशन की स्थापना हुई। 1994 में निंग्बो नाइलोन (जिनलुन) शेयर होल्डिंग्स कं० लि० की स्थापना किंगरिंग ग्रुप के साथ हुई जिसमें निंग्बो नाइलोन का लगभग 97.78% हिस्सा था। 1999 के अंत में किंगरिंग को एक "सामूहिक स्वामित्वाधीन" उद्यम से एक "शेयरहोल्डिंग्स"

हस्ती में परिवर्तित किया गया । 2001 में कर्मचारियों तथा प्रबंधकों के शेयर अलग से शेयर होल्डिंग ग्रामीण कंपनियों को पुनः आबंटित किए गए और ऐसा प्रतीत होता है कि 67.38% स्वामित्व ग्रामीण तथा टाउनशिप उद्यमों का है ।

(vi) इस निर्यातक ने घरेलू उद्योग के उपर्युक्त निवेदन का खण्डन नहीं किया जोकि सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध थे।

(vii) पड़ताल के दौरान प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता कंपनी से और भी जानकारी प्राप्त की जिससे प्राथमिक शेयरधारक अर्थात् जिनलुन/किंगरिंग ग्रुप के स्वामित्व तथा प्रचालनों की जांच की जा सके । घरेलू उद्योग ने एक ऐसा भी मुद्दा उठाया कि जिनलुन/किंगरिंग ग्रुप कारपोरेशन के प्रमुख शेयरधारक टाउनशिप तथा ग्रामीण उद्यम (अथवा टीवीई) हैं जिससे उनकी राय में यह साबित हुआ कि निंगबों नाइलोन के प्रचालनों में सरकारी हस्तक्षेप/नियंत्रण है । अतः प्राधिकारी ने यह समुचित समझा कि टीवीई के स्वामित्व वाली निंगबो नाइलोन कं० के संबंध में स्वामित्व के प्रकार और सरकारी हस्तक्षेप अथवा अन्यथा की जांच की जाए ।

(ख) **जिनलुन/किंगरिंग ग्रुप कारपोरेशन (मै० निंगबो नाइलोन की प्रमुख शेयरधारक/पूर्वज कंपनी) की स्थिति:-**

प्राधिकारी ने इस निर्यातक के शेयरधारण पैटर्न की जांच की ।

(i) यह कहा गया कि निंगबो नाइलोन का *** % शेयरधारण जिनलुन अथवा किंगरिंग ग्रुप के पास है । जिनलुन ग्रुप कं० लि० अथवा किंगरिंग ग्रुप की पंजीकृत पूंजी *** आरएमबी है । किंगरिंग, ग्रुप कं० लि० की सहायक कंपनियां दर्शाने वाली एक ढांचा-सारणी नीचे दी गई है जिसे इस निर्यातक द्वारा दिनांक 15.10.2004 के पत्र द्वारा प्रदान किया गया । इसका विश्लेषण इस प्रकार है:-

निंगबो जिनलुन ग्रुप कं० लि० अथवा किंगरिंग ग्रुप

पंजीकृत पूंजी * आरएमबी**

शेयर	सहायक कंपनियां	पंजी.पूंजी आरएमबी युआन	किंगरिंग द्वारा धारित
***	क	***	***
***	ख	***	***
***	ग	***	***
***	घ	***	***
***	ड.	***	***
***	च	***	***
***	छ	***	***

***	ज	***	***
***	झ	***	***
***	ट	***	***

- (ii) यह निवेदन किया गया कि लगभग *** % तथा *** % शेयर वास्तविक व्यक्त्यों अर्थात् क्रमशः *** और *** के पास है। लगभग *** % शेयरधारण कतिपय टाऊनशिप तथा ग्रामीण उद्यमों अथवा टीवीई के पास हैं जो इस प्रकार हैं-
- (क) दि टेंपल हिल विलेज इकनामिक कोआपरेटिव, जोंगहान नेबरहुड
- (ख) जोंगहान नेबरहुड कैपिटल मैनेजमेंट कोआपरेटिव
- (ग) यांगशान विलेज इकनामिक कोआपरेटिव, झोंगहान नेबरहुड
- (घ) माजियालु रोड विलेज इकनामिक कोआपरेटिव, झोंगहान नेबरहुड
- (iii) पड़ताल के दौरान यह समझा गया था कि टाऊनशिप उद्यम ऐसे उद्यम हैं जिन्हें मुख्यतया ग्रामीण सामूहिक आर्थिक संगठनों अथवा देहाती किसानों द्वारा निवेश किया गया है और उन्हें ऐसे टाऊनशिप अथवा कस्बों (उनके क्षेत्राधिकार वाले गांवों सहित) में स्थापित किया गया है जो समर्थनकारी कृषि शुल्क वहन करते हैं। इन उद्यमों की स्थापना उन्हीं गांवों अथवा पड़ोस में रह रहे अलग-अलग लोगों द्वारा की गई है। ग्रामीण सामूहिक आर्थिक संगठनों अथवा किसानों द्वारा किया गया निवेश कुल निवेश के 50% से अधिक होना चाहिए। यह संपदा किसानों के उस संपूर्ण निकाय की है जिन्होंने इन उद्यमों की स्थापना की है। इन संपत्तियों/उद्यमों के अलग-अलग स्वामी खपत करने, उसे रखने, अपनी-अपनी परिसंपत्तियों को बेचने अथवा निवेश करने संबंधी अपने-अपने निर्णय कर सकते हैं।
- (iv) ग्रामीण सामूहिक आर्थिक संगठनों अथवा अन्य उद्यमों, संगठनों अथवा अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा की गई संयुक्त पूंजी-निवेश से स्थापित टाऊनशिप उद्यमों के मामले में संपत्ति प्रत्येक द्वारा किए गए पूंजी निवेश के समानुपात में प्रत्येक निवेशक की होगी। किसानों द्वारा साझेदारी में अथवा अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा किए गए पूंजी-निवेश से स्थापित टाऊनशिप उद्यमों के मामले में यह संपत्ति पूंजी-निवेशकों की होगी।
- (v) किसी टीवीई द्वारा निदेशक मंडल में नामिति भेजे जाने संबंधी सभी निर्णय किसानों के संपूर्ण निकाय द्वारा मतदान द्वारा किया जाता है। प्रत्येक धारक कंपनी का मूल्यांकन धन के अनुसार किया जाता है और म्युचुअल फंड (टीवीई) का निर्माण प्रत्येक किसान द्वारा भूमि का योगदान (अर्थात् 500 एकड़) करके और दी गई भूमि के बराबर शेयर प्राप्त करके किया जाता है। इस सार्वजनिक निधि का कंपनी की परिसंपत्ति में हस्तांतरण शेयरों के बदले में किया जाता है। प्रत्येक सहकारी निकाय की संपूर्ण निधि का मूल्य शेयरों में दर्शाया जाता

है। जब बराबर मूल्य शेयर वही रहता है तब प्रति कंपनी के शेयरों की संख्या भी कंपनी के आकार के आधार पर अलग-अलग हो जाती है। लाभ का वितरण धारित शेयरों की संख्या पर निर्भर होता है। कोई भी किसान अपनी भूमि को इस सहकारी निधि से वापस ले सकता है। टीवीई द्वारा धारित परिसंपत्तियों का मूल्यांकन किसी स्वतंत्र परिसंपत्ति मूल्यांकन कंपनी अथवा स्वयं शेयरधारकों द्वारा लेखा-प्रणाली और कंपनी को हस्तांतरित परिसंपत्तियों के आधार पर किया जाता है और ऐसे हस्तांतरण की प्रक्रिया स्वतंत्र लेखा/मूल्यांकन कंपनियों द्वारा मूल्यांकित की जाती बताई जाती है, न कि सरकार द्वारा।

(vi) मै0 निंग्बो नॉयलोन के शेयरधारण पैटर्न की पड़ताल की गई जो इस प्रकार है:-

शेयर धारक	शेयर	शेयर %
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
योग	***	***

(vii) निंग्बो नॉयलोन तथा जिनलुन/किंगरिंग ग्रुप के निदेशक मंडल की सूची उनके प्रतिनिधित्व के हितों के साथ प्रस्तुत की गई।

(viii) निंग्बो नॉयलोन एक लिमिटेड देयता वाली कंपनी है जो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकृत नहीं है। इसके अधिकांश शेयर जिनलिन (किंगरिंग) ग्रुप कारपोरेशन द्वारा धारित हैं। टीवीई के शेयरधारक होने संबंधी मुद्दे की जांच चीन जन.गण. में टीवीई के कार्यचालन के नियंत्रण संबंधी कानूनी उपबंधों और ऐसे टीवीई के स्वामित्व के संबंध में की गई। टीवीई दिनांक 26 अक्टूबर, 1996 को लागू टाऊनशिप उद्यमों संबंधी चीन जन.गण. के कानून के तहत जो ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांशतया आर्थिक सुधारों को आरंभ किए जाने के बाद 1970 के दशक में मूल रूप से फैले थे, किया जाता है। ये टाऊनशिप उद्यम कृषि निविष्टियों, फार्म मशीनरी, कृषि उत्पादों तथा अन्य कम मूल्यवर्धित माल का उत्पादन करते हैं। कृषि मंत्रालय अपने टाऊनशिप उद्यम ब्यूरो के जरिए भी टाऊनशिप तथा ग्रामीण उद्यमों (टीवीई) के लिए जिम्मेदार है। प्राधिकारी यह नोट करता है कि मौजूदा मामले में टाऊनशिप उद्यमों ने अपने आप को ऐसे औद्योगिक उत्पाद में लगा रखा है।

(ix) यह स्पष्ट किया गया था कि टीवीई द्वारा धारित परिसंपत्तियों का मूल्यांकन स्वतंत्र परिसंपत्ति मूल्यांकन कंपनी अथवा स्वयं शेयरधारकों द्वारा लेखा प्रणाली के आधार पर किया जाता है और इन परिसंपत्तियों का इस कंपनी को हस्तांतरण सहकारिता द्वारा और स्वयं हस्तांतरण की प्रक्रिया द्वारा किया जाता बताया गया है जिसका मूल्यांकन स्वतंत्र लेखा/मूल्यांकन

कंपनी द्वारा किया जाता है न कि सरकार द्वारा । हालांकि यह स्थिति स्पष्ट की गई थी लेकिन इस निर्यातक ने परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट, हस्तांतरण मूल्यांकन रिपोर्ट, आदि जैसे कोई संगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए । टाऊनशिप उद्यमों के संबंध में चीन जन.गण. के कानून से ऐसा पाया जाता है कि सरकार भी इन टीवीई को वित्तीय सहायता अथवा योगदान प्रदान करती है । अतः यह पता नहीं लगाया जा सका कि क्या किंगरिंग में शेयर प्राप्त करने के लिए निधियां किसानों से अथवा सरकार से आइ हैं ।

- (x) सरकार की भूमि का टाऊनशिप उद्यमों संबंधी चीन जन.गण. के कानून के अनुच्छेद 5,6,7 तथा 20 के तहत बताई गई है । घरेलू उद्योग ने यह भी आरोप लगाया कि टीवीई में प्रतिनिधित्व सरकारी परिषद की ओर से किया गया है । मैसर्स जिनलुन ग्रुप के निदेशक मंडल की सूची में 7 निदेशकों को ऐसी ही ग्रामीण सहकारी समितियों से और 2 निदेशक पूंजी प्रबंधन सहकारी समिति से लिए गए हैं । इस निर्यातक ने यह नहीं दर्शाया है कि क्या इन निदेशकों का संबंध राज्य परिषद अथवा संबंधित राज्य परिषद अथवा टाऊनशिप प्रशासन के संबंधित विभाग के साथ है । यह स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या टाऊनशिप प्रशासन विभाग संगत राज्य परिषद अनुच्छेद 7 के अनुसार ऐसे निदेशकों की नियुक्ति करता है अथवा नहीं । अनुच्छेद 20 में भी राज्य वित्तीय संस्थानों द्वारा अनुकूल शर्तों पर अग्रता ऋण प्रदान किए जाने का उल्लेख है । यह नहीं बताया गया कि क्या जिनलुन ग्रुप जिसमें टीवीई के काफी संख्या में निदेशक शामिल हैं, अनुकूल शर्तों पर अग्रता ऋण पाने का हकदार है और यह भी कि क्या संबंधित कंपनियों में पूंजीनिवेश इस प्रकार के ऋणों से किया गया जिससे कि बाजार दरों से भिन्न दरों पर परिसंपत्ति अधिग्रहीत की जा सके ।

- (xi) ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि सरकार की भूमिका टीवीई के प्रत्यक्ष स्वामित्व के अनुसार है बल्कि आयोजना, समन्वय तथा पर्यवेक्षण और अनुकूल शर्तों पर ऋण तथा अग्रता ऋणों को प्रदान करने के अनुरूप है जैसाकि दिनांक 26 अक्टूबर, 1996 को लागू टाऊनशिप उद्यमों संबंधी चीन जन.गण. के कानून के अनुच्छेद 5,6,7 तथा 20 से विदित है । अतः स्थानीय निकाय (गांव तथा जिला) अधिकारियों के जरिए सरकारी हस्तक्षेप के मुद्दे को नकारा नहीं जा सकता है । इसके अलावा, इस सहयोगकारी निर्यातक ने ऐसे टीवीई के कार्यचालन तथा प्रबंधन में सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने बाबत तथ्य साबित अथवा प्रदर्शित नहीं किए हैं जिनमें निंग्बो नॉयलोन कंपनी के स्वामित्व वाले जिनलुन/किंगरिंग ग्रुप में प्रमुखता वाले शेयरधारण शामिल हैं ।

- (xii) इस निर्यातक ने यह टिप्पणी नहीं की है कि निंग्बो जिनलुन कंपनी अथवा किंगरिंग ग्रुप के *** आरएमबी की पंजीकृत पूंजी पर इस प्रकार *** आरएमबी मूल्य की अपनी 10 ग्रुप कंपनियों में अलग-अलग शेयरधारण % द्वारा किस प्रकार योगदान किया है ।

33. कीमतें, लागतें तथा निविष्टियाँ

- (i) विचाराधीन उत्पाद के लिए मुख्य कच्चा माल केप्रोलेक्टम है। पड़ताल रिपोर्ट के उत्तर में यह उल्लेख किया गया है कि मैसर्स निंग्बो नॉयलोन ने *** मी.टन. केप्रोलेक्टम की खरीद की है जबकि उनके दिनांक 15.4.2004 के पत्र के पृष्ठ *** पर यह मात्रा *** मी.टन दर्शाई गई है। मैसर्स निंग्बो नॉयलोन ने जांच अवधि के दौरान *** मी.टन. केप्रोलेक्टम की खरीद की जिसमें से *** मी.टन. राज्य उद्यमों से *** मी.टन. एनजेआईई(इसकी अपनी संगत कंपनी) से और *** मी.टन. गैर-सरकारी उद्यमों से की गई। इससे यह दर्शाया जाता है कि कंपनी ने राज्य स्वामित्व/अपने संगत उद्यमों से 80% केप्रोलेक्टम खरीदा।
- (ii) इस अवधि के दौरान मै0 एनजेआईई ने *** मी.टन. की खरीद की जिसमें से *** मी.टन. की खरीद घरेलू बाजार से, *** मी.टन. प्रोसेसिंग के प्रयोजनार्थ विदेशी क्रेताओं से और *** मी.टन. की खरीद सामान्य व्यापार के प्रयोजनार्थ विदेशी क्रेताओं से की गई थी।
- (iii) कंपनी द्वारा दी गई कीमतों चीन में चालू मासिक औसत घरेलू कीमतों (स्रोत: आईसीआईएस-एलओआर) और एशिया में चालू मासिक औसत संविदा कीमतों (आईसीआईएस-एलओआर) की तुलना की गई है।
- (iv) एनजेआईई के संबंध में स्थिति नीचे दर्शाई गई है:-

कीमतें प्रति मी.टन

जांच अवधि के दौरान चीन में केप्रोलेक्टम की तुलनात्मक कीमतें						
				एनजेआईई		
				स्थानीय खरीद	प्रोसेसिंग के लिए आयातित	सामान्य व्यापार के लिए आयातित
	एशिया डालर	चीन घरेलू आरएमबी	चीन घरेलू \$	\$मी.टन	\$/मी.टन	अम.डा/मी.टन
प्रैल-02	1000	11100	1341		***	***
मई	1000	10250	1238		***	***
जून	975	10350	1250		***	***
जुलाई	1110	12750	1540	***	***	***
अगस्त	1110	0	0		व	***
सितंबर	1110	12450	1504	***	***	***
अक्टूबर	1200	12550	1516		***	***
नवम्बर	1200	0	0		***	***

दिसंबर	1175	0	0		***	***
जनवरी-03	1175	12800	1545		***	***
फरवरी	1175	13150	1588		***	***
मार्च	1175	13350	1612		***	***
अप्रैल	1225	12250	1479		***	***
मई	1125	11350	1371		***	***
जून	1125	11900	1437		***	0

v. यह देखा जा सकता है कि एनजेआईई अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों की तुलना में कम कीमतों पर खरीद करने में सक्षम थी ।

vi. निंग्बो नाइलोन के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है:-

कीमत प्रति मी.टन

जाँच अवधि के दौरान चीन में कैपरोलेक्टम की तुलनात्मक कीमतें						
निंग्बो नाइलोन						
	एशिया \$	चीन घरेलू आरएमबी	राज्य के स्वामित्व वाला आरएमबी	संयुक्त स्टॉक कंपनी आरएमबी	निजी कंपनी आरएमबी	एजेआईई आरएमबी
अप्रैल-02	1000	11100	***	***	***	***
मई	1000	10250	***	0	0	***
जून	975	10350	***	0	0	***
जुलाई	1110	12750	0	0	0	***
अगस्त	1110	0	0	0	***	***
सितम्बर	1110	12450	***	0	***	0
अक्टूबर	1200	12550	***	0	***	***
नवम्बर	1200	0	***	***	***	0
दिसम्बर	1175	0	***	0	0	0
जनवरी-03	1175	12800	0	0	0	***
फरवरी	1175	13150	0	0	***	***
मार्च	1175	13350	***	0	***	0
अप्रैल	1225	12250	***	0	***	***
मई	1125	11350	0	0	0	*
जून	1125	11900	***	0	0	0

vii. यद्यपि निग्बो ने अपनी अधिकांश आवश्यकताओं की खरीद चीन से की है तथापि उनके द्वारा अदा की गई दरें चीन में प्रचलित दरों से कम हैं ।

viii. आगे विश्लेषण से यह पता चलता है कि प्रसंस्करण हेतु एन जे आई ई द्वारा खरीदा गया केप्रोलेक्टम निग्बो को आपूर्ति किया गया और इसे दो कंपनियों द्वारा अलग-अलग कीमतों पर लेखांकित किया गया ।

जांच अवधि के दौरान चीन में कैप्रोलेक्टम की तुलनात्मक कीमतें: कीमतें प्रति एमटी

			निग्बो के अनुसार		एनजेआईई के अनुसार
			एनजेआईई से	एनजेआईई	निग्बो को आपूर्ति की गई
	एशिया \$	चीन घरेलू आरएमबी	आरएमबी	\$	\$
अप्रैल-02	100	11100	***	***	**
मई	1000	10250	***	***	***
जून	975	10350	***	***	***
जुलाई	1110	12750	***	***	***
अगस्त	1110	0	***	***	0
सितंबर	1110	12450	0	0	***
अक्टूबर	1200	12550	***	***	***
नवम्बर	1200	0	0	0	***
दिसंबर	1175	0	0	0	***
जनवरी-03	1175	12800	***	***	***
फरवरी	1175	13150	***	***	***
मार्च	1175	13350	0	0	***
अप्रैल	1225	12250	***	***	***
मई	1125	11350	***	***	***
जून	1125	11900	0	0	***

ix. सत्यापन के दौरान निर्यातक ने कोई दीर्घावधिक संविदा या विशेष छूट प्रस्तुत नहीं की जिससे यह कंपनी इन दरों को प्राप्त करने में सक्षम हो । निर्यातक ने एन जे आई ई और निग्बो के बीच कोई कीमत अंतरण पत्र भी प्रदर्शित नहीं किया था ।

- X. प्राधिकारी नोट करता है कि कंपनी द्वारा अदा की गई कच्चे माल की कीमतों का मुद्दा एन ई टी और उसकी उत्पादन लागत के सही आंकलन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसी स्थिति में जबकि कच्ची सामग्री की कीमतें चीन के भीतर और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी प्रचलित बाजार दरों से काफी कम हैं, न केवल एन ई टी के लिए महत्वपूर्ण शर्त को पूरा नहीं किया गया है, बल्कि लागतों का भी अल्प मूल्यांकन किया गया है।

34. सुविधाएं

- (i) उत्पादक मै0 निंगबो नाइलोन ने संबद्ध कंपनी मै0 *** से बिजली, स्टीम खरीदी है। किंगरिंग ग्रुप का इस कंपनी में *** हिस्सा है। यद्यपि निर्यातक ने जल, बिजली और स्टीम की खरीद कीमतों को उपलब्ध कराया है, तथापि यह भी बताया गया है कि मै0 *** नामक कंपनी पहले *** नामक एक विभाग था। बीजक संख्या का निर्माण, आंतरिक संख्यांकन होने के कारण सभी सामूहिक कंपनियों में समान है। यद्यपि कंपनी ने यह उल्लेख किया है कि खरीद कीमतें प्रचलित बाजार कीमतें हैं, तथापि कंपनी मै0 *** द्वारा अन्य स्वतंत्र ग्राहकों को की गई आपूर्ति की सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इसके उत्तर में कंपनी ने *** को दी गई सेवाओं के लिए पाँच बीजक उपलब्ध कराए हैं। फरवरी, 2003 के लिए बीजक संख्या 00810976 जो प्रति इकाई लागत *** आरएमबी, मई, 2003 के लिए *** , जून 2003 के लिए *** , अप्रैल 2003 के लिए *** , और मार्च 2003 के लिए *** आरएमबी/के डब्ल्यू एच घंटा दर्शाता है जबकि इन महीनों के दौरान *** ने निंगबो काद *** आरएमबी/के डब्ल्यू एच की स्थिर कीमतों पर आपूर्ति की है। ये बीजक केवल एक (परिकल्पित) स्वतंत्र ग्राहक के लिए उपलब्ध कराए गए हैं इसलिए इनमें *** - *** आरएमबी/के डब्ल्यू एच का कीमत अंतर प्रदर्शित होता है। पूर्ण तथ्यों के अभाव में यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संबद्ध देशों से सुविधाओं की खरीद कम/सब्सिडी प्राप्त कीमतों पर की गई है।

यद्यपि *** द्वारा चार्ज की गई कीमतें *** आरएमबी/केडब्ल्यूएच की दर पर पूरी ताज्जुब अवधि के दौरान एकरूप रही थीं तथापि, सिक्सी के *** द्वारा चार्ज की गयी कीमतें जांच अवधि के दौरान *** से *** आरएमबी/केडब्ल्यूएच तक परिवर्तित हुई थीं। इन अनुरोधों में सिक्सी के *** से बड़ी खरीद इंगित नहीं है। निर्यातक ने केवल संबद्ध कंपनियों को इन यूटिलिटीयों की पूर्ति से संबंधित बीजक उपलब्ध कराए न कि व्यापक रूप से सामान्य ग्राहकों को। निर्यात को यह सिद्ध करने के लिए एक अवसर दिया गया था कि ***, जो कि इस अपना पूर्ववर्ती विग है, अब समरूप दरों पर सभी ग्राहकों को पूर्ति कर रहा है। दो संबद्ध कंपनियों के बीच भुगतान की व्यवस्था, अंतर-कंपनी वित्तीय व्यवस्थाओं से संबंधित मुद्दों को समझने के लिए प्रदर्शित नहीं की गई थी।

- (ii) किनग्रिंग ग्रुप की शेयरधारिता के ढंग के मद्देनजर यह तथ्य कि निर्यात की सभी ग्रुप कंपनियों के लिए साझा एक बीजक अंकण प्रणाली है, दूसरी ग्रुप कंपनी द्वारा विद्युत का उत्पादन किया जाता है जोकि पूर्णतः या काफी हद तक किनग्रिंग द्वारा रखी जाती है (जोकि बदले में टी वी ई द्वारा प्रारंभिक रूप से रखी जाती है), कीमतों में अंतर का भुगतान अन्य ग्राहकों तथा निंग्बो जिनलुन द्वारा किया जाता है, भांप तथा विद्युत संबंधी संविदा की एक प्रति प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराई गई है (यद्यपि पानी के बिल की प्रति उपलब्ध कराई गई है), असंबद्ध आपूर्तिकर्त्ताओं को कीमतें उपलब्ध नहीं कराई गई से इस निष्कर्ष तक पहुंचते हैं कि निर्यातक यह निर्धारित नहीं कर सका कि विद्युत तथा भांप की कीमतें, विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की प्रमुख निविष्टियां राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना की गई हैं न ही निर्यातक यह निर्धारित कर सका कि कीमतें भी अन्यथा तर्क संगत, विश्वसनीय तथा उपयुक्त थीं ।

35. प्रौद्योगिकी तथा श्रम की लागत

- (i) प्रौद्योगिकी की लागत में अन्य मुद्दों के साथ-साथ, परिसंपत्तियों, प्रौद्योगिकी तथा सुविधाओं से संबंधित कीमत अभिग्रहण के मुद्दे शामिल होते हैं । कंपनी द्वारा यह दावा किया गया है, कि विभिन्न टी वी ई के संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों का स्वतंत्र परिसंपत्ति आकलन संबंधी लेखा फर्मों द्वारा मूल्यांकन किया गया है जो कि बदले में इसकी विभिन्न व्यावसायिक उद्यमों को शेयरधारिता संबंधी हितों के अनुरूप आबंटित किया गया था । मै0 किनग्रिंग का निंग्बो नाइलोन शेयरहोल्डिंग लि0 में *** प्रतिशत हिस्सा है जो कि बदले में एन टी सी एफ का उत्पादन करती है । कंपनी ने चार टी वी ई के संबंध में इसकी परिसम्पत्ति संबंधी आंकलन रिपोर्ट तथा किंगरिंग ग्रुप के संबंध में ऐसी ही रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है । तथापि निंग्बो नाइलोन कं0 लि0 की शेयरधारिता का ढंग सिक्सी के *** द्वारा तथा *** द्वारा ***% प्रदर्शित करता है । चूंकि जिनलुन ग्रुप (किंगरिंग) के पास ***% हिस्सा है इसलिए वह मुद्दा जिसकी जांच की गयी है यह है कि क्या जिनलुन ग्रुप द्वारा रखी गयी परिसम्पत्तियां निंग्बो जिनलुन को गैर-बाजार कीमतों पर हस्तांतरित की गई थीं अथवा इनका मूल्यांकन बाजार दरों के अनुसार किया गया था । तथापि, सूचना और साक्ष्य दोनों न होने से कोई निष्कर्ष नहीं निकाले जा सके ।
- (ii) यह स्वीकार किया गया है कि कंपनी का पर्याप्त हिस्सा टी वी ई एस द्वारा ले लिया गया है । तथापि जिस तरीके से इन शेयरों को टी वी ई तथा अन्य निजी पक्षकारों को बेचा गया था और ऐसी स्थिति में जबकि टी वी ई एस का प्राथमिक कार्य और भूमिका किसानों के सामान्य कल्याण में लगाने की है तो उन्होंने किसी ऐसे औद्योगिक उत्पाद में आवश्यक वित्तीय संसाधन टी वी ई एस के पास कैसे रखे हैं इसका स्पष्टीकरण निर्यातक द्वारा नहीं किया गया है । यह नोट किया गया है कि निर्यातक द्वारा ऐसी सूचना मांग के लिए तर्क पर विचार करने और निर्यातकों पर डाले जाने वाले अनुचित भार का सुझाव देने के अलावा इस संबंध में कोई भी सूचना नहीं दी गयी है । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जब निर्यातक अपने दावे के समर्थन में तर्क देने के लिए स्वतंत्र है तो इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी

प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गयी सूचना प्रदान करने की है। प्राधिकारी के लिए यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि क्या राज्य द्वारा कंपनी को परिसम्पत्तियों की ऐसी बिक्री खरीद अंतः जनता को प्रस्तुत की गयी थी अथवा क्या सरकार ने उस कीमत का निर्णय किया था जिस पर ऐसी परिसम्पत्तियों का हस्तांतरण किया जाएगा। उसके केता का भी निर्णय लिया गया था।

- (iii) प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि जब सब्सिडियों की एक सुनिर्धारित प्रणाली वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र से बाहर है तो लाभों के तदर्थ प्रशासन जिसे प्राधिकारी को न तो प्रस्तुत किया गया और न ही उसका पर्याप्त स्पष्टीकरण दिया गया, पर राज्य का हस्तक्षेप किए जाने का कार्य बन सकता है।
- (iv) श्रम के संबंध में कंपनी ने विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को वेतनमानों के ब्यौरे उपलब्ध कराए थे। बी ओ एफ टी, एम ओ एफ सी ओ एम ने स्पष्ट किया है कि चीन की कंपनियों को न्यूनतम वेतन को पालन करने की आवश्यकता होती है। अन्यथा वेतनों का निर्णय श्रमिक संघों और संबंधित कंपनियों के प्रबंधन के बीच लिया जाता है। उनके वेबसाई में उल्लिखित सामाजिक सुरक्षा के पहलू को जांच के दौरान उठाया गया था। किंगरिंग ग्रुप की वेबसाई सूचना में कहा गया था कि जिनलुन ग्रुप के *** कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली में शामिल किए गए थे जिनके संबंध में निर्यातक से स्पष्टीकरण मांगा गया था। तथापि, पूर्व स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। तथापि अन्य निर्यातकों के उत्तर से यह समझ में आता है कि राज्य द्वारा अपने आर्थिक सुधार सुचारु रूप से करने के लिए चीन ने आर्थिक सुधारों के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया था ताकि राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण के भीतर प्रचालन करने के लिए संबंधित कंपनी की सहायता करने हेतु फालतू कर्मचारी का जायजा ले सकें। *** मिलियन लोग जिन्हें राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी से हटाया गया था, ने 2003 में सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम में कार्य शुरू किया था। श्रम में सब्सिडी (यदि कोई हो) के मुद्दे की और जांच नहीं की जा सकती थी।
- (v) प्राधिकारी का यह विचार है कि अधिशेष कर्मचारियों को निकालना अथवा सरकारी उपक्रम सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम अनुचित नहीं हो सकते तो वर्तमान प्रयोजनार्थ जो संगत है। वह यह कि इन कर्मचारियों को कैसे निकाला गया था, क्या उन पर कोई लागत खर्च की गयी थी यदि हाँ तो इन लागतों का भुगतान किसने किया। यदि ऐसी लागतें राज्य द्वारा खर्च की गयी थीं तो राज्य द्वारा धारित परिसम्पत्तियों का बिक्री मूल्य संगत बन जाता है। यदि इस पर निकाले जाने की लागतें संबंधित कंपनी द्वारा वहन की गई थीं तो क्या इन लागतों को बही खातों में समायोजित किया गया था।

36. उत्पादन, बिक्री और निवेश

- (i) कंपनी मुख्य रूप से घरेलू बाजार में बिक्री करती रही है। निर्देशित कीमत अथवा अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा किसी करार की संभावना की जांच नहीं की जा सकती। यद्यपि यह

नोट किया गया था कि इस जांच में प्रतिवादी कंपनियां विभिन्न ग्रेडों/डिनियर के लिए वही बिक्री कीमतें रखे हुए हैं। यह उनकी बिक्री नीतियों का हिस्सा हो सकता है। इसके अतिरिक्त जांच के दौरान यह देखा गया था कि कंपनी ने अपनी सहबद्ध कंपनियों को बिक्री की है। कंपनी से व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गयी घरेलू बिक्रियों की तुलना करने के प्रयोजनार्थ सहबद्ध कंपनियों की पहचान करने का अनुरोध किया गया था। इसका स्पष्टीकरण नहीं किया गया।

- (ii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि निंग्बो नालोन और एन जे आई ई दोनों के द्वारा घरेलू बिक्री की गई थी। तथापि, संपूर्ण निर्यात बिक्री एन जे आई ई द्वारा की गई थी। एन जे आई ई ने पूर्ण प्रश्नावली-मुख्य एवं एमईटी प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध नहीं कराया है, न ही प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या इस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था प्रदान किया जा सकता है या नहीं, एन जे आई ई का परीक्षण अथवा सत्यापन किया है। एन जे आई ई ने घरेलू बाजार में भी बिक्री की जिम्मेदारी ली है। एन जे के व्यावसायिक लाइसेंस के अनुसार कंपनी सामग्री का निर्यात नहीं कर सकती है परंतु घरेलू बाजार में बिक्री कर सकती है।
- (iii) निवेशों के संबंध में, कंपनी ने कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। कंपनी में किए गए निवेशों का संपूर्ण ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है। जिस पद्धति से टी वी ई ने शेयरधारिता की खरीद की, उसका भी पूरी तरह खुलासा नहीं किया गया है। एन जे द्वारा सहायक कंपनियों में किए गए निवेशों का भी पर्याप्त स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। यद्यपि वर्ष 2001, 2002 तथा 2003 (जांच अवधि) के संबंध में संपूर्ण वित्तीय रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई थी, तपि वर्ष 1999 एवं 2000 के लिए उपलब्ध वित्तीय रिपोर्ट में निवेशों के संबंध में गंभीर लेखा परीक्षक की अहंताओं के विषय में व्याख्या की गई है जिसके परिणामस्वरूप लेखों में निवेश प्रदर्शित नहीं होते हैं।

37. स्वतंत्र रूप से लेखा-परीक्षित एवं सभी उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त लेखा-विधि रिकॉर्ड

- (i) नियम 8 के प्रावधानों के तहत, प्राधिकारी द्वारा एक पारदर्शी एवं गैर विभेदकारी कंपनी कानून की मौजूदगी और उसके कार्यान्वयन को सत्यापित करने/किए जाने की आवश्यकता है जिसके द्वारा पर्याप्त नैगमिक शासन (अंतर्राष्ट्रीय लेखा-विधि मानकों को अनुपालन, पणधारकों का संरक्षण, कंपनी संबंधी सही जानकारी की उपलब्धता इत्यादि) को सुनिश्चित किया जा सके। बी ओ एफ टी ने स्पष्ट किया है कि चीन जन.गण. में कंपनियों को एक स्पष्ट मूल लेखा विधि रिकॉर्ड का सेट रखना आवश्यक होता है, जिनकी चीन के जी ए ए पी के अनुसार परंतु अंतर्राष्ट्रीय लेखा विधि मानकों के अनुसार नहीं, स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षा की जाती है।
- (ii) जैसा भ्रमण सत्यापन रिपोर्ट में बताया गया था, कंपनी ने अपना वित्तीय विवरण एवं लेखा-परीक्षा रिपोर्टें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। कंपनी ने निंग्बो नाइलोन और एन जे आई ई

दोनों के लिए वर्ष 2001, 2002 और 2003 की अवधि के लिए (आमतौर पर वार्षिक रिपोर्टों में पाए जाने वाले निदेशकों की रिपोर्टों, लेखा-परीक्षकों की रिपोर्टों, लेखा नोट, अनुबंधों इत्यादि के साथ) विस्तृत वित्तीय रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है। वास्तव में, एन जे आई ई के संबंध में, कंपनी ने केवल तुलन-पत्र और आय के विवरण संबंधी एक शीट उपलब्ध कराई है। इसे पूर्ण वित्तीय विवरण-पत्र नहीं कहा जा सकता है। एन जे आई ई ने अलग से एक पूर्ण प्रश्नावली उत्तर उपलब्ध नहीं कराया है, और न ही से एन जे आई ई के व्ययों एवं राजस्वों के संबंध में पूर्ण जानकारी संयुक्त प्रत्युत्तर में शामिल की गई है।

(iii) निंग्बो नाइलोन कंपनी के संबंध में दिनांक 15.10.2004 के पत्र के अनुसार अनुबंध-20 (पृष्ठ 185) में आय विवरण शीर्ष के साथ एक एक पृष्ठीय विवरण उपलब्ध कराया गया था। यद्यपि तथ्यों को सत्यापित किया जाना बाकी था, तथापि कम्पनी की अर्हता की जांच करने के लिए निर्यातक से लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

(iv) जिनलुन ग्रुप कंपनी लि०, इंटरनेशनल ट्रेड डिपार्टमेंट, (अनुमानतः एन जे आई ई) के संबंध में लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट में निम्नलिखित अर्हताएं पाई गई-

(क) वर्ष 1999 के लिए (दिनांक 15.10.2004 के पत्र का पृष्ठ 99)

" *** "

(ख) वर्ष 2000 के लिए (दिनांक 15.10.2004 के पत्र का पृष्ठ 107)

" *** "

(v) मै० निंग्बो नाइलोन कंपनी लि०, की लेखा-परीक्षा में निम्नलिखित अर्हताएं पाई गई हैं-

(क) वर्ष 1999 के लिए (दिनांक 15.10.2004 के पत्र का पृष्ठ 116)

" *** "

(vi) वर्ष 2000 (दिनांक 15.10.2004 के पत्र का पृष्ठ 129) के लिए मै० निंग्बो नाइलोन कंपनी की लेखा परीक्षा में कोई अर्हता नहीं पाई गई, तथापि, इसके अनुसार कुछ अन्य कंपनियों के साथ-साथ मै० *** से *** मिलियन आर एम बी प्राप्त किया जाना है। इस पृष्ठभूमि में, निंग्बो नाइलोन एवं एन जे आई ई के लिए वर्ष 2001, 2002 तथा जून, 2003 तक निदेशक की रिपोर्ट एवं लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट के अंग्रेजी रूपान्तर का अनुरोध किया गया था।

(vii) चूंकि कंपनी ने संगत अनुबंध उपलब्ध नहीं कराए थे, इसलिए यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि क्या लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कोई अर्हताएं थीं, और न ही कंपनी की लेखा विधि-पद्धति की जांच की जा सकी। यह भी सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि क्या लेखा

परीक्षक ने यह पता लगा लिया है कि कंपनी चीन में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों का पालन करती है और क्या कंपनी ऐसे रिकॉर्ड रखती है जिनके द्वारा व्यय, आय, राजस्व एवं लागत यथोचित और विशुद्ध रूप से प्रदर्शित होते हों ।

(viii) जैसाकि पहले कहा गया है, इस कंपनी द्वारा खरीदे गए/इसकी संबद्ध कंपनी एन जे और एन जे आई ई द्वारा सप्लाई किए गए कैप्रोलेक्टम की विभिन्न दरें एन जे तथा एन जे आई ई द्वारा विभिन्न दरों पर बताई गई । इसका वार्षिक परिणाम पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है । इस अंतर के लिए कंपनी द्वारा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है ।

(ix) जैसाकि पहले कहा गया है, यह समूह एकल बीजक प्रणाली अपनाता है जिसका आर् एन जे एनजेआईई, *** और सभी अन्य संबंधित कंपनियों द्वारा अपनायी जा रही एक बीजक प्रणाली से है । अंतर समूह सौदों की बहुतायत है । इस समूह की कंपनियों ने मुख्य और एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी राजस्वों, व्ययों एवं लाभों की सत्यता का सत्यापन नहीं कर सके हैं ।

38. पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से "कैरी ओवर" में कोई महत्वपूर्ण विकृतियां नहीं

(i) 23 सितंबर, 2004 के पत्र के माध्यम से निर्यातक से किंगरिंग समूह के बारे में शेयरों के पुनआर्बटन की संख्या और मूल्य तथा लाभार्थी कंपनियों के नाम के ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था । निर्यातक से यह भी स्पष्ट करने के लिए कहा गया था कि क्या इन शेयरों का पुनआर्बटन बाजार की दरों पर किया गया था अथवा क्या इनका निपटारा वार्ताओं के जरिए किया गया था । इसके अलावा, इसी पत्र में निर्यातक से यह स्पष्ट करने के लिए भी पूछा गया था कि ये परिसम्पत्तियाँ कैसे प्राप्त की गई थी (उदाहरणार्थ-खुले बाजार से खरीदी गयी थी, किसी शेयरधारक ने कंपनी को हस्तान्तरित की थी, किसी राज्य अथवा किसी तीसरी कंपनी आदि द्वारा मुफ्त दी गयी थी अथवा रियायत पर दी गयी थी) ।

(ii) इसके उत्तर में निर्यातक ने यह कहा है कि प्राधिकारी ने ऐसे कुछ प्रश्न उठाए हैं जो कानूनी प्रावधानों से उत्पन्न हुए हैं और जिनका उन पर अनुचित और अप्रत्याशित भार पड़ता है । किसी भी मामले में शेयरों का पुनआर्बटन का कम्पनी की संरचना तक कोई संबंध नहीं है । इसके अलावा, चूंकि सभी सौदे गैर-राज्य इकाइयों के बीच हुए हैं इसलिए प्राधिकारी द्वारा उठाए गए प्रश्न असंगत हैं ।

(iii) प्राधिकारी नोट करता है कि नियम 8 के अंतर्गत उल्लिखित मुद्दों और कीमत एवं लागत संबंधी मुद्दों की जांच केवल फर्म के स्वामित्व और उनके प्रबंधन द्वारा परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण और अधिग्रहण के तरीकों के संदर्भ में की जा सकती है । शेयरों के पुनआर्बटन, शेयरों की खरीद र, क्या ये बाजार दरों पर खरीदे गए अथवा अन्यथा, क्या इनकी पेशकश पूर्व-निर्धारित पक्षकारों को की गयी थी अथवा जनता को, परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन, परिसंपत्तियों इत्यादि की कीमतों के हस्तांतरण के बारे में उठाए गए मुद्दों के ब्यौरे निर्यातक

द्वारा उपलब्ध नहीं कराए गए थे और इसलिए इनकी जानकारी नहीं है। नियम 8 के उप पैरा 3 के उपखण्ड (ख) के संदर्भ में यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि निजी स्वामित्व में कंपनी के हस्तांतरण के दौरान राज्य के स्वामित्व वाले शेयरों की बिक्री मुक्त रूप से की गयी थी और बाजार की कीमत पर की गयी थी। इसकी संगतता न केवल प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष राज्य हस्तक्षेप के मुद्दे पर है बल्कि इसका प्रभाव संबद्ध लागतों, राजस्व कीमतों और लाभों पर भी है।

39. दिवालिएपन और संपत्ति कानूनों द्वारा प्रदत्त कानूनी वातावरण और स्थिरता

प्रतिवादियों समेत सभी कंपनियाँ दिवालिएपन और संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जो कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं।

40. बाजार दर पर किए गए मुद्रा विनिमय

- (i) चीन ने सन 1994 के बाद एकल, बाजार आधारित, व्यवस्थित अस्थिर विदेशी मुद्रा विनिमय प्रणाली का कार्यान्वयन शुरू कर दिया था। इस व्यवस्थित विदेशी मुद्रा विनिमय प्रणाली के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय रूप से अनुमत कानूनी एवं आर्थिक उपायों न कि प्रशासनिक उपायों के जरिए राज्य को विनिमय दरों के समायोजन में शामिल किया जा सकता है।
- (ii) निर्यातक द्वारा प्राप्त सब्सिडियां, यदि कोई हों।
- (क) कि घरेलू उद्योग ने अपने विभिन्न अनुरोधों में अनेक आधारों पर निर्यातक को एम ई टी प्रदान किए जाने का विरोध किया था। प्रमुख आधारों में से एक सब्सिडियों का तदर्थ प्रशासन, कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं से पूर्ण वैट की वसूली न कि इस प्रकार के वैट की वसूली करने वाले स्थानीय निकायों को किए जाने वाले पूर्ण वैट भुगतान से कम नहीं, राज्य अथवा प्रांतीय सरकारों से कंपनी द्वारा प्राप्त तदर्थ सब्सिडियों के आरोप, इस बात का भी उल्लेख किया गया था कि इस प्रकार की सब्सिडियों की गणना इस प्रकार की सब्सिडियाँ प्राप्त करने वाली कंपनी के खातों में करने की आवश्यकता नहीं है और इसकी गणना मूल कंपनी के खातों में की जा सकती है, यह भी आरोप लगाया गया था कि इन सब्सिडियों को प्रदान करने की कोई प्रणाली नहीं है और ये मामले तदर्थ प्रशासन के थे और ये किसी निर्धारित मापदण्ड के बिना मामला-दर-माला आधार पर दिए गए थे।
- (ख) घरेलू उद्योग ने मैसर्स नंग्बो नाइलोन (जिनलुन शेयर होल्डिंग कं0) कंपनी की 2003 की वार्षिक रिपोर्ट के उद्धरणों का अनुदित रूपान्तर प्रदान किया था जिसमें निम्नानुसार सब्सिडियों का संकेत दिया था:-

आरएमबी

अंतर सब्सिडियां

कुल

- (ग) सत्यापन के दौरान विचार-विमर्श किए गए थे और निर्यातक ने इस दस्तावेज की प्रमाणिकता का प्रश्न उठाया था। प्राधिकारी द्वारा इस दस्तावेज के शीर्षकों का अनुवाद करवाया था और यह इंगित करता है कि दस्तावेज निंग्बो नाइलोन से संबंधित निंग्बो सिटी इंडस्ट्रियल कमर्शियल, प्रशासन प्रबंधन ब्यूरो, कांप्रिहेंसिव आर्काइवज (जनरल डोजियर) का है।
- (घ) निंग्बो जिनलुन तथा एनजेआईई ने अपनी पूर्ण वार्षिक रिपोर्ट प्रदान नहीं की है। वर्तमान कंपनी किंगरिंग समूह समेत अन्य समूह की किसी भी कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्टें नहीं दी हैं। इस समूह की कंपनियों में भुगतान व्यवस्था के संबंध में स्पष्टीकरण देने का भी अनुरोध किया गया था ताकि यह समझा जा सके कि कंपनियों में अपनाए जाने वाले वित्तीय तंत्र कैसा है। इन निवेदनों/स्पष्टीकरणों के अभाव में प्राधिकारी इस समूह कम्पनियों में अपनाए जाने वाले वित्तीय तंत्र की पुष्टि करने की स्थिति में नहीं है और यह निष्कर्ष देने की स्थिति में नहीं है कि निर्यातक द्वारा कोई सब्सिडी प्राप्त नहीं की गयी है अथवा यह कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए आरोप झूठे हैं।

41. सामान्य मूल्य की संरचना का वर्गीकरण

- (i) उपर्युक्त और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उत्तरदाता कंपनी ने एम ई टी के लिए अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के उप नियम 2(i) और (ii) के साथ पठित अनुच्छेद 9 क (1) (ग) (I) तथा (ii) में दिए गए प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में दिए गए सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ हैं और वे यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 एवं 8 के अनुसार कार्यवाई करने के लिए बाध्य हैं।
- (ii) अतः उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए उचित रूप से समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत पर भी विचार करके तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।
- (iii) उत्पाद का विनिर्माण कैप्रोलैक्टम से होता है। यह नोट किया गया है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में (जांच अवधि के लिए भारित औसत) कीमत *** डालर प्रति किग्रा. है। घरेलू वसूली उद्योग ने *** डालर की औसत कीमत दी है। भारत में शुल्क के घटक को कम करते हुए आधार कीमत *** होती है जो जांच अवधि के दौरान एशिया में प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के बराबर है। निर्यातकों ने सत्यापन रिपोर्ट के अपने उत्तर के द्वारा यह उल्लेख किया है कि कैप्रोलैक्टम के लिए उपभोग कारक (निवेश उत्पादन मानकों के आधार पर

एनटीसीएफ तक) *** है। प्राधिकारी ने इस कारक की जांच की है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग अथवा चीन के उद्योग ने *** का उपभोग कारक प्रदर्शित किया है अतः *** कारक के मुद्रण त्रुटि प्रतीत होता है और सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए उसे स्वीकार नहीं किया गया है। ग्रे फेबिक के लिए सामान्य मूल्य *** डालर प्रति किग्रा. होता है। डिपिंग लागत को जोड़ने के बाद डिण्ड के लिए सामान्य मूल्य *** डालर प्रति किग्रा होता है।

42. मै0 निंगबो नाइलोन कंपनी लि0 द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर

मू0 निंगबो नाइलोन कंपनी ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गयी निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के सत्यापन और इन जांचों के लिए आवश्यक समझी गयी सूचना प्राप्त करने के लिए प्राधिकारी ने इस निर्यातक के परिसर में एक टीम भेजी।

43. सामान्य मूल्य

(क) मै0 निंगबो नायलोन

44. घरेलू बाजार में बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया गया है और उत्तर के परिशिष्ट 1 में घरेलू बाजार में बिक्री संबंधी सूचना प्रस्तुत की गयी है। निर्यातक ने परिशिष्ट 3 के अनुसार संबद्ध वस्तु की बिक्री अर्थात् भारत को निर्यात, घरेलू बाजार बिक्रियाँ तथा अन्य देशों को निर्यात से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। निम्नलिखित ग्रेडों अर्थात् *** के लिए सूचना प्रस्तुत की गयी है। परिशिष्ट 8,9 और 10 में प्रस्तुत फैक्टरी लागतें लाभ भी इन ग्रेडों के लिए प्रस्तुत किए गए हैं। परिशिष्ट 3 क (भारत को निर्यातों के लिए बिक्री कीमत संरचना) में कमीशन के अतिरिक्त एफओबी पूर्व तथा पश्चात के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। परिशिष्ट 3ख (घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत संरचना) में अंतर्देशीय भाड़ा और डिपिंग लागतें, जहां कहीं भी लागू हों, के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। निर्यातक ने भारत को निर्यात बिक्रियों के सभी बीजक तथा चीन जनवादी गणराज्य में घरेलू बिक्रियों के नमूना बीजक भी प्रस्तुत किए हैं।

45. उत्पादन लागत:- सत्यापन के समय परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई उत्पादन लागत के लिए बैंक अप विवरणों की मांग की गयी थी। यह सूचित किया गया था कि परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई लागत जांच अवधि के लिए औसत लागत है। विचाराधीन उत्पाद के लिए अनुप्रयोज्य हिस्सा 15 महीनों के लिए समग्र था और उसे कंप्यूटर से दिखाया गया था। उत्पादन लागत (मासिक) लागत लेखा प्रणाली से निकाली गयी थी। आबंटित लागतें कंपनी द्वारा विनिर्मित विभिन्न ग्रेडों पर ध्यान दिए बिना थीं और यही औसत लागत ही लागत प्रणाली में दर्शाई गई कुल लागत की विशुद्धता को जांच अवधि के लिए एक पृष्ठ के वित्तीय विवरण के साथ उसे जोड़ कर दर्शाया गया था।

46. निर्यातक ने घरेलू बाजार में बेची जाने वाली सभी ग्रेडों के संबंध में ग्रेड वार लागत उपलब्ध नहीं कराई है। निर्यातक ने भारत को निर्यातित ग्रेडों के संबंध में ग्रेड वार लागत उपलब्ध कराई है जिसकी उचित रूप से तुलना निंग्बो नाइलोन के संबंध में जांच अवधि के लिए कुछ लागत आबंटन (मूल्य ह्रास तथा वित्तीय प्रभारों को छोड़कर) से की गई है। कुल लागत आबंटन से बिना किसी ग्रेड के एन टी सी एफ की प्रति मी.टन भारित औसत लागत प्राप्त होती है। कंपनी ने लेखा परीक्षा रिपोर्टें, निदेशक रिपोर्टें तथा वर्ष 2002, 2003 और जांच अवधि के लिए पूर्व वित्तीय विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः दावा किए गए व्ययों, संबंधित लेखा परीक्षकों द्वारा किए गए वित्तीय लेखा/प्रणाली में कोई अहंताएं, यदि कोई हों, की प्रामाणिकता को स्थापित नहीं किया जा सका। अतः, प्राधिकारी विभिन्न ग्रेडों की उत्पादन लागत का निर्धारण तथा उक्त ग्रेडों में घरेलू बाजार में बिक्री में हानि वाले सौदों को अलग करने में सक्षम नहीं थे। उपर्युक्त के मद्देनजर तथा संबंध निर्धारित करने के लिए बिक्रियों के संबंध में सूचना की अनुपस्थिति में प्राधिकारी व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया नहीं अपना सके।
47. परिशिष्ट 4-1 (पृष्ठ 240-241) के अनुसार उसके 29 दिसंबर, 2003 के उत्तर के जरिए यह बताया गया था कि आयातक एवं निर्यातक कंपनी (संभाव्यतः एन जे आई ई) द्वारा की गयी बिक्रियाँ डिप्ट श्रेणी में *** मी.टन और ग्रे श्रेणी में *** मी.टन थीं जिनका योग *** मी.टन था। उसमें से *** मी.टन को ग्रे के रूप में बेचा गया था और शेष *** मी.टन संभवतः डिप्ट था। यह उल्लेख किया गया कि डिप्ट श्रेणी के *** मी.टन की बिक्री अन्य देशों को की गयी थी जिसका अर्थ यह है कि शेष *** मी.टन की बिक्री संभवतः घरेलू बाजार में की गयी है। उसके दिनांक 15.10.2004 के पत्र (पृष्ठ 189-191) के द्वारा प्रस्तुत एन जे आई ई की घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना में कुल योग *** मी.टन हुआ जिसमें *** मी.टन का अंतर था जिसे स्पष्ट नहीं किया गया है।
48. निर्यातक ने घरेलू बाजार में एन जे आई द्वारा बिक्री की गयी ग्रेड वार मात्रा प्रस्तुत की है। *** ग्रेड के आंकड़ों में अंतर को नोट किया गया है।
49. मै0 निंग्बो ने *** मी.टन की बिक्री घरेलू बाजार में की है। अनुषंगी कंपनियों को की गई इसकी बिक्रियों के बारे में जानकारी नहीं है क्योंकि इनके आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। पड़ताल के दौरान यह उल्लेख किया गया कि मैसर्स *** अनुषंगी कंपनियां हैं। इन कंपनियों के अलावा निर्यातक से अनुरोध किया गया था कि वह अनुषंगी कंपनियों को घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों को अभिज्ञात करे। इस निर्यातक ने प्राधिकारी के उस अनुरोध का उत्तर नहीं दिया कि घरेलू बाजार में उसकी अनुषंगी कंपनियों को की गई बिक्रियों को अभिज्ञात अथवा निश्चेषन किया गया है।

50. इस निर्यातक ने अपने प्रत्युत्तर के अनुबंध 17 पर पड़ताल के पश्चात् घरेलू बाजार में किए गए सौदों के संबंध में ईआरपी संख्या पर वैट बीजक संख्या उपलब्ध कराई है। यह दावा किया गया है कि इन वैट संख्याओं की क्रम संख्या जारी है। इस विश्लेषण का प्रयोजन मूल रूप से घरेलू बाजार में बिक्री प्रणाली को समझना है, कंपनी अपनी बिक्रियों को किस प्रकार नियंत्रित करती है, धन को किस प्रकार प्राप्त किया जाता है और घरेलू बाजार में उत्पाद किस कीमत पर बेचा जाता है। अनुबंध 17 से यह देखा जाता है कि उसी ईआरपी संख्या पर अलग वैट संख्या जारी की गई, शायद यह उसी ग्राहक के लिए हो लेकिन उसकी सुपुर्दगी शेड्यूल पर आधारित। अलग-अलग मात्रा की बिक्री अलग-अलग वैट बीजक संख्याओं पर की गई है। पड़ताल के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि इस कंपनी की एक ही सामान्य ईआरपी संख्या है। इन ईआरपी संख्याओं में कुछ अन्तर को सूचीकृत किया गया है और अग्रेषित किया गया। इस निर्यातक से यह पुष्टि करने का अनुरोध किया गया कि क्या ये अन्तर मूल रूप से मानवीय गलती के कारण दिखाए गए हैं अथवा यह अन्य अनुषंगी कंपनियों द्वारा प्रयुक्त उसी ईआरपी संख्या के कारण हुआ है। इस निर्यातक ने यह स्थिति स्पष्ट नहीं की है किंतु ईआरपी संख्या के साथ-साथ वैट संख्या प्रदान करनी चाहिए। यह वैट संख्या अलग-अलग क्रम में है जोकि *** आदि से शुरू होती है। इस प्रकार यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इस कंपनी की सतत संख्या अंकन अपने बिक्री बीजकों के लिए है जिससे घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों की पड़ताल की जा सके। ईआरपी संख्या के संबंध में 90006060 मैसर्स निंग्बो नॉयलोन कंपनी द्वारा एनटीसीएफ के जॉब वर्क की प्रोसेसिंग से संबंधित है। यह सूची उनके दिनांक 15.10.2004 के पत्र द्वारा पृष्ठ 183-184 पर अनुबंध 19 पर प्रदान की गई है। पड़ताल के दौरान यह जानकारी में आया कि यह कंपनी जॉब वर्क के लिए बिक्री बीजक बनाती है। यह सूची पूरी नहीं है क्योंकि इसमें एनजेआईई के लिए मैसर्स निंग्बो नॉयलोन द्वारा किए गए जॉब वर्क, बताए गए बीजकों और इस संबंध में प्राप्त धन के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
51. घरेलू बिक्रियों पर दिए गए अन्तर्राज्यीय भाड़े के पहलू पर पड़ताल के दौरान चर्चा की गई। यह उल्लेख किया गया कि घरेलू बाजार में लगभग *** खरीददार हैं और यह बिक्रियां भुगतान आधार पर भाड़े पर की गई हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि यह भाड़ा खरीददार द्वारा दिया गया है। इस बात का उल्लेख किया गया है कि लगभग *** कंपनियां अपना अपना भाड़ा भुगतान करती हैं। इस निर्यातक से अनुरोध किया गया कि वह ऐसी कंपनियों को अभिज्ञात करे और उस राशि का आबंटन संगत बीजकों पर ही अन्तर्राज्यीय भाड़े पर किया गया दर्शाए। किंतु जांच अवधि के दौरान भुगतान किए गए कुल भाड़े को इंगित करते हुए एक सूची उपलब्ध कराई गई। इसमें ऐसी खेपों पर दिए गए भाड़े को स्पष्ट रूप से इंगित नहीं किया गया जहां कंपनी ने भाड़ा भुगतान किया है। एनटीसीएफ की औसत लागत में अन्तर्राज्यीय भाड़े का हिस्सा अभिज्ञात नहीं किया गया है।
52. इस बात का उल्लेख किया गया है कि मैसर्स निंग्बो नॉयलोन ने *** मी.टन केप्रोलेक्टम की खरीद की है जबकि दिनांक 15.4.2004 के पत्र के पृष्ठ 90 पर इंगित किया गया है, यह मात्रा *** मी.टन दर्शाई गई है। इस निर्यातक ने अब यह उल्लेख किया है कि

एनजेआईई के मामले में जॉब वर्क आधार पर केप्रोलेक्टम की वास्तविक खपत *** मी.टन है जबकि दिनांक 29.12.2003 के निवेदन पत्र के पृष्ठ 244 के परिशिष्ट 6 द्वारा औसत खपत *** मी.टन दिखाई गई है। यह भी दर्शाया गया कि इस कंपनी ने घरेलू तथा निर्यात बाजार में खपत के लिए केप्रोलेक्टम की अलग से लागत का दावा किया है और अपने घरेलू बाजार में केप्रोलेक्टम के कारण अपेक्षित अधिक उत्पादन लागत का दावा किया है किंतु उपर्युक्त खपत घटक से एक विपरीत तस्वीर परिलक्षित होती है।

53. इन परिस्थितियों में, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमानुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 में विहित उपबंधों के आधार पर किया जाता है।

54. निर्यात कीमत:

(क) मैसर्स निंग्बो नॉयलोन

55. इस निर्यातक ने संबद्ध माल की बिक्रियों अर्थात् भारत को निर्यात, घरेलू बाजार बिक्री और अन्य देशों को निर्यात संबंधी जानकारी प्रस्तुत की। यह जानकारी भारत को निर्यातित विभिन्न ग्रेडों के संबंध में प्रस्तुत की गई है। इन ग्रेडों के संबंध में फैक्टरी लागतें तथा लाभ परिशिष्ट 8,9 तथा 10 में प्रस्तुत की गई है।

56. प्राधिकारी द्वारा जांच

1. प्राधिकारी यह नोट करता है कि "ग्रेडों" का सीमांकन निर्यातक द्वारा विशिष्ट वास्तविक अथवा तकनीकी तथ्यों से संयोजित लागतों पर विस्तार से बताए बिना किया गया है जिससे इन ग्रेडों को अलग-अलग दर्शाया गया। प्राधिकारी यह नोट करता है कि भारत को निर्यातित प्रत्येक ग्रेड के लिए उत्पादन लागत अलग-अलग बताई गई है। यह देखा जाता है कि कच्चे माल की लागत तथा अन्य निविष्टियां इन ग्रेडों के बीच काफी हद तक अलग-अलग दर्शाई गई है।
2. परिशिष्ट 3 में दावा किए गए समायोजनों (भारत को किए गए निर्यात के संबंध में बिक्री कीमत ढांचा) के ब्यौरे निम्नानुसार हैं-

निंग्बो नॉयलोन भारत को निर्यात

उत्पाद	मात्रा	समग्र निवेश	डिस	निवल निवेश	कॉम.	छूट	अंतर भाड़ा	विदे. भाड़ा	बिक्री	नि.मू.	निवल ला/मी टन
	I										

भारत को निर्यातित मात्राओं जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है और दावे किए गए समायोजनों पर विचार किए जाने के बाद विभिन्न ग्रेडों की अलग कारखानागत निर्यात कीमत जिसमें निम्नो. से एनजेआईई को कमीशन/बिक्री खर्च इत्यादि की वजह से *** % दर से समायोजन शामिल है, के आधार पर प्राधिकारी ने ग्रे श्रेणी के लिए *** अम.डा.प्रति किग्रा. और डिण्ड श्रेणी के लिए *** अम.डा. प्रति किग्रा की भारत औसत कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

57. मै0 शांडोंग पोलीटेक्स द्वारा एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर

(क) कारोबारी निर्णय तथा लागत निर्धारण बाजार दशाओं के प्रत्युत्तर में किया जाता है:

58. इस मुद्दे की जांच करने के प्रयोजनार्थ कि क्या सहयोगकारी उत्पादक/निर्यातक के संसाधन आबंटन तथा निर्णयों पर सरकारी प्रभाव रहा है, चाहे प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से हो, प्रतिवादी के स्वामित्व पैटर्न की जांच की गई।
59. निर्यातकों तथा एमईटी प्रश्नावलियों के उनके प्रत्युत्तर में यह स्पष्ट किया गया कि ग्रेट ड्रैगन बंद हो गया है और सभी परिसंपत्तियाँ, स्टॉफ, रिकॉर्ड तथा व्यवसाय पोलीटेक्स द्वारा समाहित किया गया है और यही वह पोलीटेक्स है जो आवश्यक सहयोगकारी पक्षकार है अर्थात् यही इस जांच में हिस्सा लेने के लिए सक्षम है। वेईफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल फाईबर कंपनी लि0 जिसे वर्ष 1995 में संयुक्त उद्यम उपक्रम के रूप में शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाईबर(ग्रुप) कंपनी और सिंगापुर मेगावे ग्रुप कारपोरेशन लि0 द्वारा निगमित किया गया था।
60. ग्रेट ड्रैगन जो मूलरूप से चीन-विदेशी संयुक्त उद्यम कंपनी थी, के शेयरधारक निम्नानुसार हैं-

शेयरधारक	पूंजी निवेश (यूनिट: 1 मिलियन अम.डा.)	पूंजी निवेश का अनुपात
मेगावे डेवलपमेंट लि0, सिंगापुर	***	***
शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाईबर ग्रुप कंपनी	***	***

61. ग्रेट ड्रैगन में पंजीकृत पूंजी लगाने के पश्चात्, मेगा ड्रैगन ने *** मिलि.युआन(जिसमें *** युआन पूंजी और उस पर लगा ब्याज शामिल है) ग्रेट ड्रैगन को उसका उत्पादन बढ़ाने के प्रयोजनार्थ उधार दे दिया। चूंकि ग्रेट ड्रैगन ने यह ऋण मेगा ड्रैगन को समय से चुकता नहीं किया इसलिए मेगा ड्रैगन ने ग्रेट ड्रैगन के खिलाफ शांडोंग वेईफांग इन्टरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट में एक कानूनी मुकदमा दाखल कर दिया जिसके परिणामस्वरूप

दोनों पक्षकार इस कारार पर पहुंचे कि ग्रेट ड्रैगन अपनी *** मिलि.युआन मूल्य की सभी परिसंपत्तियों को मेगा ड्रैगन को दिनांक 25 अगस्त, 2003 को हस्तांतरित करेगा ताकि मेगा ड्रैगन को देय ऋण का भुगतान किया जा सके और बाकी *** युआन दिनांक 30 अक्टूबर, 2003 से पहले वापस करेगी।

62. मेगा ड्रैगन जिसने शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० को धन दिया था, ने दिनांक 13 अगस्त, 2003 को एक भुगतान करार पर हस्ताक्षर किए जिसमें मेगा ड्रैगन सी ड्रैगन को *** मिलि.युआन मूल्य की परिसंपत्तियां वापस करने पर राजी हो गया। उसके बाद मेगा ड्रैगन ने सी ड्रैगन को ग्रेट ड्रैगन से प्राप्त उसकी *** मिलि.युआन मूल्य की परिसंपत्तियों का हस्तांतरण कर दिया। दिनांक 18, 19 तथा 21 अगस्त, 2003 को सी ड्रैगन, मेगा ड्रैगन तथा ग्रेट ड्रैगन ने 3 परिसंपत्ती हस्तांतरण करार किए जिसमें यह सहमति हुई थी कि ग्रेट ड्रैगन सी ड्रैगन को *** मिलि.युआन मूल्य की परिसंपत्तियों का हस्तांतरण करेगा।
63. उपर्युक्त परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के पश्चात् शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० ने शांडोंग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी के साथ जुलाई, 2003 में एक शेयरधारक करार पर हस्ताक्षर किए ताकि शांडोंग पोलिटेक्स केमिकल फाईबर कंपनी लि० की स्थापना की जा सके जोकि दिनांक 28 अक्टूबर, 2003 को वाणिज्य एवं उद्योग प्रशासन के साथ अधिकारिक रूप से पंजीकृत था। सी ड्रैगन ने ग्रेट ड्रैगन से प्राप्त उपर्युक्त सभी परिसंपत्तियों को किराए पर पोलिटेक्स को दे दिया। परिसंपत्तियों से विहीन ग्रेट ड्रैगन अब समाप्त हो गया है और यह अब बिल्कुल भी प्रचालन में नहीं है।
64. इस प्रकार शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० और शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड ने शांडोंग पोलिटेक्स केमिकल फाईबर कंपनी लि० में क्रमशः *** और *** का पूंजीनिवेश किया।
65. जांच अवधि पश्चात् फरवरी, 2004 में शांडोंग पोलिटेक्स केमिकल फाईबर कंपनी लि० में शेयरधारण पैटर्न के फलस्वरूप निम्नानुसार और भी परिवर्तन गिरते गए।
 1. शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० ने *** % पूंजी निवेश किया;
 2. शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं० लि० ने *** % पूंजी निवेश किया; और
 3. शांडोंग लोंगहाऊ केमिकल फाईबर कंपनी लि० ने *** % पूंजी निवेश किया।
66. शांडोंग पोलिटेक्स केमिकल फाईबर कंपनी लि० की संस्था नियमावली के अनुच्छेद 1 के अनुसार शांडोंग पोलिटेक्स केमिकल फाईबर कंपनी लि० शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० और शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी की चीन जन.गण. के कंपनी कानून के अनुसार निगमित सीमित देयता वाली एक संयुक्त स्टॉक कंपनी है।

67. शेयरधारण पैटर्न के ब्यौरे निम्नानुसार हैं-

27.02.04

शेयरधारक	आरएमबी(मिलि.युआन)	पूँजीनिवेश का अनुपात
----------	-------------------	----------------------

68. अतएव इस कंपनी की कुल पंजीकृत पूँजी *** युआन है ।

69. शांडोंग पोलिटेक्स एक सीमित देयता वाली कंपनी है जिसका स्वामित्व उपर्युक्त कंपनियों के पास है । यह एक सूचीकृत कंपनी नहीं है लेकिन यह शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कंपनी लि० की अनुषंगी कंपनी है जो शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकृत है । पोलिटेक्स, शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन कं० लि०, शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि० और शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाईबर कंपनी लि० सभी लिमिटेड कंपनियां हैं ।

70. इस प्रकार शांडोंग पोलिटेक्स का वैधानिक रूप एक लिमिटेड कंपनी के संयुक्त उद्यम कंपनी में बदल गया है । किंतु, पड़ताल के दौरान यह कहा गया था कि शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाईबर कंपनी लि० पिछले 5 वर्षों से एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी रही है । यह एक सरकारी लिमिटेड कंपनी है । शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन का शांडोंग वेईफांग सी ड्रैगन में ***% शेयरधारण हिस्सा है जोकि उसकी अनुषंगी कंपनी है । शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन के शेयरधारण प्रमाणपत्र की एक प्रतिलिपि मांगी गई थी । यह प्रतिलिपि प्राप्त करने का प्रयास किया गया किंतु समय की कमी और इस दस्तावेज को भेजने संबंधी तार्किक समस्या के चलते इसे पड़ताल के दौरान उपलब्ध नहीं कराया जा सका । आगे यह भी स्पष्ट किया गया कि शांडोंग वेईफांग मेगा ड्रैगन का एक अपना निदेशक मंडल है जिसे मुख्य काम अन्य बातों के साथ-साथ यह है कि वह यह सुनिश्चित करे कि कंपनी की परिसंपत्तियां दुरुपयोग में नहीं रखी जाए और उत्पादन, लागत, कच्चे माल की खरीद आदि पर निर्णय ले लें ।

ख. कीमतें, लागतें और निविष्टियाँ

71. प्रमुख कच्चा माल नॉयलोन यार्न होता है । जांच अवधि के लिए इसकी भारित औसत खरीद कीमत *** आरएमबी रही । यह देखा गया कि अधिकांश कच्चे माल की खरीद जुनमा केमिकल फाईबर कंपनी(एक गैर सरकारी कंपनी) से की गई जिसके साथ इस कंपनी के 6 वर्षों से संबंध बने हुए हैं ।

72. मैसर्स शांडोंग पोलिटेक्स के मामले में प्रोसेसिंग स्थिति यार्न से फैब्रिक बनाने की है । निविष्टियों के सप्लायर संयुक्त स्टॉक कंपनियां, एक गैर-सरकारी कंपनी, एक संयुक्त उद्यम कंपनी और एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है ।

73. निविष्टियों के सप्लायरों ने *** शामिल हैं। यह कंपनी इन सभी कंपनियों में स्वतंत्र है और उसका इनमें से किसी भी हस्ती में कोई भी बोर्ड सदस्य अथवा वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी नहीं है। कानूनी रूप और कारोबार की मात्रा संबंध निम्नानुसार है:-

सप्लायर	व्यवसाय संबंध की सीमा	सप्लायर का स्वरूप
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***

74. इस कंपनी द्वारा नॉयलोन यार्न का आयात कभी भी विदेशी सप्लायरों से नहीं किया गया। यह खरीद अल्पावधि अथवा दीर्घावधि संविदाओं अथवा सरकारी नीलामी बाजार से नहीं हुई है। प्रमुख कच्चे माल की खरीद सप्लायरों से बाजार मांग तथा सप्लाय आधार पर की जाती है और इसके सभी सौदे बाजार उतार-चढ़ावों के अध्यक्षीन होते हैं।

75. कच्चे माल की मात्रा घरेलू सप्लायरों से खरीदी गई जैसाकि नीचे दर्शाया गया है:

	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज
अप्रै.02	***	***	***	0	***	0	***	0
मई	***	0	***	0	0	0	***	0
जून	***	0	***	0	***	0	0	0
जुलाई	***	0	***	***	***	0	0	0
अगस्त	***	0	***	***	0	0	0	0
सितंबर	***	0	***	0	***	0	0	0
अक्टूबर	***	0	***	0	0	0	0	0
नवम्बर	***	0	***	0	0	0	0	0
दिसंबर	***	0	***	0	0	0	0	0
जन.03	***	0	***	0	0	***	0	0
फरवरी	***	0	***	0	0	***	0	0
मार्च	0	0	***	0	0	***	0	0
अप्रैल	0	0	***	0	0	***	0	0
मई	***	0	***	***	0	***	0	***
जून	***	0	***	0	0	***	0	***
योग	***	***	***	***	***	***	***	***

ग. नाइलोन यार्न की दरें

भांप, विद्युत तथा जल की खरीद के ब्यौरे									
अटैचमेंट4	क			ख			ग		
यूनिट	भांप टन/आरएमबी			केडब्ल्यूएच/आरएमबी			जल टन/आरएमबी		प्रति यू.
तारीख	मा.	राशि	प्रति.यू.	मा.	राशि	प्रति.यू.	मा.	राशि	प्रति यू.
अप्रैल02				***	***	***	***	***	***
मई	***	***	***	***	***	***	***	***	***
जून				***	***	***	***	***	***
जुलाई	***	***	***	***	***	***	***	***	***
अगस्त	***	***	***	***	***	***	0	0	0
सितंबर							0	0	

				***	***	***			***
अक्तूबर	***	***	***	***	***	***	***	***	***
नवम्बर				***	***	***	***	***	***
दिसंबर				***	***	***	***	***	***
जन.03	***	***	***	***	***	***	***	***	***
फरवरी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
मार्च	***	***	***	***	***	***	***	***	***
	***	***	***	***	***	***	***	***	***

79. आगे यह भी स्पष्ट किया गया कि जनोपयोगी सेवा कंपनियां (विद्युत, जल, तेल तथा गैस के लिए) भी कुछ समय के लिए आर्थिक सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत रही हैं। साइनोपैक तथा चाइना ऑयल की सभी सरकारी कंपनियां न्यूयार्क तथा लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकृत हो गई हैं और विद्युत एवं जल कंपनियां सभी आईपीओ परियोजनार्थ पुनर्संगठन के तहत हैं। जनोपयोगी सेवा कंपनियां उसी उद्योग श्रेणी को समान दर से प्रभार वसूल करेंगी चाहे वे सरकारी स्वामित्वाधीन अथवा गैर-सरकारी उद्यम की जनोपयोगी सेवा कंपनी हो। यह अंतर उद्योग के श्रेणीकरण में रहेगा। उदाहरणार्थ एक जल कंपनी अधिक जल खपत के लिए वसूल करेगी अथवा एक उच्च प्रदूषण कंपनी अधिक कीमत वसूल करेगी।

ड. प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत

80. प्रौद्योगिकीय लागत में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का मुद्दा शामिल होता है। यह स्पष्ट है कि सी ड्रैगन का ***% मेगा ड्रैगन के पास है जोकि एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी है। यह भी स्पष्ट है कि मेगा ड्रैगन ने ग्रेट ड्रैगन को पूंजी प्रदान की जोकि मेगा ड्रैगन को

समय पर वापस नहीं की गई। कानूनी मुकदमों के फलस्वरूप ग्रेट ड्रैगन ने अपनी परिसम्पत्तियों को मेगा ड्रैगन को ऋण के भुगतान के लिए हस्तांतरित कर दी। मेगा ड्रैगन ने भी सी ड्रैगन को धनराशि दी और सी ड्रैगन के साथ ऋण वापसी करार पर हस्ताक्षर किए। मेगा ड्रैगन ने *** मिलि.युआन मूल्य की अपनी संपत्तियां जो उसे ग्रेट ड्रैगन से मिली थीं, सी ड्रैगन को हस्तांतरित कर दी। अतः यह स्पष्ट है कि मेगा ड्रैगन द्वारा परिसम्पत्तियों के ऋण वापसी जो सी ड्रैगन को की गई थी, वास्तव में ग्रेट ड्रैगन से मेगा ड्रैगन द्वारा परिसम्पत्तियों का हस्तांतरण था (उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार प्राप्त जानकारी के आधार पर ग्रेट ड्रैगन एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी होना माना गया)। इस निर्यातक ने पड़ताल दौर के दौरान मौखिक रूप से यह भी स्पष्ट किया कि मेगा ड्रैगन विगत 5 वर्षों के दौरान एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी रही है।

81. श्रम के संबंध में कंपनी ने बताया है कि कर्मचारियों के विभिन्न ग्रेड हैं जिनके वेतनमान भी भिन्न-भिन्न हैं। ये कर्मचारी चिकित्सा एवं जीवन-बीमा सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

82. मजदूरियों के संबंध में नियोक्ता एवं कर्मचारियों के बीच सप्लाई तथा मांग आधार पर बातचीत होती है। कानून में एक कतिपय न्यूनतम मजदूरी की अपेक्षा है जो अन्तिम मजदूरियों के निर्णयन के लिए नेगोशिएशन के बाद की जाती है। संगत उद्यमों को यह स्वतंत्रता है कि वे बाजार मांग के अनुसार मजदूरियों का निर्धारण करें।

83. बोफ्ट, मोफकोम ने स्पष्ट किया है कि चीन की कंपनियों से अपेक्षा है कि वे एक न्यूनतम मजदूरी पर चलें। अन्यथा मजदूरियों का निर्धारण संबंधित कंपनियों की कामगार यूनियनों तथा प्रबंध मंडल के बीच होता है। उनकी वेबसाइट में उल्लिखित सामाजिक सुरक्षा के पहलू पर जांच के दौरान मुद्दा उठाया गया जिसके आधार पर स्पष्टीकरण अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। श्रम में उपदान के मामले (यदि कोई हो) की आगे पड़ताल नहीं की जा सकी।

च. लेखा-रिकॉर्ड की लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से होती है और यह सभी प्रयोजनों के लिए लागू होती है।

84. इस कंपनी का ध्यान सन् 2000 की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के पृष्ठ 215-216 (जैसाकि प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में दिया गया है), सन् 2001 (पृष्ठ 226-227), 2002 (पृष्ठ 236-237) की ओर आकर्षित किया गया जिसमें गंभीर अर्हताएं विहित हैं। इस कंपनी से अनुरोध किया गया कि वे वर्ष 2003 की लेखा परीक्षक रिपोर्ट उपलब्ध करा दें। यह भी स्पष्ट किया गया कि हालांकि लेखा विवरण-पत्र जिसे विदेश-व्यापार औद्योगिक उद्यम (2002-12-31) (पृष्ठ 242-245) का जो नाम दिया गया वह वेईफांग ग्रेट ड्रैगन कंपनी से संबंधित है।

85. चूंकि इस कंपनी ने जांच अवधि के लिए संगत प्रस्तुत नहीं की है इसलिए यह पता नहीं चल सका कि क्या लेखा परीक्षक रिपोर्ट में कोई अर्हता है अथवा कंपनी की लेखा-पद्धतियों को भी जांचा नहीं जा सका है। यह भी पता नहीं चल सका कि क्या लेखा-परीक्षकों ने यह पाया कि यह कंपनी चीन में सामान्यतया स्वीकृत लेखा-सिद्धांतों का अनुसरण करती है और क्या यह कंपनी ऐसे रिकॉर्ड कायम रखती है जिससे व्यय, आय, राजस्व तथा लागत को ठीक से और सही-सही बनाए रखती है।

ज. विगत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से आगे लाए गए कोई खास तोड़-मरोड़ नहीं पाया गया

86. प्राधिकारी ने दिनांक 23 सितंबर, 2004 के पड़ताल-पूर्व पत्र द्वारा शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन कंपनी लि०, शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि० और शांडोंग वेइफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाइबर ग्रुप कं० के कानूनी रूपों को बताने का अनुरोध किया। यह जानकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई। इस कंपनी से यह भी अनुरोध किया गया कि वे यह स्पष्ट करें कि उनकी परिसंपत्तियां किस प्रकार प्राप्त की गईं (अर्थात् खुले बाजार में खरीदी गई, किसी शेयरधारक द्वारा कंपनी को हस्तांतरित किया गया, उसे मुफ्त दिया गया अथवा यह सरकारी अथवा किसी तीसरी कंपनी द्वारा छूट पर बेची गई, आदि)। हालांकि शांडोंग पोलिटेक्स के शेयरधारण प्रमाण-पत्र से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि यह सी ड्रैगन, सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट और लोंगहाऊ द्वारा धारित है, किंतु इन धारक कंपनियों के शेयरधारण पैटर्न की जानकारी नहीं मिली है।

87. शांडोंग पोलिटेक्स ने दिनांक 10 सितंबर, 2004 के अपने निवेदन द्वारा यह दावा किया कि मैसर्स सिंगापुर मेगा वे डेवलपमेंट लि० द्वारा जुलाई, 2003 में छोड़ दिए जाने के बाद वेइफांग ग्रेड ड्रैगन (जिसे बाद में शांडोंग पोलिटेक्स नाम दिया गया) के शेयरधारक बदल गए। मैसर्स पोलिटेक्स अर्थात् शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन का प्रमुख शेयरधारक कोई सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी नहीं है बल्कि एक सरकारी सूचीकृत कंपनी है जो शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है। आगे यह भी कहा गया कि शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन के शेयरधारक अलग अलग क्षेत्रों के हैं जिनमें संस्थागत निवेशक तथा गैर-सरकारी निवेशक शामिल हैं। इस आशय का कोई दस्तावेजी साक्ष्य संलग्न नहीं किया गया और न ही यह बाद में उपलब्ध कराया गया। इस कंपनी द्वारा पड़ताल दौरे के दौरान यह कहा गया कि शांडोंग वेइफांग मेगा ड्रैगन केमिकल फाइबर कंपनी लि० पिछले 5 वर्षों से एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी रही है। यह एक सरकारी लिमिटेड कंपनी है। शांडोंग वेइफांग मेगा ड्रैगन का शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन में लगभग ***% शेयरधारण है जोकि इस कंपनी की सहायक कंपनी है। पड़ताल के दौरान शांडोंग वेइफांग मेगा ड्रैगन के शेयरधारण प्रमाण-पत्र मांगे जाने का अनुरोध किया गया लेकिन यह कंपनी द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके अलावा, सी ड्रैगन तथा सी ड्रैगन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट के शेयरधारण प्रमाण-पत्रों के संबंध में पड़ताल-पूर्व पत्र में अनुरोध किया गया लेकिन इन्हें भी उपलब्ध नहीं कराया गया।

88. अतः यह स्पष्ट है कि सी ड्रैगन का *** % हिस्सा मेगा ड्रैगन द्वारा धारित है जोकि एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी है, जैसाकि निर्यातक द्वारा पड़ताल दौर में मौखिक रूप से स्पष्ट किया गया। मेगा ड्रैगन ने ग्रेट ड्रैगन को पूंजी प्रदान की जिसे मेगा ड्रैगन को समय पर लौटाया नहीं गया। कानूनी मुकदमें के फलस्वरूप ग्रेट ड्रैगन ने अपनी परिसंपत्तियों को मेगा ड्रैगन को ऋण की अदायगी करने के लिए हस्तांतरित कर दिया। मेगा ड्रैगन ने भी सी ड्रैगन को धन उधार दिया और उसने सी ड्रैगन के साथ एक ऋण वापसी करार पर हस्ताक्षर किए। मेगा ड्रैगन ने सी ड्रैगन को *** मिलि. युआन मूल्य की परिसंपत्ति हस्तांतरित कर दी जोकि उसे ग्रेट ड्रैगन से प्राप्त हुई थी। अतः मेगा ड्रैगन द्वारा सी ड्रैगन को परिसंपत्ति के ऋण की अदायगी मेगा ड्रैगन द्वारा प्राप्त परिसंपत्तियों का हस्तांतरण था जोकि ग्रेट ड्रैगन से प्राप्त हुई थी (ग्रेट ड्रैगन रिकार्ड में उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी मानी गई है)।

89. दिनांक 23 सितंबर, 2004 के पड़ताल पूर्व पत्र में वेइफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल कंपनी के वास्तविक दर्जे के संबंध में मुद्दा उठाया गया। यह खासतौर से पूछा गया था कि क्या यह एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी है अथवा एक गैर-सरकारी उद्यम। चूंकि इस पत्र के प्रत्युत्तर में कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ इसलिए वेइफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल कंपनी लि० के संबंध में दिनिंक 30 अप्रैल, 2003 की लेखा-परीक्षक रिपोर्ट के प्रति प्रमाणित सरकारी लेखाकार द्वारा पड़ताल के दौरान उपलब्ध कराई गई जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया कि लेखा परीक्षा के बाद सीपीए द्वारा यह पाया गया कि:

90. इस प्रकार, उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि *** नामक कंपनी (जोकि एक सरकारी स्वामित्वाधीन हस्ती प्रतीत होती है) को वेइफांग ग्रेट ड्रैगन में विलय हो गई थी। जैसाकि ऊपर कहा गया है, ग्रेट ड्रैगन में पंजीकृत पूंजी को निवेश करने के बाद मेगा ड्रैगन ने *** मिलि. युआन आरएमबी की राशि (जिसमें पूंजी की *** युआन राशि और उस पर देय ब्याज शामिल है) ग्रेट ड्रैगन को उसका उत्पादन प्रेरित करने के प्रयोजनार्थ उधार दे दी। जैसाकि इस निर्यातक ने स्वीकार किया है, मेगा ड्रैगन पिदले 5 वर्षों से एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी रही है।

91. प्राधिकारी द्वारा शेयरों के पुर्नआबंटन, खरीदे गए शेयरों की दर, चाहे वे बाजार दरों पर अथवा अन्यथा खरीदे गए, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के संबंध में आशंकाएं उठाई ताकि लागतों, उत्पादन और कीमत निर्धारण निर्णयों में पर्याप्त सरकारी हस्तक्षेप के मुद्दे का मूल्यांकन किया जा सके लेकिन उत्पादक द्वारा इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और इस प्रकार यह ज्ञात नहीं हो पाया है। पड़ताल के दौरान कंपनी द्वारा यह दावा किया गया कि सभी अचल तथा ठोस परिसंपत्तियों की खरीद खुले बाजार में की जाती है। उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर में वेइफांग सी ड्रैगन, मेगा ड्रैगन और वेइफांग ग्रेट ड्रैगन के बीच परिसंपत्ति कारोबार संबंधी करारों की प्रतिलिपियां संलग्न की गई हैं। सी ड्रैगन, मेगा ड्रैगन

और वेइफांग ग्रेट ड्रैगन ने तीन परिसंपत्ति हस्तांतरण करारों पर हस्ताक्षर किए जिनकी उद्धृत प्रतिलिपियां उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर में संलग्न की गई हैं। दिनांक 19 अगस्त, 2003 के करार द्वारा वेइफांग ग्रेट ड्रैगन ने वेइफांग सी ड्रैगन को नई डिपिंग लाईन (कारोबार) दे दी है जो 20 अगस्त, 2003 से पहले ****9 युआन मूल्य की थी। दिनांक 18 अगस्त, 2003 के करार द्वारा वेइफांग ग्रेट ड्रैगन ने ***युआन मूल्य के रेपियर करघे (टर्नओवर) शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन को दिए हैं। दिनांक 21 अगस्त, 2003 के करार द्वारा वेइफांग ग्रेट ड्रैगन ने सी ड्रैगन को *** युआन मूल्य की एक डिपिंग लाईन मशीन (टर्नओवर) दी है।

92. पड़ताल के दौरान कंपनी द्वारा प्रस्तुत जानकारी और प्रश्नावली प्रत्युत्तर में दी गई जानकारी स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि ग्रेट ड्रैगन द्वारा मेगा ड्रैगन को दिए ऋणों और मेगा ड्रैगन द्वारा सी ड्रैगन को दिए ऋणों का भुगतान सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनियों से परिसंपत्तियों के हस्तांतरण के रूप में किया गया है। दिनांक 13 अगस्त, 2003 के करार द्वारा वेइफांग मेगा ड्रैगन ने वेइफांग सी ड्रैगन कंपनी लिमिटेड को पुनर्भुगतान के रूप में *** मिलि. युआन मूल्य की परिसंपत्ति दे दी है। शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन कंपनी ने शांडोंग पोलिटेक्स को टायर कोर्ड फैब्रिक तथा कैनवास के उत्पादन के लिए परिसंपत्तियाँ जिनमें भवन तथा मशीनरी शामिल है, पट्टे पर दी है। इस पट्टे की अवधि दिनांक 1 अक्टूबर, 2003 से 31 दिसंबर, 2008 तक की है। इस पट्टे की एक प्रतिलिपि उनके प्रत्युत्तर में संलग्न की गई है। यह ज्ञात नहीं हुआ कि क्या मेगा ड्रैगन (एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी) द्वारा भवन तथा मशीनरी सहित परिसंपत्तियाँ मूल रूप से हस्तांतरित कर दी गईं जोकि शांडोंग पोलिटेक्स की एक धारक कंपनी है। सी ड्रैगन के शेयरधारण की जानकारी का भी पता नहीं चला है। नियम 8 के उप पैरा 3 कमे खंड (ख) के संबंध में यह संभव नहीं है कि उपरोक्त के मदेनजर यह निष्कर्ष किया जाए कि सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी शांडोंग वेइफांग मेगा ड्रैगन द्वारा ऋणों/परिसंपत्तियों का हस्तांतरण शांडोंग वेइफांग सी ड्रैगन(जिसमें मेगा ड्रैगन का ***% शेयरधारण है) को कर दिया गया है, उसे बाजार कीमत पर मुक्त रूप से बेच दिया गया। परिसंपत्ति कारोबार करार से विदित होता है कि वेइफांग ग्रेट ड्रैगन द्वारा सी ड्रैगन जोकि प्रतिवादी मैसर्स शांडोंग पोलिटेक्स की धारक कंपनी है, को यह परिसंपत्तियाँ दे दी गईं।

झ. दीवालियापन तथा संपदा कानूनों द्वारा प्रदत्त कानूनी वातावरण तथा स्थायित्व

93. प्रतिवादियों सहित सभी कंपनियां दीवालियापन तथा संपदा कानूनों के अध्यक्षीन हैं जोकि कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देते हैं।

ट. बाजार दर पर चल रहा मुद्रा-विनिमय

94. चीन ने वर्ष 1994 से एकल, बाजार आधारित, प्रबंधित फ्लोटिंग विदेशी मुद्रा प्रणाली लागू करना आरंभ कर दिया है। प्रबंधित फ्लोटिंग विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत सरकार

अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत कानूनी तथा आर्थिक उपायों के ज़रिए विनिमय दरों के समायोजन में शामिल हो सकती है न कि प्रशासनिक उपायों के ज़रिए ।

95. मैसर्स शांडोंग पोलिटेक्स द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर

क) सामान्य मूल्य:

96. जैसाकि कंपनी के प्रत्युत्तर के पृष्ठ 70 में बताया गया है, उन्होंने सूचित किया कि उन्होंने घरेलू बाजार में *** मिलियन टन एनटीसीएफ की बिक्री की थी। पड़ताल के दौरान यह स्पष्ट किया गया था कि *** मिलियन टन की बिक्री बहुत से छोटे ग्राहकों को की गई और उसके संबंध में पूरे ब्यौरे देना संभव नहीं हो पाया । किंतु इस कंपनी ने *** मिलियन टन के ब्यौरे प्रदान किए । यह देखा गया कि *** मिलियन टन का कुल मूल्य *** आरएमबी रहा जिसके फलस्वरूप *** आरएमबी/मी.टन की औसत बिक्री कीमत हुई और *** मिलियन टन के मामले में कुल मूल्य *** आरएमबी रहा जिसके फलस्वरूप औसत बिक्री कीमत *** आरएमबी/मी.टन रही । यह मूल्य वैट के निवल हैं । पड़ताल के दौरान घरेलू बाजार में बिक्रियों से कुल वसूली *** मी.टन के लिए *** आरएमबी रहा जिसके परिणामस्वरूप औसत बिक्री कीमत *** 2आरएमबी/मी.टन रही ।

97. इस कंपनी ने भारत को केवल डिप्ड फैब्रिक की बिक्री की है । कंपनी ने भारत को जांच अवधि के दौरान *** मी.टन का निर्यात किया है । जैसाकि परिशिष्ट 3(पृष्ठ 70) में बताया गया है, इस निर्यात का मूल्य उल्लिखित *** आरएमबी की तुलना में *** आरएमबी बताया गया । जैसाकि परिशिष्ट 4 के संशोधित रूप में बताया गया है, यह नोट किया गया कि इस कंपनी ने भारत को *** आरएमबी की कुल बिक्री वसूली पर *** मी.टन का निर्यात किया ।

98. परिशिष्ट 4 के अनुसार, घरेलू बाजार के संबंध में प्रति एमटी बिक्री मूल्य *** आरएमबी, भारत को किए गए निर्यात के लिए *** आरएमबी और अन्य देशों को किए गए निर्यात के लिए यह *** आरएमबी बैठती है । प्राधिकारी नोअ करता है कि परिशिष्ट-8(क) (पृष्ठ 82) द्वारा किए गए निवेदन द्वारा कंपनी ने भारत को किए गए निर्यात की फैक्ट्री लागत तथा लाभ दो भागों अर्थात् एजेन्ट तथा प्रयोक्ता के संबंध में बताई है । यह स्पष्ट किया गया कि प्रयोक्ता के मामले में माल की सप्लाई प्रत्यक्ष रूप से और एजेन्ट के मामले में यह एजेन्टों की मार्फत की जाती है । फैक्ट्री लागत दोनों ही मामलों में *** आरएमबी/एमटी दर्शायी गई है । इस कंपनी ने नाइलोन यार्न की खरीद जांच अवधि के लिए *** आरएमबी की औसत दर से की है । कंपनी ने एजेन्टों की मार्फत निर्यात के मामले में लाभ और प्रत्यक्ष बिक्री के मामले में हानि दिखाई है। इसके आधार पर, कंपनी से कहा गया था कि वे लाभप्रदता का फिर से मिलान कर दें जिसका पड़ताल रिपोर्ट को प्रस्तुत किए जाने के बाद कोई उत्तर प्राप्त नहीं किया गया है । कंपनी ने भारत को डिप्ड श्रेणी का *** मी.टन निर्यात किया है । दावे (*** आरएमबी) के रूप में समायोजन की अनुमति दिए जाने के

बाद निवल निर्यात कीमत *** आरएमबी बैठती है । कंपनी को लगभग*** आरएमबी/मी.टन निर्यात की वजह से सरकार से वैट के रूप में वापसी भी मिली है । कंपनी, घरेलू बाजार में अ/मी.टन की एक समान कीमत पर विभिन्न ग्रेडों की घरेलू बाजार में बिक्री कर रही है । वैट को जोड़कर यह कीमत *** आरएमबी/मी.टन बैठती है । कंपनी ने उल्लेख किया था कि राशि वापसी आवर्तक रूप में वैट के समायोजन के बाद मिलती है और वैट-राशि का भुगतान निर्यातों पर देय होने के बाद किया जाता है । इस प्रकार, वैट के कारण कारगर प्रभाव*** होता है जो लागतों में परिलक्षित होता है ।

99. यह चर्चा हुई कि जबकि एनटीसीएफ के कारण बिक्री का योगदान लगभग *** है, लेकिन व्यय का आबंटन *** पर किया गया है जिसके फलस्वरूप एनटीसीएफ की वजह से हानि हुई है । आगे यह भी चर्चा हुई थी कि प्रशासन, बिक्री/वितरण लागतों, मूल्यहास तथा वित्तीय खर्चों का आबंटन *** % की दर से किया गया । जैसाकि परिशिष्ट 8 क के तहत बताया गया है, कंपनी ने भारत को *** आरएमबी के लाभ पर निर्यात में *** 4 मी.टन की बिक्री की जिसके परिणामस्वरूप उन्हें *** आरएमबी का कुल लाभ हुआ । परिशिष्ट-8(ख) के अनुसार, कंपनी ने *** एमटी माल घरेलू बाजार में बेचा जिसके फलस्वरूप उसे *** आरएमबी(प्रति एमटी ***)की हानि और *** आरएमबी की अन्तिम हानि हुई जबकि आबंटन के अनुसार एनटीसीएफ को आबंटित हानि *** आरएमबी बैठती है । कंपनी का ध्यान लेखा परीक्षक रिपोर्ट 2000(पृ 215-16), 2001 की (पृ 226-227) 2002 (पृष्ठ 236-237) के ओर आकृष्ट किया गया और वर्ष 2003 की लेखा-परीक्षक रिपोर्ट प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया । कंपनी ने उल्लेख किया कि बोर्ड इन टिप्पणियों को ठीक करने हेतु पर्याप्त उपाय कर रहा है । यह भी स्पष्ट किया गया कि यद्यपि लेखा-विवरण-पत्र विदेशी निवेश औद्योगिक उद्यम (2002-12-31) (पृ 242-245) के नाम पर बनाए जाते हैं, लेकिन वे वेइफांग ग्रेट ड्रैगन कंपनी से संबंधित हैं । कंपनी को बताया गया कि इन विवरण-पत्रों के अनुसार, चालू देयताएं *** आरएमबी की और चालू परिसम्पत्तियां *** आरएमबी मूल्य की हैं जिसके फलस्वरूप नकारात्मक कार्यशील पूंजी *** आरएमबी की हो गई ।

100. कंपनी के वित्तीय-विवरण-पत्रों में त्रुटियों और लेखा-परीक्षा रिपोर्टों में अहंताओं का कंपनी को पड़ताल रिपोर्ट में पहले ही बता दिया गया है । कंपनी के निवेदन की विस्तृत जांच के में उन्हें पड़ताल रिपोर्ट द्वारा पहले ही सूचित किया गया है । कंपनी ने इस पड़ताल रिपोर्ट में वित्तीय विवरण-पत्रों के संबंध में उठाए गए मुद्दों पर कोई भी टिप्पणी नहीं की है ।

ख सामान्य मूल्य की संरचना संबंधी वर्गीकरण

101. प्रतिवादी कंपनी ने एमईटी हेतु अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है । लागत संबंधी जानकारी से युक्त वित्तीय विवरण-पत्रों में त्रुटियां पाई गई हैं जैसाकि ऊपर स्पष्ट किया गया है और इन्हें पड़ताल रिपोर्ट द्वारा सूचित

किया गया जिसका निर्यातक ने खण्डन नहीं किया है। इस सामान्य मूल्य पर निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के उप-नियम 2(i) तथा (ii) के साथ पठित धारा 9 क(1)(ग)(I) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ है और वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार आगे कार्रवाई करने को बाध्य है।

102. सामान्य मूल्य का निर्धारण एक यथोचित आधार पर किया गया है जिसमें एक यथोचित लाभ मार्जिन करने हेतु विधिवत समायोजित करके समान उत्पाद के संबंध में भारत में वास्तव में दिए गए अथवा देय कीमत पर भी विचार किया गया है।
103. इस उत्पाद का विनिर्माण कैप्रोलेक्टम से होता है। यह नोट किया जाता है कि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत (जांच-अवधि के भारत औसत) *** अम.डा. प्रति किग्रा रही। घरेलू उद्योग से *** अम.डा. की औसत कीमत आई है। भारत में *** शुल्क घटक को कम करने के बाद आधारित कीमत ** बैठती है जो जांच अवधि के दौरान एशिया में मौजूदा अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों से मेल खाती है। डिण्ड श्रेणी के लिए सामान्य मूल्य डिपिंग लागत को जोड़ने के बाद *** अम.डा. प्रति किग्रा. बैठती है।

ग. निर्यात कीमत

104. यह देखा जाता है कि भारत को निर्यातित ग्रेडों के लिए निर्यात कीमत *** आरएमबी बैठती है। निर्यातक ने अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े, कमीशन, विदेशी भाड़े और विदेशी बीमें के समायोजनों का दावा किया है। इन समायोजनों के लिए विभिन्न तिमाहियों विभिन्न राशियों का दावा किया गया है। भारत औसत आधार पर और यथा सत्यापित समायोजन अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े के लिए *** आरएमबी, कमीशन के लिए *** आरएमबी, विदेशी भाड़े के लिए *** आरएमबी और विदेशी बीमें के लिए *** आरएमबी बैठता है। इनका कुल योग *** आरएमबी बैठता है। भारत औसत निर्यात कीमत से इन समायोजनों की अनुमति दिए जाने पर कारखानागत निर्यात कीमत *** आरएमबी बैठती है।

105. मै0 जियांग्सू कुनफा द्वारा एमईटी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर

क) कारोबारी निर्णय तथा लागत-निर्धारण बाजार दशाओं के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं;

106. इस बात की जांच करने के लिए क्या सहयोगकारी उत्पादक/निर्यातक के संसाधन-आबंटन और निर्णयन में कोई सरकारी प्रभाव रहा, चाहे वह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हो, और प्रतिवादी के स्वामित्व पैटर्न की जांच की गई।

107. जियांग्सू कुनफा केमिकल कं० लि० औपचारिक तौर पर यांगझोऊ आर्गेनिक केमिकल प्लांट था। उस समय यह यथोचित रूप से बड़े पैमाने का एक सरकारी उद्यम था लेकिन यह इस उद्योग में आज के मानकों के हिसाब से अब बड़े पैमाने की कंपनी नहीं मानी जाती है और यह पूर्ववर्ती रसायन उद्योग मंत्रालय द्वारा सन् 1964 में स्थापित उद्यम है। यह मंत्रालय अब अस्तित्व में ही नहीं है। इस कंपनी का जियांग्सू कुनफा के नाम से वर्ष में 1999 में पुनर्गठन किया गया। कुनफा सरकार और उसके कर्मचारियों द्वारा एक संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली कंपनी है। इसमें सरकारी स्वामित्व का हिस्सा शेयर-धारण के रूप में। एमईटी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में यह स्पष्ट किया गया है कि चीन के कानून के तहत सरकारी स्वामित्वाधीन कम्पनी एक ऐसी कंपनी होती है जो सभी लोगों अर्थात् सरकार के नियंत्रणाधीन होती है जैसाकि दिनांक 13 अप्रैल, 1998 के सम्पूर्ण जनता द्वारा स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यम संबंधी चीन जन.गण. के कानून (औद्योगिक उद्यम कानून) और सरकारी स्वामित्वाधीन औद्योगिक उद्यम का प्रचालन तंत्र का रूपान्तरण विनियमन (रूपान्तरण संबंधी विनियमन) में उपबंधित किया गया है। यह स्पष्ट किया गया था कि चीन में 20 वर्षों के लिए गठन एवं स्वामित्व सुधार सहित आर्थिक सुधार का अध्ययन करने के बाद कुनफा अब परंपरागत सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी नहीं रह गई है। कंपनी के स्वामित्व और उसके शेयर धारकों का ब्यौरा नीचे सारणी में दिया गया है-

क्र.सं.	शेयरधारक	कियागया निवेश	पूँजी	पूँजी निवेश का अनुपात	शेयरधारक कंपनी का प्रकार
1.	यांगझू केमिकल एसेट्स	***		***	***
2.	चीन हुआरोंग एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि०	***		***	***
3.	कंपनी का स्टॉफ	***		***	***

108. कंपनी के शेयरों में यांगझोऊ केमिकल एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० का सरकार की ओर से *** % हिस्सा और चाइना हुआरोंग एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० (संस्थागत निवेशक) का *** * हिस्सा है। शेष हिस्सा कंपनी के स्टॉफ का है।
109. यांगझोऊ केमिकल एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० और चाइना हुआरोंग एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० दोनों ही सीमित देयता कंपनियां हैं (जिसमें कम से कम दो शेयर धारक होने जरूरी हैं)। वे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं। दोनों ही धारक संस्थाएं दिवालियापन एवं सम्पदा कानून के अधधीन हैं और इनकी स्थापना चीन जन.गण. के निगम कानून के अनुसार हुई थी।
110. प्रतिवादी जियांग्सू कुनफा भी एक सीमित देयता कंपनी है जो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है। जियांग्सू कुनफा के कानूनी स्वरूप में विगत पांच वर्षों में कोई बदलाव नहीं आया है।

111. शेयरधारक के रूप में सरकार की भूमिका यह है कि यह कंपनी को ऐजेंसियों की मार्फत चलाती है। इसमें ग्यारह व्यक्तियों वाला एक निदेशक मण्डल है। सरकार का प्रतिनिधित्व तीन व्यक्तियों द्वारा, केमिकल ऐसेट्स कंपनी का प्रतिनिधित्व चार व्यक्तियों द्वारा होता है और कर्मचारियों तथा स्टाफ के चार प्रतिनिधि हैं। निदेशकों के कार्य यह सुनिश्चित करना है कि परिसम्पत्तियों का दुरुपयोग नहीं हो और उत्पादन तथा बिक्रियों संबंधी निर्णय महाप्रबंधक द्वारा लिए जाते हैं। यह कहा गया कि इसका समस्तरीय संबंध किसकी भी कंपनी के साथ नहीं है और संबंध शेयरधारक कंपनियों तक ही सीमित हैं।

112. जियांगसू कुनफा केमिकल कं० लि० का निदेशक मण्डल नीचे सारणी में दर्शाया गया है:-

ग्राम	व्यवसाय	प्रतिनिधित्व
-------	---------	--------------

113. निदेशक मंडल ही इस कंपनी का निर्णयकर्ता निकाय है और वह इस उद्यम के विनियमों के निर्माण तथा संशोधन हेतु उत्तरदायी है। इसका स्वतंत्र होना बताया जाता है और प्रबंधन में इसकी पूर्ण स्वायत्ता होती और यह कंपनी को हुए लाभ तथा हानि की जिम्मेवारी लेता है। यह कहा गया कि इस कंपनी के कार्यचालन तथा निर्णयन की प्रक्रियाओं में कोई भी सरकारी अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी शामिल नहीं होता है।
114. पड़ताल के अनुसरण में और दिनांक 23 सितंबर, 2004 को जारी पड़ताल-पूर्व पत्र के प्रत्युत्तर में मै० जियांगसू कुनफा ने स्वामित्व के बारे में और भी स्पष्टीकरण दिए हैं। यह कंपनी सरकार द्वारा प्रत्यक्षतः संयुक्त रूप से स्वामित्वाधीन नहीं है बताई गई है। सरकार ने इस कंपनी में मूल रूप से 1960 के दश में निवेश किया था। वर्ष 1999 में चीन में आर्थिक सुधार के अनुसरण में सरकार ने यांगझोऊ केमिकल ऐसेट मैनेजमेंट कं० लि० को उसकी परिसम्पत्तियों की देखभाल के लिए प्राधिकृत किया। यांगझोऊ केमिकल ऐसेट मैनेजमेंट कं० भी परिसंपत्तियों को बेचने की इच्छुक है बशर्ते शर्तें पूरी नहीं होती हैं। वर्ष 1999 से पूर्व, इसका स्वामित्व सरकार के पास था और तब इसमें सरकार के अलावा कोई अन्य शेयरधारक नहीं था।
115. 'संयुक्त रूप से स्वामित्वाधीन' कंपनी का अर्थ यह स्पष्ट किया गया है कि कंपनी का स्वामित्व यांगझोऊ केमिकल ऐसेट्स मैनेजमेंट कं० लि०, कंपनी के कर्मचारियों और चाइना हुआरोंग ऐसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० (संस्थागत निवेशक) के शेयरधारकों के पास है। यांगझोऊ केमिकल ऐसेट मैनेजमेंट कं० लि० और हुआरोंग ऐसेट मैनेजमेंट कं० लि० के कानूनी स्वरूप के संबंध में विगत पांच वर्षों में कोई भी बदलाव नहीं आया है।
116. इस कंपनी की पंजीयन प्राधिकारी श्री *** ,लेखा-परीक्षक *** आडिट फर्म है जोकि एक स्वतंत्र फर्म है। पंजीकृत पूंजी की विस्तृत सूची नीचे सारणी में दी गई है।

शेयरधारक	प्रदत्त पूंजी (मिलि. आरएमबी)
यांगझाऊ केमिकल एसेट मैनेजमेंट कं० लि०	***
कर्मचारी तथा स्टाफ	***
हुआरोंग एसेट मैनेजमेंट कं० लि०	**

कीमतें, लागतें तथा निविष्टियाँ

117. जियांगसू कुनफा के अनेक सप्लायर हैं । इस कंपनी ने कच्चे माल की खरीद जांच अवधि के दौरान *** आरएमबी की भारित औसत कीमत पर की । घरेलू बाजार में मौजूद कीमतें (स्रोत: आईसीएससी-एलओआर) नीचे सारणी में प्रस्तुत हैं

	एशिया डा.	चीन घरेलू आरएमबी
अप्रैल-02	1000	11100
मई	1000	10250
जून	975	10250
जुलाई	1110	12750
अगस्त	1110	0
सितंबर	1110	12450
अक्टूबर	1200	12550
नवम्बर	1200	0
दिसंबर	1175	0
जनवरी-03	1175	12800
फरवरी	1175	13150
मार्च	1175	13350
अप्रैल	1225	11350
मई	1125	11350
जून	1125	11900

118. कंपनी ने यह पुष्टि की है कि उसका किसी भी सप्लायर, ठेकेदार, वितरक अथवा पुनर्विक्रेता से कोई भी अनन्य संबंध नहीं है । जियांगसू कुनफा के सभी क्रय-विक्रय पैटर्न अल्पावधि संविदा पर आधारित हैं । उन्होंने कहा है कि इतिहास की दृष्टि से, जियांगसू कुनफा ने अपने सप्लायरों अथवा वितरकों के साथ किसी प्रकार का विशेष संबंध कभी भी नहीं बनाया है । कंपनी ने आधारित कच्चे माल की खरीद घरेलू बाजार में मौजूद तुलनात्मक अपेक्षतया कम कीमतों पर की है ।

119. कच्चे माल, बिजली, आदि के सप्लायरों के नाम निम्नानुसार हैं

❖ जनोपयोगी सेवाएं

120. कुनफा विद्युत, गैस तथा कोयल की खरीद सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों से करती है। जल की खरीद यांगझोऊ वाटर यूजिंग सुपरवाइजिंग ऐजेंसी और विद्युत की खरीद जियांग्सू इलैक्ट्रिसिटी सप्लायर कं०, यांगझोऊ ब्रांच से की गई है। माप की खरीद यांगझोऊ नार्थ-ईस्ट इलैक्ट्रिसिटी कं० की गई है। संगत बीजक पड़ताल के समय प्राप्त किए गए और यह इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं। सभी कंपनियों को चाहिए कि वे सरकारी स्वामित्वाधीन सप्लायरों से विद्युत तथा माप खरीदते समय एक समान कीमतों का भुगतान अवश्य करें अर्थात् उन्हें इस कीमत का भुगतान औद्योगिक प्रयोग के लिए करना होता है। एकमात्र अन्तर औद्योगिक तथा घरेलू प्रयोग के बीच का है। घरेलू प्रयोग की तुलना में औद्योगिक प्रयोग अपेक्षतया सस्ता होता है।

121. आगे यह भी स्पष्ट किया गया कि जनोपयोगी सेवा कंपनियां (विद्युत, जल, तेल तथा गैस के लिए) भी कुछ समय के लिए आर्थिक सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत रही हैं। साइनोपैक तथा चाइना ऑयल की सभी सरकारी कंपनियां न्यूयार्क तथा लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकृत हो गई हैं और विद्युत एवं जल कंपनियां सभी आईपीओ परियोजनार्थ पुनर्संगठन के तहत हैं। जनोपयोगी सेवा कंपनियां उसी उद्योग श्रेणी को समान दर से प्रभार वसूल करेंगी चाहे वे सरकारी स्वामित्वाधीन अथवा गैर-सरकारी उद्यम की जनोपयोगी सेवा कंपनी हो। यह अंतर उद्योग के श्रेणीकरण में रहेगा। उदाहरणार्थ एक जल कंपनी अधिक जल खपत के लिए वसूल करेगी अथवा एक उच्च प्रदूषण कंपनी अधिक कीमत वसूल करेगी।

घ) प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत:

प्रौद्योगिकीय लागत में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का मुद्दा शामिल होता है। यह स्पष्ट है कि सी ड्रैगन का ***% मेगा ड्रैगन के पास है जोकि एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी है। यह भी स्पष्ट है कि मेगा ड्रैगन ने ग्रेट ड्रैगन को पूंजी प्रदान की जोकि मेगा ड्रैगन को समय पर वापस नहीं की गई। कानूनी मुकदमों के फलस्वरूप ग्रेट ड्रैगन ने अपनी परिसंपत्तियों को मेगा ड्रैगन को ऋण के भुगतान के लिए हस्तांतरित कर दी। मेगा ड्रैगन ने भी सी ड्रैगन को धनराशि दी और सी ड्रैगन के साथ ऋण वापसी करार पर हस्ताक्षर किए। मेगा ड्रैगन ने *** मिलि.युआन मूल्य की अपनी संपत्तियां जो उसे ग्रेट ड्रैगन से मिली थीं, सी ड्रैगन को हस्तांतरित कर दी। अतः यह स्पष्ट है कि मेगा ड्रैगन द्वारा परिसंपत्तियों के ऋण वापसी जो सी ड्रैगन को की गई थी, वास्तव में ग्रेट ड्रैगन से मेगा ड्रैगन द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण था (उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार प्राप्त जानकारी के आधार पर ग्रेट ड्रैगन एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी होना माना गया)। इस निर्यातक ने पड़ताल दौरे के दौरान मौखिक रूप से यह भी स्पष्ट किया कि मेगा ड्रैगन विगत 5 वर्षों के दौरान एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी रही है।

122. कुनफा का कार्यशील स्टॉफ दो समूहों - कुशल तथा अकुशल में विभाजित है। उनकी भर्ती मीडिया के जरिए रिक्तियों की घोषणा करके और रोजगार एजेंसियों की सिफारिशयुक्त अभ्यर्थियों और विभिन्न कालेजों स्नातकों का साक्षात्कार लेकर की जाती है। नए कर्मचारी एक से तीन महीनों तक की परीक्षण अवधि सम्पन्न करते हैं। कंपनी में *** प्रबंधक, *** कुशल कामगार और *** अकुशल कामगार हैं। प्रबंधकों, कुशल एवं अकुशल कामगारों का मासिक वेतन क्रमशः *** आरएमबी, *** आरएमबी और ***आरएमबी होता है। प्रत्येक कर्मचारी चिकित्सा एवं कंपनी पेंशन पाने का हकदार होता है। विशेष वित्तीय जरूरत वाले कुछ कर्मचारी और कंपनी को उत्कृष्ट योगदान करने वाले कर्मचारी निवास सुविधाएं पाने के हकदार होते हैं।

123. बोफ्ट,मोफकोम ने स्पष्ट किया है कि चीन की कंपनियों से अपेक्षा है कि वे एक न्यूनतम मजदूरी पर चलें। अन्यथा मजदूरियों का निर्धारण संबंधित कंपनियों की कामगार यूनियनों तथा प्रबंध मंडल के बीच होता है।

(ख) लेखा रिकॉर्डों की लेखा-परीक्षा स्वतंत्र रूप से कराई जाती है और उन्हें सभी प्रयोजनों के लिए लागू किया जाता है।

124. कंपनी ने वर्ष 2002 और 2003 के लिए वित्तीय विवरण-पत्र अर्थात् लाभ तथा हानि लेखा तथा तुलन-पत्र उपलब्ध कराया था। वर्ष 2000, 2001 और 2002 के लिए लेखा-परीक्षक रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई है। केवल 2001 की रिपोर्ट में अर्हता शामिल पाई गई। लेखा-परीक्षक रिपोर्ट के संबंध में टिप्पणी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई।

125. चूंकि इस कंपनी ने जांच अवधि के लिए संगत अनुबंध प्रदान नहीं अतः यह पता नहीं चल सका कि क्या लेखा परीक्षक रिपोर्ट में कोई अर्हता है अथवा कंपनी की लेखा-पद्धतियों को भी जांचा नहीं जा सका है। यह भी पता नहीं चल सका कि क्या लेखा-परीक्षकों ने यह पाया कि यह कंपनी चीन में सामान्यतया स्वीकृत लेखा-सिद्धांतों का अनुसरण करती है और क्या यह कंपनी ऐसे रिकॉर्ड कायम रखती है जिससे व्यय, आय, राजस्व तथा लागत को ठीक से और सही-सही बनाए रखती है।

(ग) विगत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से आगे लाए गए कोई खास तोड़-मरोड़ नहीं पाया गया

126. प्राधिकारी ने दिनांक 23 सितंबर, 2004 के पड़ताल-पूर्व पत्र द्वारा (i) यांगझोऊ केमिकल एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि०, और (ii) चाइन हुआरोंग एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० के विगत पांच वर्षों में बने रहेने संबंधी कानूनी रूप की जानकारी मांगी। यह निर्यातक द्वारा प्रदान नहीं किया गया। जियांग्सू कुनफा केमिकल कं० लि० और उसके शेयरधारकों के आधारित दर्जे संबंधी स्पष्टीकरण मांगा गया था। इन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया। कंपनी सह ये भी स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया कि उनकी परिसंपत्तियां किसी प्रकार प्राप्त की गई थीं (अर्थात्

खुले बाजार से खरीदी गई, किसी शेयरधारक ने कंपनी को हस्तान्तरित किया, सरकार अथवा किसी तीसरी कंपनी द्वारा मुफ्त अथवा छूट पर दी गई, आदि)। यांगझोऊ केमिकल एसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० जिसके पास सरकार की ओर से इस कंपनी में **% शेयर हैं, द्वारा शेयरधारण के रूप में पूंजी निवेश को देखते हुए यह निष्कर्ष देना संभव नहीं है कि कंपनी द्वारा धारित परिसम्पत्तियों को मुक्त रूप से और बाजार कीमत पर बेचा गया था।

(छ) दीवालियापन तथा संपदा कानूनों द्वारा प्रदत्त कानूनी वातावरण तथा स्थायित्व

127. प्रतिवादियों सहित सभी कंपनियां दीवालियापन तथा संपदा कानूनों के अध्यक्षीन हैं जोकि कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देते हैं।

(ड) बाजार दर पर चल रहा मुद्रा-विनिमय

128. चीन ने वर्ष 1994 से एकल, बाजार आधारित, प्रबंधित फ्लोटिंग विदेशी मुद्रा प्रणाली लागू करना आरंभ कर दिया है। प्रबंधित फ्लोटिंग विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत सरकार अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत कानूनी तथा आर्थिक उपायों के ज़रिए विनिमय दरों के समायोजन में शामिल हो सकती है न कि प्रशासनिक उपायों के ज़रिए।
129. कंपनी ने भारत को जांच-अवधि के दौरान *** एम.टी. निर्यात किया है। कंपनी केवल डिब्बे फैब्रिक का ही उत्पादन कर रही है। कंपनी ने घरेलू बिक्री के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए जो कि छोटे थे और सौदे बड़ी संख्या में किए गए लेकिन घरेलू बिक्री-आंकड़े कंप्यूटरों पर दिखाए। उसकी एक प्रति कंपनी से प्राप्त की गई। कंपनी ने जांच-अवधि के दौरान घरेलू बाजार में *** एमटी की बिक्री की है जिसमें से *** एमटी पांच ग्राहकों को और *** एमटी विभिन्न सौदों में बड़ी संख्या में ग्राहकों को बेचा गया। कंपनी ने *** अम.डा. मूल्य के *** एमटी माल का निर्यात किया जिसके फलस्वरूप यह लगभग *** आरएमबी प्रति एम.टी. रहा।
130. परिशिष्ट 4 के तहत दिए गए आंकड़ों की पड़ताल की गई। कंपनी ने कैलेण्डर वर्ष 2002 और 2003 के लिए वित्तीय विवरण-पत्र अर्थात् लाभ एवं हानि लेखा और तुलन-पत्र उपलब्ध किए। यह स्पष्ट किया गया कि जांच-अवधि के लिए उपलब्ध जानकारी अर्थात् घरेलू बिक्री, जांच-अवधि के लिए कुल व्यय के आबंटनों के अभाव में इन परिशिष्टों के तहत दिए गए आंकड़ों की पड़ताल नहीं की जा सकी। कंपनी ने चीन से बाहर निर्यात के संबंध में उपलब्ध निर्यात छूट-प्रणाली को स्पष्ट किया।
131. चूंकि उपर्युक्त कारणों से उत्पादन-लागत के आंकड़े अस्वीकार्य हैं और प्रतिवादी कंपनी ने एमईटी हेतु दावे के सबूत में कोई भी स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य उपलब्ध नहीं किया है, अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के उपनियम 2(i) तथा(ii) के साथ पठित धारा 9क (1) (ग) (i) तथा (ii) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा

सका । अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धान्तों को लागू करने में असमर्थ है और वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार आगे कार्रवाई करने का बाध्य है ।

सामान्य मूल्य की संरचना संबंधी वर्गीकरण

132. चूंकि उपर्युक्त कारणों से उत्पादन-लागत के आंकड़े अस्वीकार्य हैं और प्रतिवादी कंपनी ने एमईटी हेतु दावे के सबूत में कोई भी स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य उपलब्ध नहीं किया है, अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के उपनियम 2(i) तथा(ii) के साथ पठित धारा 9क (1) (ग) (i) तथा (ii) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सका । अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धान्तों को लागू करने में असमर्थ है और वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार आगे कार्रवाई करने का बाध्य है ।
133. सामान्य मूल्य का निर्धारण एक यथोचित आधार पर किया गया है जिसमें एक यथोचित लाभ मार्जिन करने हेतु विधिवत समायोजित करके समान उत्पाद के संबंध में भारत में वास्तव में दिए गए अथवा देय कीमत पर भी विचार किया गया है ।
134. इस उत्पाद का विनिर्माण कैप्रोलेक्टम की खरीद से होता है । यह नोट किया जाता है कि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत (जांच-अवधि के भारत औसत) *** अम.डा. प्रति किग्रा रही । घरेलू उद्योग ने *** अम.डा. की औसत कीमत बताई है । भारत में *** शुल्क घटक को कम करने के बाद आधारित कीमत ** बैठती है जो जांच अवधि के दौरान एशिया में मौजूदा अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों से मेल खाती है । डिण्ड श्रेणी के लिए सामान्य मूल्य डिपिंग लागत को जोड़ने के बाद *** अम.डा. प्रति किग्रा. बैठती है ।
135. चूंकि उपर्युक्त कारणों से उत्पादन-लागत के आंकड़े अस्वीकार्य हैं और प्रतिवादी कंपनी ने एमईटी हेतु दावे के सबूत में कोई भी स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य उपलब्ध नहीं किया है, अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के उपनियम 2(i) तथा(ii) के साथ पठित धारा 9क (1) (ग) (i) तथा (ii) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सका । अतः प्राधिकारी पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धान्तों को लागू करने में असमर्थ है और वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार आगे कार्रवाई करने का बाध्य है ।

एमईटी पर निष्कर्ष:

136. निष्कर्षतः, चीन के तीन उत्पादकों/निर्यातकों ने पाटनरोधी नियमावली के नियम-8 के उपनियम-3 के अनुसरण में एमईटी हेतु अनुरोध किया और एमईटी प्रदान करने हेतु प्रश्नावली का उत्तर दिया। प्राधिकारी ने एमईटी प्रश्नावली में आवश्यक समझी गई सभी जानकारी मांगी और प्रत्येक सहयोगकारी कंपनी को जारी पड़ताल-पूर्व पत्र में अतिरिक्त आशंकाएं उठाई और साक्ष्य मांगे।
137. एमईटी दावे में इस आश का पर्याप्त साक्ष्य निहित अवश्य होना चाहिए कि निर्यातक उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के तहत प्रचालन करता है। विशेषरूप से, ऐसे निर्यातक उत्पादक को इस आश का साक्ष्य अवश्य ही उपलब्ध करना चाहिए कि कीमतों, लागतों तथा निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा पूंजीनिवेश से संबंधित उसके निर्णय सप्लाई तथा मांग परिलक्षिति करने वाले बाजार संकेतों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में सरकारी हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं।
138. पाटनरोधी नियमावली के ऊपर उल्लिखित प्रावधान के आधार पर यह प्राधिकारी के अधिकार में नहीं है कि वह यह साबित करे कि कंपनी में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं है बल्कि एमईटी हेतु अनुरोध करने वाली कंपनियों को चाहिए कि वे अपने-अपने व्यवसाय-निर्णयों में कोई खास सरकारी हस्तक्षेप का नहीं होना दिखाए।
139. इनमें एक कंपनी (जियांग्सू कुनफा) ने तर्क दिया है कि किसी कंपनी के सरकारी स्वामित्वाधीन होने संबंधी तथ्य का यह अर्थ नहीं होता है कि उसमें सरकार का हस्तक्षेप होता है और वह भी 20 वर्षों में चीन जन.गण. में ढांचागत तथा स्वामित्व सुधार सहित आर्थिक सुधार के साथ वह अब परंपरागत सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी नहीं है। जियांग्सू ने इससंबंध में प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच-परिणामों के प्रति अहसमति व्यक्त की है। किन्तु, सरकारी एजेंसी यांगझोऊ केमिकल ऐसेट्स मैनेजमेंट कं० लि० का इस कंपनी में *** % शेयरधारित है और शेयरधारित के जरिए सरकारी स्वामित्व की मौजूदगी के चलते निदेशकों की नियुक्ति और व्यवसाय निर्णयों में सरकारी हस्तक्षेप को नकारा नहीं जा सकता है जिनसे कंपनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह स्थिति शांगडोंग पोलीटेक्स के मामले में सही पाई गई जिसका प्रमुख शेयरधारक (वेइफांग सी ड्रैगन) एक सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी (मेगा ड्रैगन) द्वारा अधिकांशतः स्वामित्वाधीन है।
140. प्राधिकारी नोट करता है कि सरकारी हस्तक्षेप के मुद्दे पर प्रतिवादी कंपनियों ने एमईटी हेतु अपने-अपने दावे को साबित करने के वास्ते कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है सिवाय इसके कि यह वक्तव्य कि उनमें कोई भी सरकारी हस्तक्षेप नहीं है। किसी भी प्रतिवादी कंपनियों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनकी परिसंपत्तियां किसी प्रकार प्राप्त की गई थीं, उनके अधिग्रहण, खरीदे गए शेयरों की दरें, क्या वे बाजार दरों पर खरीदे गए अथवा अन्यथा और इन परिसंपत्तियों का मूल्यांकन के ब्यौरे क्या-क्या हैं। शेयरधारकों के नाम तथा ब्यौरे दर्शाने वाले शेयरधारिता प्रमाया-पत्र और प्रतिवादी कंपनियों में शेयरधारित

पैटर्न की जानकारी प्रदान नहीं की गई है। मै0 निंगबों नाइलोन नामक कंपनी के मामले में यह निष्कर्ष देना संभव नहीं है कि धारक कंपनी अर्थात् जिनलुन/किंगरिंग जोकि पहले एक सामूहिक हस्ती थी, में सरकारी स्वामित्व वाले शेयरों को मुक्त रूप से और बाजार की दृढ़ तः ३२ ३३ बेचा गया था जब इस कंपनी का गैर-सरकारी स्वामित्व में हस्तांतरण किया गया। एडु ध्य कंपनी (मै0 शांगडोंग पोलीटेक्स) के मामले में यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता है कि धारक कंपनी जो कि अधिकांशतया सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी है, द्वारा हस्तांतरित ऋणों तथा परिसंपत्तियों की मुक्त रूप से बिक्री बाजार कीमत पर कर दी गई है। परिसंपत्ति कारोबार करारों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परिसंपत्तियां प्रतिवादी कंपनी को दी गई। जियांगसू कुनफा के मामले में पूंजीनिवेश शेयरधारिता के रूप में प्रमुख रूप से किसी सरकारी स्वामित्वाधीन कंपनी द्वारा किया गया है। मौके पर पड़ताल के पश्चात्, निर्यातकों को एक विस्तृत पड़ताल रिपोर्ट भेजी गई जिसमें निर्यातकों द्वारा दायर लेखा-विवरण-पत्रों तथा संबद्ध जानकारी में पाई गई कतिपय अन्तर अथवा त्रुटियों का उन्हें बताया गया। इन टिप्पणियों का अधिकांशतया खण्डन नहीं किया गया और कुछ महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई।

141. यह देखा गया कि इन विशेष कंपनियों के मामले में 2001, 2002 और 2003 (जून तक) की अवधियों संबंधी वार्षिक रिपोर्टों में अक्सर पाई जाने वाली निदेशक रिपोर्टें, लेखा-परीक्षक रिपोर्टें, लेखा-टिप्पणी, अनुबंध, आदि नहीं दिए गए। मै0 एनजेआईई के मामले में जांच अवधि के वित्तीय विवरण (एक पृष्ठ) दिया गया। संगत अनुबंधों तथा विस्तृत वित्तीय रिपोर्टों के अभाव में यह पता नहीं लगाया जा सका कि लेखा-परीक्षक की रिपोर्टों में कोई अर्हताएं थी और न ही इन कंपनियों की लेखा-पद्धतियों को ही जांचा गया। वेइफांग के मामले में न केवल जांच अवधि बल्कि पिछले वर्षों को शामिल करते हुए पर्याप्त अवधि के लिए लेखा-परीक्षक रिपोर्ट अर्ह मानी गई। अर्हता का यह प्रकार महत्वपूर्ण रहा और इसका संबंधित राजस्व तथा व्यय से प्रत्यक्ष संबंध रहा। जीएएपी तथा अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप लेखा-परीक्षित लेखाओं को रखने का प्रयोजन कंपनी के लेखाओं की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना है, विशेषरूप से कंपनी द्वारा दर्ज राजस्व, लागतों तथा लाभ के संबंध में। एक ऐसी स्थिति में निर्यातकों द्वारा यह साबित करना जरूरी है कि यदि बही-खातों की लेखा-परीक्षा अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुसार नहीं की जाती है और यह कि रिकॉर्डों में संबंधित उत्पाद के उत्पादन तथा बिक्री की लागतें समुचित परिलक्षित होता है। इस प्रकार, वित्तीय रिपोर्टों के अभाव में यह पता नहीं लगाया जा सका कि क्या लेखा-परीक्षकों ने यह पाया था कि ये कंपनियां चीनजन.गण. में जीएएपी का अनुसरण करती हैं और क्या ये कंपनियां ऐसा रिकॉर्ड बनाए रखती है जिसमें व्यय, आय, राजस्व एवं लागतें समुचित तथा सही-सही परिलक्षित होती हों। इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी यह निष्कर्ष देने के लिए अपर्याप्त थी कि नियम 8 के उप पैरा 3 का यह मानदण्ड पूरा किया गया।

142. कच्चे माल की कीमतों तथा जनोपयोग सेवाओं संबंधी मुद्दों पर इस रिपोर्ट के संगत भाग में चर्चा की गई है।

143. चीन के इन तीन निर्यातकों/उत्पादकों में से किसी ने भी एमईटी प्रदान किए जाने हेतु सभी शर्तें पूरी नहीं की। अतः किसी साक्ष्य के अभाव में एमईटी संबंधी सभी दावे अस्वीकृत किए जाते हैं।
144. यह दावा किया गया है कि प्राधिकारी भारत को प्रतिनिधि देश के रूप में नहीं मान सकता है। प्राधिकारी नोट करता है कि याचिकाकर्ता ने किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य का कोई साक्ष्य नहीं दिया था। याचिकाकर्ता द्वारा किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत भी उपलब्ध नहीं कराई। यह भी नोट किया जाता है कि भारत को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमतें भी अंगीकार नहीं कराई गई क्योंकि (क) विचाराधीन उत्पाद में ऐसी अनेक विभिन्न किस्में भी शामिल थीं जो अन्तर्ग्रस्त लागतों तथा कीमतों से भिन्न रहीं; (ख) कारखानागत कीमतें निर्धारित करने के लिए कीमत समायोजन उपलब्ध नहीं है, (ग) इन कीमतों को उन दावों में दी गई कीमतों की प्रतिनिधि कीमत नहीं समझा गया जोकि भारत को तीसरे देशों की कीमतें चीन से पाटन के कारण अनपयुक्त मानी गई हों। चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माने जाने के लिए घरेलू उद्योग के दावे को विवाद मानते समय चीन के उत्पादकों अथवा आयातकों अथवा किसी अन्य इच्छुक पक्षकार ने न तो कोई दावा किया और न ही कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया जोकि किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा निर्मित मूल्य से संबंधित हो। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी की राय है कि एकमात्र विकल्प यह उपलब्ध है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण एक यथोचित लाभ मार्जिन शामिल करने के वास्ते, विधिवत् समायोजन करने के पश्चात्, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत पर विचार करने के पश्चात् किया जाए। भारत में वास्तव में भुगतान की गई कीमत पर इस कारण विचार नहीं किया जा सका है कि वह उत्पादन लागत से कम रही। इस प्रकार, प्राधिकारी के पास केवल यह विकल्प रह जाता है कि भारत में उत्पादन लागत पर विचार अंतर्राष्ट्रीय केच्चे माल की कीमतों तथा अनुकूलतम परिवर्तन लागतों, बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्चों तथा यथोचित लाभ का विधिवत् समायोजन करने के पश्चात् किया जा सकता है।
145. **पाटन मार्जिन:** प्राधिकारी द्वारा जांच:
146. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में यथाविहित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण संबंधी सिद्धांतों को अपनाने की सतत् नीति का अनुसरण किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के उप नियम 2 (i) तथा (ii) के साथ पठित धारा 9क(1)(ग)(I) तथा (ii) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण ऊपर उल्लिखित कारणों से नहीं किया गया। अतः प्राधिकारी पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा 8 के अनुसार आगे कार्यवाई करने के माध्यम है। ऊपर इंगित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों के आधार पर प्राधिकारी ने सभी सहयोगकारी

निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया जैसाकि नीचे सारणी में दिया गया है ।

डालर प्रति कि.ग्रा.

	निंग्बो	वेइफांग	जियांग्सू
सामान्य मूल्य ग्रे	***		
निर्यात कीमत ग्रे	***		
पाटन मार्जिन	***		
सामान्य मूल्य डिप्ल	***	***	***
निर्यात कीमत डिप्ल	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***
भारित औसत	***		
पाटन मार्जिन %	24.47%	20.76%	24.45%

ठ. क्षति

147. नियम 11 सप्रा, अनुबंध-II के अन्तर्गत जब किसी तरह की क्षति का पता चलता है तो ऐसे निष्कर्ष के लिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करना शामिल होगा, जिसके लिए सभी संगत तथ्यों, जिनमें पाटन की गई आयात वस्तुओं का परिमाण, समान तरह की वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार मूल्यों पर उनका प्रभाव तथा परिणाम स्वरूप ऐसे आयातों से इस तरह की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर पड़ने वाले प्रभाव, शामिल हैं, को भी ध्यान में रखना होगा । मूल्यों पर पाटन आयातित वस्तुओं के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या पाटन आयातित वस्तुओं के कारण भारत में समान तरह की वस्तुओं के मूल्य की तुलना में मूल्यों में कोई महत्वपूर्ण कमी हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा मूल्यों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी आती है अथवा मूल्य वृद्धि रुकती है जो अन्यथा महत्वपूर्ण सार तक हुई होती ।
148. प्राधिकारी नोट करता है कि पाटन मार्जिन और संबद्ध देशों से किए गए आयात की मात्रा उपर्युक्त नियम 11 में निर्धारित सीमा से अधिक है ।
149. घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने ऐसी अन्य सूचियों पर विचार किया है जिनका उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन, आदि के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है ।
150. आयात की मात्रा:

मात्रा:एमटी यूनिट कीमत: रू०/किग्रा.

	1999-2000		2000-01		2001-02		जांच अवधि		जांच अवधि(वार्षिक)	
	मात्रा	यूनिट कीमत	मात्रा	यूनिट कीमत	मात्रा	यूनिट कीमत	मात्रा	यूनिट कीमत	मात्रा	यूनिट कीमत
अलग-अलग देशवार आयात										
चीन जन.गण										
डीजीसीआईएडएस	1017.08	124.3	1984.56	120.74	1677.04	138.34		116.08	4876.63	116.08
चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार							7970	111.77	63.76	111.77
सहयोगकारी निर्यातकों के प्रत्युत्तर के अनुसार							8404	116.48	6723.2	116.48
अन्य देश	15632.3	126.32	16267.9	149.13	12521.8	135.87	19793.7	124.99	15835.0	124.99
जांच अवधि के दौरान उत्तरदाता निर्यातकों का कुल आयात	16649.4	126.2	18252.6	146.04	14198.9	136.16	28197.8	241.47	22558.2	241.47
बाजार हिस्सा										
चीन जन.गण.	6.11%		10.87%		11.81%		29.80%		29.80%	
अन्य	93.89%		89.13%		88.19%		70.20%		70.20%	

(i) प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस से प्राप्त आयात आंकड़ों, गौण स्रोतों से घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों, सहयोगकारी निर्यातकों द्वारा दायर प्रत्युत्तरों और चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा रिलीज किए गए आंकड़ों पर विचार किया। प्राधिकारी ने सहयोगकारी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार निर्यात आंकड़ों के रूप में इन्हें अंगीकार करना यथोचित समझा है।

(ii) प्राधिकारी ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आयात मात्रा पर विचार किया। प्राधिकारी ने विभिन्न जानकारी का यथासंभव व्यवहार्य सीमा तक सहसंबंध किया और पाया कि डीजीसीआईएस द्वारा बताई गई आयात मात्रा विस्तृत प्रतीत नहीं होती है क्योंकि सहयोगकारी निर्यातकों ने स्वयं यह बात स्वीकार की कि उन्होंने डीजीसीआईएस द्वारा बताए गए आंकड़ों से कहीं अधिक मात्रा में संबद्ध माल का निर्यात किया है। यहां तक कि चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा रिलीज किए गए आंकड़े भी विस्तृत प्रतीत नहीं होते हैं क्योंकि सहयोगकारी निर्यातकों ने स्वयं यह बात स्वीकार की है कि उन्होंने प्राधिकारी द्वारा खुलासा की गई मात्रा से संबद्ध माल का कहीं अधिक निर्यात किया है। गौण स्रोतों से उपलब्ध आंकड़े भी विस्तृत नहीं हैं क्योंकि उनमें देश के सभी सीमा शुल्क पत्रों के आंकड़े शामिल नहीं किए गए हैं। उत्तरदाता निर्यातकों के अनुसार आयात आंकड़े भी विस्तृत नहीं हैं

क्योंकि चीन के एक उत्पादक ने भी प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं भेजा है। प्राधिकारी ने आयातकों द्वारा दायर प्रत्युत्तरों की भी जांच की है। किंतु, इस जानकारी से उत्तरदाता निर्यातकों के अलावा चीन के उत्पादकों द्वारा किए गए निर्यात के आंकड़ों का पता नहीं लगाया जा सका।

- (iii) प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है। डीजीसीआईएस ने जांच-अवधि के लिए सौदेवार आंकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सौदेवार आंकड़ों, असाधारण सौदों को छोड़कर, के अनुसार संबद्ध देश से आयात-मात्रा और ग्रे, डिप्ड तथा सीटीसी फैब्रिक (सूचीकृत) का मूल्य निम्नानुसार रहा:-

सूचीकृत

चीन गणराज्य	जनवादी	मात्रा (मी.टन)	मूल्य (रु०)	दर (सीआईएफ रु०/कि.ग्रा.)
ग्रे फैब्रिक		3478.85	387071912	111.26
डिप्ड		1571.68	198435444	126.26
सीटीसी		390.42	51661250	129.61
योग		5440.95	707597465	116.08

- (iv) प्राधिकारी नोट करता है कि कुल आयातों में चीन का हिस्सा जो 1999-00 में 6.11% रहा था, बढ़कर जांच-अवधि में 29.80% हो गया। अन्य देशों का हिस्सा जोकि आधार वर्ष में 93.89% रहा था, घटकर जांच अवधि में 70.20% रह गया।
- (v) हालांकि प्राधिकारी ने इन अस्थायी जांच-परिणामों के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है लेकिन, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध माल के वास्तविक आयात कहीं अधिक हुए हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने चीन के सीमाशुल्क विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात-मात्रा के आंकड़ों की भी जांच की है जिन्हें विश्व व्यापार नक्शे में परिलक्षित किया गया है, जिनके जांच-अवधि के ब्यौरे नीचे दी गई सारणी में दर्शाए गए हैं-

स्रोत: वर्ल्ड ट्रेड एटलस

चीन का सीमा शुल्क विभाग	मात्रा (कि.ग्रा.)	मूल्य (रु०)	रु०/कि.ग्रा.
अप्रैल-02	131513	16279000	123.78
मई-02	267360	29174000	109.12
जून-02	293269	33574000	114.48
जुलाई-02	203311	23478000	115.48
अगस्त-02	389666	41533000	106.59

सित.-02	385597	42151000	109.31
अक्तू.-02	561010	62927000	112.17
नव.-02	635692	69378000	109.14
दिस.-02	672172	74463000	110.78
जन.-03	753053	85175000	113.11
फर.-03	717198	80963000	112.89
मार्च-03	574485	64355000	112.02
अप्रैल-03	761759	85905000	112.77
मई-03	650924	72366000	111.17
जून-03	973510	109162000	112.13
	7970519	890883000	111.77

(vi) एन टी सी एफ द्वारा बताई गई मात्रा डीजीसीआईएस द्वारा प्रस्तुत मात्रा की तुलना में काफी अधिक है और प्रति यूनिट भारत औसत कीमतें अपेक्षतया कम हैं। कीमतों में अंतर संभवतः इसलिए नहीं दिखाई दिया क्योंकि डीजीसीआईएस और चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा अंगीकृत आंकड़ों में अंतर रहा है। डीजीसीआईएस सामान्यतया सीआईएफ आयात कीमत की रिपोर्ट देता है जबकि चीन का सीमा शुल्क विभाग एफओबी निर्यात कीमत के आंकड़े देता है। किंतु आमतौर पर बताई गई मात्राओं में ज्यादा अंतर नहीं होना चाहिए।

(vii) प्राधिकारी नोट करता है कि सहभागिताकारी निर्यातकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उनके द्वारा जांच-अवधि के दौरान निर्यातित एनटीसीएफ की मात्रा निम्नानुसार रही:-

- निंग्बो नॉयलान =*** मी.टन
- वीफंग =*** मी.टन
- जियांगसु =*** मी.टन
- योग =8404 मी.टन

(viii) उपरोक्त के अलावा, और भी ऐसी कंपनियां हो सकती हैं जिन्होंने इस माल का निर्यात किया हो और प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं भेजा हो। घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि बालिंग नामक कंपनी भी संबद्ध माल की एक प्रमुख निर्यातक है जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है और जिनके निर्यात के आंकड़े 8404 मी.टन में शामिल नहीं हैं। जैसाकि प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों ने निर्यात आंकड़ों की रिपोर्ट दी है। किसी भी स्थिति में इस आशय के ऊपर कोई भी विवाद नहीं हो सकता है कि 8404 मी.टन का आयात जांच अवधि के दौरान किया गया। अतः प्राधिकारी ने यह यथोचित समझा कि इस पर चीन से जांच अवधि के दौरान आयातित मात्रा के रूप में विचार किया जाए।

151. मांग

बिक्रियां	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिकीकृत)
ग्रे	41292	37537	41489	58906	47125
डिप्ड	4208	2070	4029	8852	7082
सीटीसी	744	728	649	877	701
कुल बिक्रियां(घरेलू)	46244	40335	46167	68635	54908
कुल आयात (डीजीसीआईएस के अनुसार)	16649	18252.55	14198.92	25889.56	20711.65
कुल आयात (चीन जन. गण. के सहयोगकर्ता निर्यातकों के अनुसार)				28197.78	22558.22
आयात (चीन जन. गण.)	1017.08	1984.56	1677.05	6095.79	4876.63
आयात (सहयोगकर्ता निर्यातकों के प्रत्युत्तर को ध्यान में रखते हुए)				8404	6723.2
आयात(अन्य स्रोतों से)	15632.4	16267.99	12521.87	19793.78	15835.02
मांग	62893	58587.55	60365.92	96832.78	77466.22
मांग % में घरेलू उद्योग का हिस्सा (वार्षिकीकृत)	73.53%	68.85%	76.48%	70.88%	70.88%
आयात हिस्सा %	26.47%	31.15%	23.52%	29.12%	29.12%
चीन जन. गण. से पाटित आयातों का हिस्सा % में	1.62%	3.39%	2.78%	8.68%	8.68%
अन्य का हिस्सा	24.86%	27.77%	20.74%	20.44%	20.44%

% में					
घरेलू उत्पादन	48873	42062	47478	72025	57620
चीन से आयातित उत्पादन संबंधी हिस्सा	2.08%	4.72%	3.53%	11.67%	11.67%

- (i) प्राधिकारी नोट करता है कि क्षति विश्लेषण अवधि में मांग में 23.17% की वृद्धि, उत्पादन में 17.89% की वृद्धि और घरेलू उद्योग की बिक्रियों में मात्रा 18.73% की वृद्धि रही। मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई और आयात का हिस्सा बढ़ गया। घरेलू उद्योग के उत्पादन में जो वृद्धि हुई थी वह घरेलू उद्योग की मांग के हिस्से में हुई वृद्धि से मेल नहीं खाता है। इसके विपरीत, मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट रही जबकि चीन के हिस्से में काफी वृद्धि दर्ज की गई। प्राधिकारी नोट करता है कि ग्रे फैब्रिक के संबंध में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट रही है जिससे विदित होता है कि घरेलू उद्योग ज्यादा उत्पादन अथवा बिक्री नहीं कर सका यदि इसे ऐसा करने का अवसर मिला होता। अन्य शब्दों में, यदि मांग का स्तर अपेक्षतया अधिक होता तो पाटित आयात से बिक्री बढ़ाने में आसानी नहीं होती।
- (ii) यदि चीन से होने वाले आयातों को विश्व व्यापार मानचित्रावली में परिलक्षित चीन के सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार समझा जाता है तो जांच-अवधि में चीन का हिस्सा 8.37% होता। मांग में घरेलू उद्योग तथा अन्यो का हिस्सा और अधिक घटकर जांच अवधि में क्रमशः 70.85% तथा 20.78% रह जाएगा।

विवरण	जांच अवधि
चीन से आयात (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार)	7970.52
अन्य स्रोतों से आयात (डीजीसीआईएस के अनुसार)	19793.78
कुल आयात	27764.30
मांग	96399.30
घरेलू उद्योग का हिस्सा	71.20%
चीन का हिस्सा	8.27%
अन्य का हिस्सा	20.53%

152. बाजार शेयर में वास्तविक तथा गिरावट:

प्राधिकारी नोट करता है कि सहयोगीकारी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि लगभग 18-20000 एमटी का सप्लाई अन्तर दिखाई देता है जिसे आयात द्वारा पूरा किया जाता है। किंतु, आयातों के विश्लेषण से पता चलता है कि पाटित आयातों के हिस्से में काफी वृद्धि रही है जबकि अन्य स्रोतों से हुए आयातों में गिरावट आई है। चीन के बाजार हिस्से में वृद्धि और भारतीय उत्पादकों तथा अन्य देशों के बाजार हिस्से में आई गिरावट स्पष्टतया चीन के सप्लायरों द्वारा आफर की गई कीमतों के कारण हुई है जिन्होंने न केवल चीन के सप्लायरों को अपेक्षित अधिक बाजार हिस्सा प्राप्त करने में सहायता की बल्कि भारतीय उत्पादकों को अपने कीमतों को बेंच मार्क करने को बाध्य भी किया है जिसके परिणामस्वरूप उनके बाजार हिस्से में गिरावट आई। चीन के उत्पादकों के पास बेशी क्षमता के चलते, उत्पाद के प्रकार और प्रतिकूल प्रभाव जिसे एक सप्लायर दूसरे को प्रभावित कर सकता है, यह स्पष्ट है कि घरेलू बाजार के लिए बाजार हिस्से में हानि तब और भी अधिक हो गई होती जब वह मौजूदा कीमतों की आफर नहीं करता। बाजार हिस्से में संभाव्य गिरावट भी स्पष्ट है यदि मौजूदा कीमतें ऑफर की जाएं। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि जुलाई, 2003-अक्टूबर, 2004 की अवधि में चीन से किए गए आयात 17152 एमटी (अर्थात् 1072 एमटी प्रतिमाह, जबकि यह जांच अवधि के दौरान 531 एमटी प्रति माह रहा) के आसपास रहे जिससे संभाव्य प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है जो घरेलू उद्योग पर इन आयातों से हुआ होता।

153. बिक्रियों में वास्तविक तथा संभाव्य गिरावट:

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि(वार्षिकीकृत)
बिक्री (मी.टन)	46244	40335	46167	54908
बदलाव %		-12.78%	14.46%	18.93%
बिक्री वसूली				
भारित औसत (रु०/कि.ग्रा.)	***	***	***	***
बदलाव % (वर्ष दर वर्ष)		0.19%	-14.01%	1.38%
क्षति अवधि की तुलना में बदलाव %				12.65%

मांग में वृद्धि (23.17%) के तदनुरूप जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में बिक्रियों में 18.73 % की वृद्धि हुई है। वर्ष 200-02 में वसूली में काफी गिरावट रही जिसमें जांच अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में मामूली सुधार आया। समग्र आधार पर जांच अवधि के दौरान 12.65% की कीमत गिरावट रही। यदि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान वास्तविक रूप में बेची गई मात्राओं की बिक्री नहीं की होती तो इससे माल सूची में

वृद्धि अथवा प्राप्त उत्पादन-स्तर लक्ष्यों कमी हो गई होती। अधिक मात्रा में बिक्री से पाटित आयातों के प्रतिकूल प्रभाव को कमी करने में सहायता मिली। इस प्रकार, हालांकि बिक्री मात्रा में वृद्धि तो दर्शाई गई, लेकिन भारत औसत बिक्री वसूली में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 12.65% की गिरावट दर्शाई गई। जब बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई तब बिक्री मात्रा में वृद्धि मांग में वृद्धि से भी कम रही। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को ग्रे फ़ैब्रिक के संबंध में क्षमता उपयोग में मामूली गिरावट का सामना करना पड़ा जिससे यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग अपेक्षतया अधिक उत्पादन अथवा बिक्री कर सकता था यदि चीन की कीमतें जांच अवधि के दौरान इस सीमा तक घरेलू कीमतों को प्रभावित नहीं करती।

154. उत्पादन और क्षमता उपयोग:

	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिक.)
प्रतिस्थापित क्षमता (एम.टी.)					
ग्रे	49600	50500	55126	73000	58400
डिप्ट	7680	7680	7680	9600	7680
सीटीसी	1100	1100	1100	1375	1100
योग	58380	59280	63906	83975	67180
उत्पादन (एमटी)					
ग्रे	43590	38690	42352	61620	49296
डिप्ट	4539	2644	4478	9528	7622
सीटीसी	744	728	648	877	702
कुल उत्पादन	48873	42062	47478	72025	57620
क्षमता उपयोग%	83.72%	70.95%	74.29%	85.77%	85.77%
ग्रे	87.88%	76.61%	76.83%	84.41%	84.41%
डिप्ट	59.10%	34.43%	58.31%	99.25%	99.24%
सीटीसी	67.64%	66.18%	58.95%	63.77%	63.77%

- (i) आवेदकों की क्षमता में पिछले वर्षों में वृद्धि हुई है क्योंकि एक आवेदक कंपनी ने बढ़ोतरी की और घरेलू उद्योग ने बाधाओं को समाप्त करने के प्रयास किए हैं। ऐसी संभावना थी कि भारत में संबद्ध माल की मांग में वृद्धि होगी बशर्ते कि ऑटोमोबाइल कंपनियों द्वारा संभाव्य उत्पादन-स्तर सूचित किए हैं। घरेलू उद्योग को मांग में इस संभाव्य वृद्धि की जानकारी थी और वह इस मांग को पूरा करने का प्रयास करता रहा किंतु मांग में 23.17% की वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट रही। यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग में समग्र आधार पर वृद्धि हुई है क्योंकि डिप्ट फ़ैब्रिक के संबंध में क्षमता उपयोग में

वृद्धि आई है। ग्रे फ़ैब्रिक के संबंध में क्षमता उपयोग में गिरावट आई । यह भी पाया जाता है कि साईकिल टायर कोर्ड फ़ैब्रिक (जांच क्षमता आधार स्तर से प्राप्त होती है) में भी क्षमता उपयोग में गिरावट दर्शाई गई है ।

- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध माल के संबंध में ग्रे, डिप्ड तथा सीटीसी के लिए औसत क्षमता उपयोग मिश्रण में 1999-2000 से लेकर जांच-अवधि तक सुधार दर्शाया गया है । जहां घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में सुधार आया है वहीं यह नोट किया जाता है कि ऐसा अभी भी अप्रयुक्त क्षमता को कायम रखते हुए घरेलू उद्योग के पहले विभिन्न स्रोतों से पाटन के बावजूद हुआ है और घरेलू उद्योग के पास अभी भी अप्रयुक्त क्षमता विद्यमान है ।
- (iii) घरेलू उद्योग के अधिक उत्पादन के साथ-साथ बाजार मांग में तदनुरूपी बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई । इसके बावजूद उद्योग को इस अवधि के दौरान लगभग 12.65% के संबद्ध माल की भारित औसत बिक्री वसूली (सभी ग्रेडों के लिए) में काफी गिरावट रही है ।

155. निवल बिक्री वसूली तथा लैंडेड मूल्य

सूचीकृत
रु०/किग्रा.

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि(वार्षिकीकृत)
भारित औसत निवल बिक्री वसूली				
ग्रे	***	***	***	***
डिप्ड	***	***	***	***
सीटीसी	***	***	***	***
भारित औसत	100	100.19	86.15	87.34
लैंडेड मूल्य (डीजीसीआईएस के अनुसार)				चीन
ग्रे				95.0
डिप्ड				107.8
सीटीसी				113.0
भारित औसत				100

- (i) प्राधिकारी को लगता है कि चीन से होने वाले आयातों की लैंडेड कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की तुलना में काफी कम रही। इस प्रकार, चीन से होने वाले आयात से घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती रही। यह भी लगता है कि कीमत कटौती इस उत्पाद के तीनों रूपों में हो रही है। इस प्रकार, कीमत कटौती औसत आधार पर हो रही है और यह एनटीसीएफ की विभिन्न किस्मों-ग्रे, डिण्ड तथा सीटीसी के संबंध भी हो रही है।
- (ii) यह पाया गया है कि ग्रे फैब्रिक के संबंध में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट डिण्ड तथा सीटीसी की कीमतों में आई गिरावट से कहीं अधिक रही है। जहां ग्रे फैब्रिक की कीमतें लगभग 13.6% कम हुई हैं, वहीं डिण्ड श्रेणी में गिरावट लगभग 9.9% और सीटीसी में 7.6% की गिरावट रही। भारित औसत कीमत गिरावट (12.6%) से ग्रे फैब्रिक के रूप में और अधिक परिलक्षित होता यदि ग्रे फैब्रिक का हिस्सा घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों में 86% होता। ग्रे फैब्रिक की कीमतों में अपेक्षतया अधिक गिरावट का रूख डिण्ड फैब्रिक की तुलना में ग्रे के आयात में और अधिक मात्रा परिलक्षित प्रत्यक्ष रूप से होती। सहयोगकारी निर्यातकों द्वारा बताए गए कुल 8404 एमटी के निर्यात में से ग्रे फैब्रिक का हिस्सा कुल आयात का 60% रहा।

156. आयातों की बिक्री वसूली और लैंडेड कीमत

रु०/किग्रा.

वर्ष	भारित औसत निवल बिक्री वसूली -घरेलू उद्योग(रु./किग्रा.)	आयातों की लैंडेड कीमत	
		चीन जन.गण	अन्य
1999-00	100	100	100
2000-01	100.19	93.67	113.84
2001-02	86.15	99.37	96.04
जांच अवधि (वार्षिक.)	87.34	84.13	88.35

- (i) चीन जन गण से संबद्ध माल की भारित औसत लैंडेड कीमतों में गिरावट आधार वर्ष 1999-2000 की तुलना में लगभग 16% की रही है। प्राधिकारी को यह भी दिखाई देता है कि चीन से होने वाले आयातों के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की कीमतों में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान कीमत कटौती होती रही है। यह भी देखा गया है कि अन्य देशों से होने वाले आयातों की लैंडेड कीमतें चीन से होने वाले आयात की कीमतों की तुलना में (2001-2002 को छोड़कर) अधिक रही।
- (ii) यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन की कीमतों तथा घरेलू उद्योग की कीमतों में 1999-2000 में 1.72% का कीमत अंतर रहा। अतः यह वृद्धि जांच-अवधि के दौरान लगभग 6.1% रही। इसी प्रकार, चीन की कीमतों तथा अन्य देशों की कीमतों का अन्तर जो

1999-2000 में 1.62% था, बढ़कर जांच-अवधि में 6.75% हो गया। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि एक ओर चीन की कीमतों और घरेलू उद्योग की कीमतों में अन्तर है, वहीं दूसरी ओर अन्य देशों की कीमतों में इस अवधि के दौरान वृद्धि दर्शाई गई है।

157. अन्य देशों की तुलना में चीन से कीमत कटौती:

विश्लेषण इस प्रकार है:

वर्ष	कीमत कटौती(%)	
	चीन जन.गण.	अन्य
1999-00	***	***
2000-01	***	***
2001-02	***	***
जांच अवधि (वार्षिक.)	***	***

158. कीमत कटौती/बिक्री कटौती:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की तुलना आयातों की लैंडेड कीमत से की। ग्रे, डिण्ड तथा सीटीसी के संबंध में अलग-अलग तुलना की गई। यह जानकारी इस प्रकार है:-

	चीन	घरेलू उद्योग का एनएसआर	कीमत कटौती %	एनआईपी	कीमत बिक्री कटौती %
भारित औसत निवल बिक्री वसूली					
ग्रे	***	***	११.१	***	१०.१
डिण्ड	***	***	११.१	***	१०.१
सीटीसी	***	***	१०.१	***	११.१
भारित औसत	***	***	9.5	***	15.67

प्राधिकारी नोट करता है कि जांच अवधि के दौरान भारत औसत बिक्री कटौती 15.67% और भारत औसत कीमत कटौती 9.50% रही। विभिन्न किस्मों के संबंध में कीमत कटौती 3%-9% (ग्रे), 10%-16% (डिण्ड), 8%-14% (सीटीसी) और बिक्री कटौती 5%-11%(ग्रे), 6%-12% (डिण्ड) और 11%-17%(सीटीसी) के दायरे में रही।

159. लाभप्रदता:

नीचे दी गई सारणी यह दर्शाती है कि उत्पादन की सूचीकृत लागत (सभी ग्रेडों के लिए भारत औसत) में जांच-अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में लगभग 9.78% की गिरावट रही। प्राधिकारी ने इस बात का विश्लेषण किया है कि ऐसा इसके लिए क्षति

विश्लेषण अवधि के संबंध में कैपरोलैक्टम की भारत औसत घरेलू बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण हुआ है। बिक्री कीमतों में जांच अवधि के दौरान 1999-2000 की तुलना में लगभग 12.14% की गिरावट रही। सीओपी में गिरावट के बावजूद जोकि अपेक्षतया कम बिक्री वसूली के कारण रही थी, भारत औसत हानि प्रति किग्रा. जांच अवधि में 29.75% की वृद्धि रही।

	1999-200	2000-01	2001-02	जांच अवधि(वार्षिक)
उत्पादन लागत	₹100	100	87.15	89.93
बिक्री कीमत	100	100.19	86.15	87.35
लाभ और हानि	-100	-96.45	-104.02	-134.20

160. घरेलू उद्योग का अन्तिम स्टॉक:

मात्रा: मी.टन

	1999-200	2000-01	2001-02	जांच अवधि(वार्षिक)
ग्रे	321	1347	1097	1047
डिप्ड	184	216	175	123
सीटीसी	0	86	62	98
घरेलू उद्योग का अन्तिम स्टॉक	505	1649	1334	1268
स्टॉक में बिक्री दिनों की संख्या	3.99	14.92	10.55	8.43

अन्तिम स्टॉक की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा से की गई है और उसे नीचे दी गई सारणी में प्रतिशत के रूप में दर्शाया गया है:

	1999-200	2000-01	2001-02	जांच अवधि(वार्षिक.)
बिक्रियां	46244	40335	46167	54908
अन्तिम स्टॉक	505	1649	1334	1268
बिक्रियों के प्रतिशत के रूप में माल-सूची	1.09%	4.09%	2.89%	2.31%

यह देखा जा सकता है कि यद्यपि अन्तिम स्टॉक में समग्र रूप में वृद्धि तो हुई है किंतु बिक्रियों में यह % वृद्धि मामूली है। माल सूची में वृद्धि माल में वृद्धि के बावजूद हुई।

161. पूंजी निवेश पर आय

सूचीकृत रू० लाख

	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि
लगाई गई पूंजी	100	103.16	103.41	103.25
लाभ/हानि	-100	-104.10	-111.86	-177.07
लगाई गई पूंजी पर आय	-10.02%	-10.12%	-10.85%	-17.20%

पूंजी निवेश पर आय ने वही रुख अपनाया है जो लाभ तथा नकद प्रवाह ने अपनाया था । यह देखा गया कि मांग-सप्लाई अन्तर को देखते हुए घरेलू उद्योग ने और क्षमता जोड़ दी । घरेलू उद्योग को यह संभावना थी कि अपेक्षतया अधिक पूंजी निवेश से अधिक लाभ होंगे । किंतु लाभ में चीन से किए गए पाटन के फलस्वरूप वृद्धि की बजाए गिरावट रही । इसके परिणामस्वरूप लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट रही ।

162 नकद प्रवाह/लाभ

सूचीकृत लाख रू०

	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिक.)
लाभ/हानि	-100.00	-104.10	-111.86	-221.32	-177.07
मूल्य ह्रास	100	96.44	75.24	129.04	103.25
नकद लाभ/हानि	-100	-116.62	-171.98	-372.86	-298.29

- (i) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बिगड़ती गई । पिछली संपन्न मध्यावधि पुनरीक्षा में यह पाया गया था कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बिगड़ती गई । उसके बाद यह लाभप्रदता और भी बिगड़ गई ।
- (ii) चूंकि सभी कंपनियां बहु-उत्पाद कंपनियां हैं अतः यह व्यावहारिक नहीं हो पाया कि केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही नकद प्रवाह का निर्धारण किया जाए किंतु नकद प्रवाह निर्धारित किया गया है जो विचाराधीन उत्पादन के संबंध में है । नकद प्रवाह में वही रुख रहा जो लाभ के संबंध में था । यह भी नोट किया जाए कि प्राधिकारी ने पहले संपन्न मध्यावधि पुनरीक्षा में यह पाया कि पिछले तीन वर्षों के लिए सतत हानियों से घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा । लाभप्रदता का बिगड़ना भी प्रतिकूल नकद प्रवाह के लिए उत्तरदायी है । यह स्थिति जांच अवधि के दौरान और भी बदतर हो गई ।

163. रोजगार तथा मजदूरियां

सूचीकृत

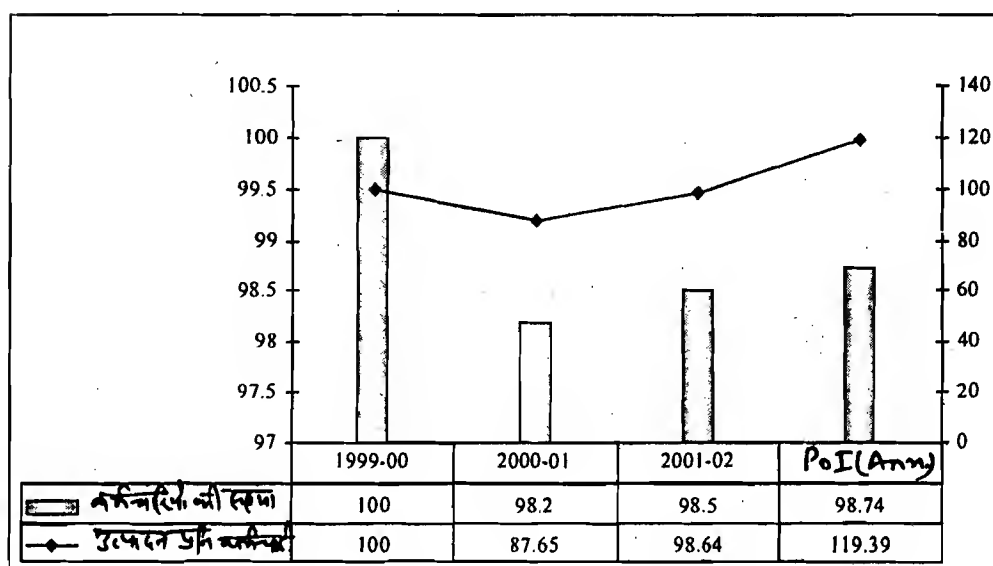
	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिक.)
रोजगार (संख्या में)	100	98.20	98.50	98.74	98.74
मजदूरियां (लाख रु. में)	100	102.09	119.46	161.89	129.50
मजदूरियां प्रति यूनिट उत्पादन	100	118.62	122.97	109.84	109.84

क्षमता में 15.07% की वृद्धि से अधिक रोजगार मिलना चाहिए किंतु घरेलू उद्योग ने क्षमता में वृद्धि के बाद रोजगार में कमी कर दी। मजदूरियों में 3 वर्षों (1999-2000 से जांच अवधि में) लगभग 29.47% की वृद्धि दर्शाई गई है जिसका अर्थ यह है कि प्रतिवर्ष 10% से भी कम की औसत वृद्धि हुई है। प्राधिकारी इस मजदूरी वृद्धि को सामान्य मजदूरी वृद्धि समझता है जो घरेलू उद्योग को हुई हानि के कारण नहीं है। जब मजदूरी में वृद्धि हुई है तो उत्पादकता में भी वृद्धि हुई। इसके अलावा, जब मजदूरियों में 29% की वृद्धि हुई उत्पादन के प्रति किग्रा. की मजदूरी में केवल 10% की ही वृद्धि हुई।

164. उत्पादकता

	1999-2000	2000-01	2001-02	जांच अवधि	जांच अवधि(वार्षिक)
कुल उत्पादन	48873	42062	47478	72025	57620
उत्पादन कर्मचारी(मी.टन)	100	87.65	98.64	149.23	119.39

(i) इसका अनुमान नीचे दिए गए ग्राफ में लगाया गया है:-



- (ii) ऊपर दिया गया ग्राफ यह दर्शाता है कि इन वर्षों में प्रति कर्मचारी उत्पादकता बढ़ी है जिसे अधिक उत्पादन तथा बिक्री मात्राओं में इंगित किया गया है। इसका कारण यह है कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन को अनुकूल बनाने तथा रोजगार कम करने के लिए प्रयास किए हैं। किंतु अधिक उत्पादकता के बावजूद घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में लाभ के रूप में ह्रास हुआ है और आवेदकों को हानि हुई है।

165. वृद्धि

हालांकि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री मात्रा, बिक्री मूल्य में वृद्धि हुई और उसमें सकारात्मक रुख दर्शाया गया, लेकिन बिक्री मूल्य में वृद्धि बिक्री मात्रा में वृद्धि की तुलना में कम रही। इसके अलावा, यद्यपि बिक्रियों में सकारात्मक वृद्धि दर्शाई गई है किंतु बाजार हिस्से, लाभ, पूंजी पर आय, नकद प्रवाह आदि में नकारात्मक वृद्धि दर्शाई गई है।

166. पूंजी निवेश लेने की सामर्थ्य:

सभी उत्पादक बहुउत्पाद कंपनियां हैं। घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान और अधिक क्षमता संयोजित की। पूंजी निवेश के लिए निधियां लेने की सामर्थ्य के रूप में क्षति का कोई भी साक्ष्य पाया नहीं गया है।

यह उल्लेख किया गया कि पुनरीक्षा जांच में पहले अधिसूचित अन्तिम जांच परिणामों में उल्लिखित बिक्रियों के आंकड़े प्रारंभिक जांच-परिणामों में उल्लिखित जांच परिणामों के आंकड़ों से भिन्न हैं। इसकी विस्तार से जांच की गई है और यह पाया जाता है कि दोनों ही आंकड़े कई कारणों से तुलनीय नहीं हैं। घरेलू उद्योग और भारतीय उद्योग दोनों का गठन दोनों ही मामलों में भिन्न है। चूंकि सेंचुरी एंका ने विगत मामले में सहयोग नहीं किया था और निर्दिष्ट प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध आंकड़ों का सहारा लेना पड़ा था, अतः यह कंपनी मौजूदा जांच में अब हिस्सा ले रही है। दोनों ही जांचों में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुएं अलग-अलग हैं। जबकि सीटीसी को पिछली जांच में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन उसे मौजूदा जांच में शामिल किया गया है। इसके अलावा जबकि पिछले मामले में टीएफएल एक अलग कंपनी रही थी लेकिन इस कंपनी का अब एसआरएफ ने अधिग्रहण कर लिया है और उनके आंकड़े अब एसआरएफ द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में शामिल किए गए हैं। कुछ याचिकाकर्ता कंपनियों के आंकड़े प्रारंभिक जांच परिणामों में गलत रहे थे जिन्हें अब सही कर दिया गया है।

ड. प्राधिकारी द्वारा एनआईपी की गणना:

167. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से लागत निर्धारण जानकारी मांगी है जिसका प्रतिनिधित्व मैसर्स एसआरएफ लि० (चेन्नई, मनाली, गुमिडिपुंडी), मैसर्स एनआरसी लि०, मुंबई, मै० सेचुरी एंका लि० पुणे और मैसर्स निर्लोन लि० मुम्बई, आदि ने किया है। यह जानकारी जांच के अधीन अवधि और पिछले वर्षों के संबंध में निर्धारित परिपत्र में मांगी गई है। घरेलू उद्योग के संबंध में संबद्ध माल की वास्तविक उत्पादन लागत का प्रयोग सामान्यतया स्वीकृत सिद्धांत (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन लागत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ किए जाने का प्रस्ताव है।

घरेलू उद्योग के संबंध में एनआईपी के निर्धारण में प्राधिकारी ने सभी संगत कारकों का विस्तार से विश्लेषण किया है जिनमें कच्चे माल का प्रयोग, जनपयोगी सुविधा उपयोग, जांच अवधि के दौरान वास्तविक व्यय, पूंजी निवेश, सर्वोत्तम क्षमता उपयोग, आदि शामिल हैं ताकि घरेलू उद्योग के संबंध में अक्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया जा सके। घरेलू उद्योग के संबंध में एनआईपी का निर्धारण लंगाई गई पूंजी पर यथोचित लाम मार्जिन पर विचार करने के पश्चात किया गया है।

ड. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

168. प्राधिकारी नोट करता है कि चीन से संबद्ध माल के आयात में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन तथा खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। जहां निर्यात 1999-2000 में 100 मी.टन से भी कम रहे वहीं यह अप्रैल, 03-जून, 03 की अवधि में लगभग 500 मी.टन बढ़ गए।
169. हालांकि भारत में मांग में चीन जन.गण. से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट रही। यद्यपि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट रही लेकिन यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि घरेलू उद्योग पाटन के पिदले प्रभावों से उभरने की प्रक्रिया में रहा। घरेलू उद्योग ने मांग में होने वाली वृद्धि को देखते हुए अपनी क्षमता में वृद्धि कर दी थी लेकिन वह इसका पूर्ण रूप से उपयोग नहीं कर सका। इस प्रकार हालांकि घरेलू उद्योग ने अन्य देशों की वजह से बाजार हिस्से में सुधार लाने का प्रयास किया लेकिन यह हिस्सा चीन से हुए पाटित आयातों को चला गया। इसके अलावा, मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट को मांग में समग्र वृद्धि के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।
170. चीन से होने वाले आयातों के हिस्से में भारत में कुल आयातों में तीव्र वृद्धि रही जबकि अन्य देशों के आयात में गिरावट रही। साथ ही, चीन की कीमतें अन्य देशों की कीमतों की तुलना में काफी कम रही। इस उत्पाद के लिए पूर्व जांच की अवधि 2000-2001 रही। 2000-01 और वर्तमान जांच अवधि के बीच चीन के हिस्से में और अधिक वृद्धि हुई जबकि अन्य देशों के हिस्से में इसमें अनुपातिक दृष्टि से गिरावट रही।
171. घरेलू उद्योग की बिक्रियों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि रही। किंतु जहां मांग में वृद्धि 23.17% रही वहीं घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वृद्धि 18.73% की रही। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वृद्धि मांग में वृद्धि से कम रही। यह भी पाया जाता है कि जहां घरेलू उद्योग की ग्रे एनटीसीएफ बिक्रियों में वृद्धि केवल 14% ही रही वहीं डिण्ड बिक्रियों में 68% की वृद्धि रही। चीन से किए गए निर्यात के विश्लेषण से पता चलता है कि लगभग 60% निर्यात ग्रे श्रेणी के संबंध में रहा। इस प्रकार इन आयातों से ग्रे श्रेणी पर बुरा प्रभाव पड़ा। डिण्ड श्रेणी के कम निर्यात से घरेलू उद्योग को इस श्रेणी में वृद्धि होने में सहायता मिली। साइकिल टायर कोर्ड (सीटीसी) की बिक्रियों में गिरावट रही। हालांकि घरेलू उद्योग के पास काफी अनुपयुक्त क्षमता रही। इसका प्रत्यक्ष कारण चीन से पाटित आयातों का होना है।
172. हालांकि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है लेकिन यह पाया जाता है कि जांच अवधि की अन्तिम तिमाही में बिक्रियां 2002-03 की बिक्रियों से कम रही। साथ ही, चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार चीन से हुए आयात इस अवधि में जो 2002-

03 में 5585 मी.टन हुए थे बढ़कर अप्रैल, 03-जून, 03 में 2387 मी.टन के हो गए। यह स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि यदि चीन से होने वाले आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें कम होना जारी रहता है तो घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आने की संभावना है। प्राधिकारी ने यह भी देख लिया है कि जांच अवधि की अन्तिम तिमाही में और जांच अवधि के पश्चात् चीन से होने वाले औसत आयात लगभग 1000 मी.टन रहे हैं।

173. इस उत्पाद की अपेक्षतया कम कीमत पर आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हुई है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि उपभोक्ता द्वारा दी गई कीमत आयातों के आधार पर सदैव बेंच मार्क होती हैं। जहां अन्य देशों से होने वाले आयात से घरेलू उद्योग की कीमतें बेंच मार्क हो रही थीं वहीं चीन से होने वाला आयात से कम कीमतों पर घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती होनी शुरू हो गई।
174. कीमत कटौती का निर्धारण संपूर्ण अवधि के लिए संचयी आधार पर किया गया किंतु कीमत कटौती के निर्धारण में उत्पाद की तीनों किस्मों के लिए अलग-अलग (ग्रे, डिब्ब तथा सीटीसी) शामिल हैं और यह पाया गया कि 9.50% की सीमा तक भारत औसत कीमत कटौती विद्यमान रही। वास्तव में, यह पाया गया कि कीमत कटौती सीटीसी के मामले में काफी रही जिसका सीटीसी बिक्री मात्रा तथा परिणामस्वरूप सीटीसी उत्पादन तथा क्षमता उपयोग से सीधे ही संबंध है, अपेक्षतया अधिक रही।
175. कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण आयात की लैंडेड कीमत से स्थापित अक्षतिकारी कीमत से तुलना करके किया जाता है। यह तुलना सबसे पहले इस उत्पाद की तीनों किस्मों के लिए किया गया था और तत्पश्चात् भारत औसत आधार पर किया गया। यह पाया जाता है कि आयातों की लैंडेड कीमत निर्धारित अक्षतिकारी कीमत से काफी कम हैं। इस प्रकार, इन आयातों के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में कम कीमत पर बेचेने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।
176. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में ह्रास आया है। यह भी नोट किया जाए कि इस उत्पाद के संबंध में पिदली जांच (जिसमें जांच अवधि 2000-01 थी), प्राधिकारी द्वारा पाया गया कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से किए गए आयात के कारण नहीं हुई। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उस जांच अवधि के बाद और अधिक गिरावट आई। यह भी नोट किया जाता है कि इस बीच घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन तथा बिक्रियां बढ़ा दी। इससे घरेलू उद्योग को प्रति यूनिट ऊपरी खर्च की लागतों में कमी करने और अपने लाभप्रदता में सुधार करने में सहायता मिली है।
177. घरेलू उद्योग के उत्पादन में क्षति-विश्लेषण अवधि की तुलना में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई क्योंकि देश में संबद्ध माल को ऊपरी खर्चा लागतों को काफी कम करने में सहायता मिली है। किंतु, ऊपरी खर्चा लागतों को कम करने के घरेलू उद्योग के इन प्रयासों से उद्योग को अपनी लाभप्रदता में सुधार करने में सहायता नहीं मिली है। लाभप्रदता के विपरीत गिरावट रही।

178. घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में क्षति विश्लेषण अवधि में सुधार रहा। इसे विभिन्न देशों से हुए पिछले पाटन और पाटनरोधी शुल्क के परिणामी कार्यान्वयन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। किंतु, जहां क्षमता उपयोग में 15.07% की वृद्धि रही वहीं क्षमता उपयोग में केवल 2.45% की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, मांग में 23.17% की वृद्धि रही। इस प्रकार, क्षमता उपयोग में वृद्धि कम अनुकूल रही और घरेलू उद्योग के पास अनन्यप्रयुक्त क्षमता रही।
179. उत्पादन की प्रति यूनिट मजदूरी में *** % की वृद्धि हुई जबकि भुगतान की गई कुल मजदूरियों में 29.49% की वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करता है कि लगभग 3 वर्षों की अवधि में *** % की मजदूरी वृद्धि सामान्य मजदूरी वृद्धि प्रतीत होती है। सामान्य परिस्थितियों में मजदूरियों के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में यथानुपात वृद्धि होनी चाहिए थी। इस प्रकार, यदि घरेलू उद्योग के उत्पादन में बढ़ोतरी नहीं होती तो उसकी प्रति यूनिट उत्पादन लागत में लगभग *** ₹0 प्रति कि.ग्रा. की वृद्धि होती क्योंकि वृद्धि केवल मजदूरी में हुई। किन्तु मजदूरी में वृद्धि केवल लगभग *** ₹0 प्रति कि.ग्रा. हुई क्योंकि घरेलू उद्योग इस मजदूरी वृद्धि को अपने अधिक उत्पादन में समाहित कर सका। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में लगभग *** ₹0 प्रति कि.ग्रा. की वृद्धि हो जाती। इस प्रकार *** करोड़ ₹0 के अधिक लाभ हो जाते। किंतु, घरेलू उद्योग के इन प्रयासों के बावजूद लाभप्रदता में गिरावट आई है। यह स्पष्ट रूप से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर आयातों के प्रभाव के कारण हुआ है।
180. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में मामूली गिरावट आई है। ऐसा क्षमता बढ़ने तथा अपेक्षतया अधिक उत्पादन होने के बावजूद हुआ है। यह पाया जाता है कि यदि घरेलू उद्योग में रोजगार स्तर में समानुपाती वृद्धि होती तो ऐसी स्थिति में उसे लगभग *** लाख ₹0 अधिक की मजदूरी देनी पड़ती (वास्तव में भुगतान किए गए *** लाख ₹0 की तुलना में *** लाख ₹0)। इस प्रकार घरेलू उद्योग को इस राशि से अपनी लाभप्रदता में सुधार करना चाहिए था जबकि उसकी लाभप्रदता में घरेलू उद्योग को आयातों के कीमत प्रभाव के कारण ह्रास आया है।
181. एक ओर अपेक्षतया कम मजदूरी और दूसरी ओर उत्पादन में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग को अपनी उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिली है। किंतु उत्पादकता में ऐसी वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में ह्रास आया। यदि घरेलू उद्योग ने प्रति कर्मचारी उत्पादकता का वही स्तर कायम रखा होता जो 1999-2000 में रहा था। यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग लगभग *** लोगों को रोजगार दे देता। इसके परिणामस्वरूप *** करोड़ ₹0 की अधिक मजदूरी देनी पड़ी। इस प्रकार, उत्पादकता में सुधार से घरेलू उद्योग को *** करोड़ ₹0 का लाभ होता। किंतु, लाभप्रदता में घरेलू उद्योग पर आयातों के कीमत प्रभाव के कारण गिरावट रही।
182. नकद लाभ में भी लाभप्रदता का ही रूख रहा। यह नोट किया जाता है कि एनटीसीएफ उद्योग देश में काफी पुराना है। घरेलू उद्योग की मूल्य ह्रास लागत बहुत ही कम है। अतः लाभप्रदता में ह्रास के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को नकद हानि होने की संभावना है। वास्तव में, यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग को नकद हानियों की स्थिति देखने को बाध्य होना पड़ा है।

183. उत्पादन से पूंजी निवेश पर आय और घरेलू उद्योग के लिए एनटीसीएफ की बिक्रियां नकारात्मक रही। यह पाया जाता है कि हालांकि उत्पादन में वृद्धि हुई किंतु रोजगार में गिरावट आई। इससे उद्योग को लगाई गई पूंजी पर बेहतर आय हो गई होती। किंतु लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार होने की बजाय गिरावट रही।
184. उपरोक्त को देखते हुए यह पाया जाता है कि:-
- (क) संबद्ध देश से आयात की मात्रा में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन तथा खपत के संदर्भ में वृद्धि हुई है;
 - (ख) आयातकों का बाजार हिस्सा कम हो गया है जबकि पाटित आयातों का हिस्सा बढ़ गया है;
 - (ग) आवेदकों को बिक्री उनकी अक्षतिकारी कीमत से कम कीमत पर करने को बाध्य होना पड़ा है;
 - (घ) घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के परिणामस्वरूप काफी कीमत कटौती झेलनी पड़ी;
 - (ङ.) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आ गई;
 - (च) घरेलू उद्योग की पूंजी-निवेश पर आय काफी हद तक घट गई।

ण. कारणात्मक संबंध

185. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(v) में निर्धारित क्षति के निर्धारण संबंधी सिद्धांतों के अनुसार प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों की वजह से हुई है। पाटित आयातों से इतर ज्ञात कारकों जिसके साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी, की भी यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की गई कि इन अन्य कारकों के कारण संभावित क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हुई।

पाटित आयातों का प्रभाव

186. 1999-00 और जांच अवधि के बीच पाटित आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि और घरेलू मांग में उसके तदनुरूपी हिस्से जो 1.62% से बढ़कर 8.68% हो गया, और साथ ही पाई गई कीमत कटौती (जांच अवधि के दौरान भारत औसत आधार पर लगभग 9.50%) घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति खराब होने के साथ साथ हुई। कीमत प्रभाव की जांच में यह देखा गया है कि सी आई एफ तथा लैंडेड मूल्यों में जांच अवधि के दौरान काफी गिरावट आ गई है। घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में ह्रास देखना पड़ा जिसे क्षति विश्लेषण अवधि तथा जांच अवधि में बढ़ती हुई मांग की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से गिरावट का दबाव आया जिसके परिणामस्वरूप एक ऐसी स्थिति में कीमतों में गिरावट (12.65%) आई जबकि उत्पादन लागत में लगभग 10.00% की गिरावट रही।
187. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से आयात कीमतों की वजह से घरेलू उत्पाद की कीमतों में कटौती हुई है जिससे घरेलू उद्योग को अपनी अक्षतिकारी कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने को बाध्य होना पड़ा जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग उन्हें पूरा नहीं कर सका। घरेलू उद्योग की विभिन्न आर्थिक विषय-सूचियों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच इन जांच परिणामों में क्षति के संबंध में की गई है। अतः यह समझा जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के नकारात्मक प्रभाव के कारण हुई है।

अन्य कारकों के प्रभाव

188. पाटित आयातों से इतर किन्हीं ज्ञात कारकों की जांच में जिनसे साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, प्राधिकारी ने अ-य तीसरे देशों से संबद्ध माल की मात्रा तथा कीमतों के आयात की जांच की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार चीन जन.गण. से इतर तीसरे देशों के उद्भव के समान उत्पन्न की कुल आयात मात्रा जो 1999-2000 में 15632 मी.टन रही थी बढ़कर जांच अवधि में लगभग 15835 मी.टन हो गई और कुल आयातों में उनका हिस्सा 1999-2000 में 93.89% से बढ़कर जांच अवधि में 70.20% हो गया। मांग में तीसरे देशों से आयातों का हिस्सा जो 1999-2000 में 24.85% रहा था बढ़कर जांच अवधि में 20.44% हो गया। इन आयातों की भारत औसत लैंडेड कीमतें जांच-अवधि में संबद्ध देश की कीमतों की तुलना में काफी अधिक रही और उससे नकारात्मक कीमत कटौती रही।
189. आगे यह भी पाया गया कि डीजीसीआईएस के अनुसार चीन ताइपेई, थाईलैंड, चैक गणराज्य तथा कोरिया जन.गण. के मूल के आयातों का हिस्सा कुल आयात मात्रा के 3% से भी अधिक रहा। किंतु, चैक गणराज्य तथा चीन ताइपे से संबद्ध माल के लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की कीमतों से अधिक रहे और चीन जन.गण. की लैंडेड कीमतों से काफी अधिक रहे। कोरिया जन.गण. तथा थाईलैंड से संबंधित सीआईएफ कीमतें अपेक्षतया कम पाई गईं। प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच की है।
190. इस उत्पाद के लिए मध्यावधि समीक्षा जांच के समय यह पाया गया कि चीन से होने वाले आयात उस समय जांच के अधीन तीसरे देशों (कोरिया, इंडोनेशिया, ताइवान तथा थाईलैंड) की तुलना में कम कीमत पर हुए। यह भी पाया गया था कि उन देशों से होने वाले आयातों की लैंडेड कीमत चीन की लैंडेड कीमत से होने वाले आयात और घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली की तुलना में अधिक रही। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उस कार्रवाई में यह निष्कर्ष दिया गया था कि पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं रहा।
191. वर्तमान जांच अवधि में डीजीसीआईएस के प्रकाशित आंकड़ों से और घरेलू उद्योग द्वारा दर्ज आवेदन-पत्र से यह प्रतीत होगा कि थाईलैंड से आयात कीमत चीन से आयात कीमत की तुलना में कम रही। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों को प्राप्त किया और उनकी विस्तार से जांच की। यह विश्लेषण आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर भी किया गया।

प्राधिकारी नोट करता है कि थाईलैंड से होने वाले आयात की कीमतें चीन से होने वाले आयात की कीमतों की तुलना में अपेक्षतया काफी अधिक रही, जैसाकि नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकेगा। यह भी नोट किया जाए कि थाईलैंड से होने वाले आयात केवल डिण्ड एनटीसीएफ श्रेणी के रहे।

	अम.डा. प्रति किग्रा.	रु0 प्रति किग्रा.
चीन-निंग्बो जिनजुन	***	***
चीन-वेइफांग	***	***
चीन-जियांग्सू	***	***
थाईलैंड-डीजीसीआईएंडएस के अनुसार	2.678	128.70
थाईलैंड -गौण स्रोतों के अनुसार	2.752	132.24

192. चूंकि उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि थाइलैंड से किए गए आयात की कीमतें चीन से किए गए आयात की तुलना में अपेक्षतया अधिक रही, यह स्पष्ट किया जाता है कि याचिका में थाइलैंड की आयात कीमत चीन की आयात की तुलना में कम दिखाई गई। यह भी नोट किया गया कि चीन की इन आयात कीमतों में सीटीसी के आयात भी शामिल हैं (जिसकी कीमत डिफ़्ड फैब्रिक की कीमत की तुलना में काफी अधिक होती है)। यदि सीटीसी की कीमतें अलग करा दी जाएं तो यह दिखाई देगा कि चीन की आयात कीमतें वास्तव में थाइलैंड की आयात कीमतों की तुलना में कम रहीं।
193. कोरिया जन.गण. के संबंध में प्राधिकारी नोट करता है कि कोरिया से होने वाले आयात की मात्रा में पूरी क्षति अवधि के दौरान निरंतर गिरावट रही। डीजीसीआईएस तथा आईबीआईएस आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून, 2003 की तिमाही के दौरान कोरिया से कोई भी आयात नहीं किया गया है। कोरिया से आयात सितम्बर, 2002 के बाद लगभग शून्य रहे, किंतु वहां से आयात फरवरी, 2003 और उसके बाद पुनः प्रारंभ हो गए। किंतु, इस अवधि के दौरान उसकी कीमतें चीन की कीमतों की तुलना में अधिक रहीं। जांच अवधि के प्रारंभ में हुए आयात की वजह से पूरी जांच-अवधि के लिए औसत कीमत कम रही है। सौदेवार विश्लेषण से यह पता चलता है कि अप्रैल-सितम्बर, 2002 की अवधि में आयात मैसर्स अपोलो द्वारा किए गए और यह एक संविदा तथा एक कीमत के तहत स्पष्ट निर्यात परिलक्षित करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये निर्यात कुछ पिछले संविदा दायित्वों के कारण किए गए। अन्य प्रयोक्ताओं द्वारा किए गए आयात अपेक्षतया अधिक कीमतों पर किए गए अपोलो टायर द्वारा कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है, अतः इस संबंध में अतिरिक्त तथ्य प्राप्त नहीं किए जा सके।
194. कोरिया से आयात पुनः फरवरी से अप्रैल, 2003 की अवधि में दिखाई दिए हैं। ये आयात भिन्न ग्राहक (मूल रूप से जे.के. इंडस्ट्रीज और थोड़ी सी मात्रा एम आर एफ द्वारा) द्वारा किए गए। किंतु, ये आयात चीन की कीमतों की तुलना में बहुत अधिक कीमतों पर किए गए।
195. अतः प्राधिकारी नोट करता है कि अन्य देशों से एनटीसीएफ की आयात मात्रा या तो न्यूनतम से अधिक अथवा काफी अधिक कीमतों पर खरीदी गई। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी, जिसमें पोलिमराइजेशन, कताई, ट्वुस्टिंग, बुनाई तथा डीपिंग की प्रक्रिया शामिल है, संबद्ध माल के उत्पादन के लिए विश्व में कहीं और प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के समान है। घरेलू उद्योग संबद्ध माल के कोई निर्यात बिक्री नहीं करता है। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति किसी और अन्य कारकों की वजह से नहीं हुई बताई गई है।

196. भारत में एनटीसीएफ की मांग में कोई विरोध नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती। वास्तव में, मांग में वृद्धि हुई है। चीन जन.गण. से आयात में वृद्धि समग्र अर्थ में हुई है और यह भारत में उत्पादन तथा खपत से संबंधित है जहां मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है, वहीं पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

त. अन्य मुद्दे:

197. जानकारी की गोपनीयता: प्राधिकारी नोट करता है कि मौजूदा जांच करते समय गोपनीयता के प्रावधानों का ध्यान रखा गया है। गोपनीय जानकारी अथवा गोपनीय आधार पर दी गई जानकारी को उक्त नियमावली के अनुसार गोपनीय रखा गया है।
198. जानकारी के लिए पहुंच: प्राधिकारी नोट करता है कि एक पक्षकार द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य को जांच में सहभागिता करने वाले अन्य इच्छुक पक्षकारों को गोपनीयता की अपेक्षाओं के अधधीन उपलब्ध कराया गया है। आईबीआईएस, आईसीआईएस - एलओआर जैसी जानकारी की अनुमति गोपनीय जानकारी के रूप में दी गई है जैसाकि जानकारीदाता द्वारा शर्त दी गई है। फिर भी, प्राधिकारी यह समझता है कि यह जानकारी अन्यथा इन इच्छुक पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई है और वह किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा प्राप्त की जा सकती है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि दावे की जानकारी को इस शर्त पर गोपनीय नहीं माना जा सकता है कि यदि उसे यथोचित साधनों से यह प्रदर्शित हो जाए कि यह जानकारी अन्यथा सही है। यह उल्लेख करना भी संगत है कि हालांकि संगत जानकारी इन इच्छुक पक्षकारों के पास उपलब्ध है लेकिन इन इच्छुक पक्षकारों का ऐसा कोई तर्क नहीं है कि प्राधिकारी द्वारा विश्वास की गई जानकारी अन्यथा गलत है।
199. शुल्क का पाटन मार्जिन से कम होना:- प्राधिकारी ने एनटीसीएफ के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया है और क्षति मार्जिन की राशि का निर्धारण किया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना संबंध देश से आयातों के लैंडेड मूल्य से की है।
200. कीमत वचन: प्राधिकारी नोट करता है कि कीमत वचन की ऑफर मैसर्स शांडोंग पालिटेक्स केमिकल फाइबर कंपनी लिमिटेड, जिसे वेइफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल फाइबर कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता है और मै0 निंग्बो नाइलोन कंपनी लि0 और निंग्बो जिनलुन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0 लि0 (एन.जे.आई.ई.) द्वारा की गई। प्राधिकारी ने इस संबंध में सभी इच्छुक निर्यातकों को व्यक्तिगत सुनवाई प्रदान की। मैसर्स शांडोंग ने अपनी कीमतें ऑफर करते समय अपने मौजूदा निर्यात कीमतों का खुलासा किया और इस बात पर सहमत हुए कि वे अपनी कीमतों में समय समय पर संशोधन करेंगे जो कैप्रोलेक्टम की कीमतों में संशोधनों के अनुरूप होंगी। शांडोंग द्वारा ऑफर किए गए कीमत वचन को प्राधिकारी ने स्वीकार कर लिया है। किंतु, निंग्बो जिनलुन द्वारा ऑफर किए गए कीमत-वचन को स्वीकार नहीं किया जा सका है क्योंकि इस निर्यातक ने ग्रे तथा डिण्ड एनटीसीएफ के संबंध में अलग-अलग कीमतें ऑफर नहीं की हैं और वह इन कीमतों का

संबंध प्रमुख कच्चे माल में होने वाले परिवर्तनों से करने में सहमत नहीं हुए। प्राधिकारी नोट करता है कि इस उत्पाद की किस्म के चलते यह यथोचित नहीं होगा कि निंग्बो नाइलोन द्वारा दिए गए रूप तथा तरीके में कीमत वचन को स्वीकार किया जा सके।

थ. लैंडेड मूल्य

201. आयातों के लैंडेड मूल्य का निर्धारण, जैसाकि पाटन के संबंध में ऊपर दिए गए पैराग्राफ में विस्तार से बताए गए अनुसार, मौजूदा सीमाशुल्कों और एक प्रतिशत लैंडिंग प्रभारों को जोड़ने के बाद एनटीसीएफ की निर्यात कीमत के निर्धारण के आधार पर किया जाता है।

द. अन्तिम निष्कर्ष

202. उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा जाता है कि;

(क) उपर्युक्त पैरा.ख-4 के तहत वर्णित सभी किस्मों के एनटीसीएफ जो चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हों, का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ,

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है,

(ग) वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

203. मैसर्स शांडोंग पॉलिटैक्स केमिकल फाइबर कंपनी लिमिटेड (जिसे पहले मैसर्स वेइफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल फाइबर कंपनी लि० के नाम से जाना जाता था), जिसका पंजीकृत कार्यालय वेन्नन रोड, अंकियू सिटी, शांडोंग, चीन में स्थित है, द्वारा कीमत वचन की एक ऑफर की गई जैसाकि इस निर्यातक द्वारा ऑफर किए गए गोपनीय तथा अगोपनीय कीमत वचन में विस्तार से बताया गया है। इस कीमत वचन के ब्यौरे नीचे दिए जा रहे हैं-

फैब्रिक का प्रकार	न्यूनतम सहमत कीमत अम.डा./किग्रा.	कीमत का आधार
--------------------------	---	---------------------

डिप्ड एनटीसीएफ	2.850	सीआईएफ
-----------------------	--------------	---------------

यह निर्यातक जांच-अवधि के लिए केप्रोलेक्टम के संबंध में *** अम.डा. और पिछली तिमाही में एशिया क्षेत्र के लिए आईसीआईएस-एलओआर द्वारा सूचित कीमतों में परिवर्तन पर विचार करने के पश्चात् *** अम.डा. के घटक द्वारा केप्रोलेक्टम की कीमतों में 0.010 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. के संशोधन के साथ अपनी कीमतों में समानुपात संशोधन किए जाने पर सहमत हुआ है। यह निर्यातक इस बात पर भी सहमत हुआ कि वास्तविक पोतलदानों और उक्त कीमत वचन पर ध्यान देते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को समय-समय पर संगत जानकारी प्रदान करता रहेगा। मै० शांगडोंग पोलिटैक्स केमिकल्स फाइबर कं० लि० (जोकि पहले वेइफांग ग्रेट ड्रैगन केमिकल फाइबर कं० लि० के नाम से

जाना जाता था) के कीमत वचन को स्वीकार करते हुए नियम 15 के तहत, इस निर्यातक की जांच सस्पेंड रखी गई है।

204. यह सिफारिश करने का निर्णय लिया गया कि पाटन मार्जिन के बराबर अथवा कम के पाटनरोधी शुल्क की राशि यदि लगाई जाती है, के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त हो सकेगी। तदनुसार, ऐसा प्रस्ताव है कि चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नॉयलोन टायर कोर्ड फैब्रिक जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 59 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 5902.10 और आईटीसी (एचएस) कोड के 5902.10.00 के तहत आता है, पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगा दिया जाए। पाटनरोधी शुल्क की राशि वह होगी जिसका उल्लेख नीचे दी गई सारणी के कॉलम 9 में किया गया है:-

क्र.सं.	उपशीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	विनिर्देशन	उद्भव का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप का यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	निग्बो नाइलोन	निग्बो जिनलुन और आयात निर्यात	0.54	कि.ग्रा.	अम.डा.
2	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	निग्बो जिनलुन और आयात निर्यात	0.54	कि.ग्रा.	अम.डा.
3	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	निग्बो नाइलोन	कोई	0.54	कि.ग्रा.	अम.डा.
4	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	जियांग्सू कुनफा	कोई	0.56	कि.ग्रा.	अम.डा.
5	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	जियांग्सू कुनफा	0.56	कि.ग्रा.	अम.डा.
6	5902.10	एनटीसीएफ	सभी श्रेणी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.81	कि.ग्रा.	अम.डा.

205. उपरोक्त के अध्यक्षीन, प्राधिकारी दिनांक 30 जून, 2004 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करता है।
206. इस प्रयोजनार्थ आयात का लैंडेड मूल्य वह मूल्यांकनीय मूल्य होगा जो सीमा शुल्क विभाग द्वारा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 द्वारा निर्धारित होगा और यह सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, 3क, 8 ख, 9, 9क के तहत लगाए जाने वाले शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्कों की लागू राशि होगा।
207. इस आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष उपर्युक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार की जा सकेगी।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th March, 2005

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigations concerning import of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from China PR:

F. No. 14/20/2003-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from the Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI) on behalf of all the members of the Association, alleging dumping of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from China PR.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the applicant. The application was thereafter considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of NTCF originating in or exported from China PR.
 - iv) The Authority notified the Embassy of the subject country about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.
 - v) The Authority issued a Public Notice dated 29th October, 2003, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of NTCF classified under Chapter 59, Custom subheading no. 5902.10.00 of the Custom Tariff Act originating in or exported from China PR.

- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters/importers of NTCF (whose details were made available by the applicant) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter. On request, extensions in time limits were granted to the exporters, upon due cause shown, to file their response to the questionnaire forwarded by the Authority.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to provide details of imports of NTCF. Request was also made to DGCIS, Kolkata to provide details of transaction-wise imports made in India of the said article during the period of investigation alongwith Bills of Entry numbers and dates, country of origin, description of the imported subject goods, volume and value of import and the names and addresses of the importers.
- viii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of China PR in accordance with Rule 6(3) supra.
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in China PR in accordance with Rule 6(4);

China PR

- Ningbo Nylon Company Limited,
Jinlun Group Office Building,
Zonghan St.,
Cixi City,
Zhejiang Province,
- Weifang Great Dragon Chemical Fibre Co. Ltd./Shandong Polytex
Wennan Road, Anqiu,
Shandong Province,
China PR.
- Jiangsu Qunfa Chemical Co., Ltd.
3 Taiping Beilu,
Yangzhou,
Jiangsu Province, China PR.
- Baling Petrochemicals
Yongshan Petrochemical Works
Yueyang
Hunan

- Jiangsu Steed
Jiangsu Junma Group,
Zhangjiagang Huayu Chemical Company Limited
80-River East Road
Chenhang Town
Zhangjiagang City
 - Qingdao Textile Mills
22-Hai-An Road,
Qingdou.
- x) The Embassy of the People's Republic of China in India, was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the names and addresses of the exporters.
- xi) In order to allow exporting producers from China to submit a claim for market economy treatment, the Authority sent a Market Economy Treatment questionnaire to all the known co-operating companies and to the Embassy of China PR. While, for the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, the authority informed the known exporters that it proposed to examine the claims of the applicants in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information / sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment could be granted to cooperating exporters / producers who could demonstrate that they satisfied the criteria stipulated in the said paragraph.
- xii) A questionnaire was sent to the following known importers/users of NTCF calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);
- Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA)
 - Birla Tyres, Kolkata-700019.
 - CEAT LIMITED, Mumbai-400018.
 - Dunlop India Ltd., Kolkata-700016.
 - J.K.Industries Ltd., New Delhi - 110 002
 - MRF Ltd., Chennai-600006.
 - Vikrant Tyres Ltd., Mysore - 570002

- xiii) Vide DGAD's letter dated 25th August 2004, the exporters were informed that the Designated Authority intended to carry out an on-the-spot investigation as per Article 6.7 of the WTO Agreement which was accepted by the participating exporters.

It was informed that the main purpose of the on-the-spot investigations would be to verify the information provided by the participating exporters in their response to the exporters questionnaire and MET questionnaire by reconciling details as reported with source documents. In accordance with Annex 1 (Procedures for the on-the-spot Investigations Pursuant to Paragraph 7 of Article 6), the general nature of the information to be verified and further information which was required to be provided by them, before the visit was made was given vide DGAD letter dated 23rd September, 2004.

It was informed to all exporters that pursuant to their response to the exporters questionnaire and MET questionnaire, the pre-verification letter dated 23rd September 2004 had set out the information/data/documents required from exporting producers who had made a claim for market economy status. It was requested that all documents submitted should be provided together with a translation in English.

- xiv) An on-spot-verification was conducted by a team of officers deputed by the Designated Authority in the premises of cooperating exporters namely M/s Jiangsu Qunfa (hereinafter referred as Jiangsu), M/s Weifang Great Dragon and Shandong Polytex (hereinafter referred as Weifang) and M/s Ningbo Nylon Co Ltd.(hereinafter referred as Ningbo Nylon). Its subsidiary company M/s Ningbo Jinlun Import and Export company is hereinafter referred as NJIE. Officials from Bureau of Fair Trade (herein after referred to as BOFT) and Ministry of Commerce (herein after referred to as MOFCOM China PR) were present during the verification in all the said companies.
- xv) Copies of the exporter verification report were forwarded to the co-operating exporters to enable them to file their comments thereon which were duly considered by the Authority.
- xvi) BOFT & MOFCOM were also informed about the Exporters Verification Report and were told that a copy of the report could be made available to them after confidentiality issues were sorted out by BOFT with the exporter concerned.
- xvii) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- xviii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xix) A detailed Disclosure Statement disclosing essential facts was made available to the participating exporters and the domestic industry. Separate confidential disclosures were given to concerned cooperating exporters. Responses received from interested parties have been addressed in the findings.
- xx) *** In the findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority upon being satisfied as to its confidentiality, under the Rules.
- xxi) The investigation of dumping and injury covered the period from 1st April, 2002 to 30th June, 2003 (15 months) which is referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'. The examination of trends relevant for the analysis of injury covered the years from 1999-2000 to the period of investigation (injury analysis period).

91

2. Views expressed by interested parties on Procedure:-

- i) One interested party has raised an argument that the provisions of Article 7.1 have been violated as adequate opportunity has not been provided to the exporter to explain their case. The preliminary findings also did not record any findings to the effect that invocation of Rule 12 was mandated to prevent injury being caused during the investigation.
- ii) It has also been raised that the non-confidential version of the application did not contain the figures for the entire period of investigation (i.e. Apr., 2002 to June, 2003) but only for the period Apr., 2002 until Mar., 2003.
- iii) The issue was also raised that the domestic industry has been allowed to claim confidentiality on IBIS data.
- iv) Further, the sales and production data in the present investigation and the earlier mid-term review investigation for this product do not match.

Examination by the Authority

v) The Authority notes that this investigation was initiated in accordance with the provisions of Rule 5. Thereafter, the public notice of initiation along with exporters / importers questionnaire and a copy of the non-confidential version of the application was forwarded to all the known exporters and importers requesting their response within 40 days from the date of the letter. Further, the authority has taken into account requests of exporters to extend time limit to facilitate them to make their submissions. Interaction with interested parties are usually held after due notice is given to the Authority. Interested parties were also requested to submit documents/ arguments relevant to this investigation within due time-limits. Therefore, adequate opportunity was given to submit information and make comments on the initiation and thereafter at every stage of the investigations. The Authority notes that the preliminary findings has adequately addressed the issue of material injury to the domestic industry from the dumped imports from the subject country. The Authority issued preliminary findings on being satisfied that there was a need for preliminary findings. Further, the comments raised by the exporter and by ATMA pursuant to the initiation were duly addressed in the preliminary findings. The data for the entire period, as made available in the non-confidential version of the application was placed in the public file. In response to the point raised at 2(iv) above, the Authority notes that during the mid term review of this product, the composition of the domestic industry consisted of M/s SRF (Manali and Gwalior plant), NRC, Nirlon and TFL (Tyre Fabric Ltd) whereas in the present investigation the domestic industry comprises of M/s. SRF (Manali, Gwalior, Goomidipundi Plants), NRC, Nirlon and Century Enka. In view of the change in composition, the sales and production data in the earlier mid-term review investigations and present investigations would obviously vary.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product under consideration in the present case is Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from Peoples Republic of China. The subject good is a fabric of nylon, meant largely for tyre cord. NTCF finds application in different kinds of automotive tyres such as bus & truck tyres, two wheeler tyres, cycle tyres, Light commercial Vehicles tyres, Animals Driven vehicles etc.
4. Nylon Tyre Cord fabric is produced using different deniers of yarn. The fabric is used for reinforcement of tyres. The product is sold as " Grey fabric " and also " Dipped fabric". The Indian Tyre Industry is buying both Grey and dipped fabric. Dipped fabric being sold to cycle tyre manufacturers is described by the petitioner as "cycle tyre fabric". However, the Authority notes that cycle tyre fabric is also nothing but dipped fabric, though having higher cost and price as compared to other dipped fabric being sold to tyre producers other than cycle tyre manufacturers. Dipped fabric meant for cycle type applications has been described as cycle tyre fabric (CTC) in this notification and all other dipped fabric has been stated as

“dipped fabric”. Irrespective of the categorization, tariff classification of NTCF is common to both. All types of NTCF are within the scope of the product under consideration and are classified under Chapter 59, Custom subheading no. 5902.10.00 of the Customs Tariff Act. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

5. The Authority confirms the preliminary findings on product under consideration.

C. LIKE ARTICLES

6. Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that “Like Articles” means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.
7. The product under consideration has included all types within its scope as given in the Para above. The domestic industry also manufactures Cycle Tyre Cord apart from Grey and Dipped NTCF. Interested parties have referred to the non-confidential version of the application as showing that the domestic industry has the data for different types of NTCF namely, Grey, Dipped and CTC. Although injury analysis has been made for all the above cited categories of the subject goods, the final analysis of dumping, injury and causal link has been made with respect to the product under consideration, i.e., Nylon Tyre Cord Fabric.
8. In order to establish that Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from China PR, characteristics such as technical specifications, manufacturing process & technology, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.
9. The applicants claimed that goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject country. The applicants claimed that these were technically and commercially substitutable. The applicants have provided copies of the invoices raised on various customers as sales evidence. They have also provided the transaction wise listing of sales made by them to various customers in the POI. The applicants furnished import information as per secondary sources showing names of importers. It was found that material is being imported by companies who are also buying the subject goods from the domestic industry.
10. The exporters from China PR or consumers/importers in India have not disputed the claim of the applicants. The responding exporters have provided details of exports made by them, which shows the names of the customers also.
11. It is found from the information provided by the applicant companies, exporters from China PR and user /consumers/ importers in India that the subject goods from the same sources were interchangeably used by the consumers.

12. On the basis of the above details and the investigations carried out in this regard, the subject goods produced by the applicants are Like Articles to the product imported from the subject country within the meaning of the Rules, supra.
13. The Authority also finds that there is no argument disputing that Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by NTCF imported from the subject country both commercially and technically. NTCF produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from China PR within the meaning of Rule 2(d).
14. The Authority confirms the Preliminary Findings on Like Articles within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY

15. The Association of Synthetic Fibre Industries (ASFI) New Delhi has filed the application on behalf of M/s SRF Limited, Chennai, M/s NRC Limited Mumbai, Century Enka Limited Pune, and M/s Nirlon Ltd Mumbai who are the producers of NTCF in India and who are members of the association.
16. The details of quantities produced by domestic producers are given in the table below:-

	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (annl)
Production (MT)					
Grey	43590	38690	42352	61620	49296
Dipped	4539	2644	4478	9528	7622
CTC	744	728	648	877	702
Total production	48873	42062	47478	72025	57620

17. The applicants account for 100% of the total domestic production of the subject goods in the country and therefore satisfy the standing to file the present petition.
18. The Authority confirms the preliminary findings that the applicants constitute "domestic industry" and have the required standing to file the present petition under the Rules.

E. DE-MINIMIS

19. In order to ascertain whether the imports from China during the period of investigation (POI) were de-minimis, the Authority has referred to all possibly available information on imports, which includes the information provided by the applicants, information provided by the consumers/importers, the information provided by the exporters and information as per China Customs. The applicants provided information on the basis of data released by the DGCI&S as also Secondary Sources, namely Port wise data provided by data compiling agency for Mumbai Port Data, Customs Data for Chennai and Cochin Port data and information relating to exports of the product from China to India as per information released by China Customs. During the course of investigations, the Authority also collected information with regard to the transaction wise data from the subject country from the DGCIS. Information provided by the exporters namely M/s Ningbo Nylon, Weifang and Jiangsu was also consolidated. The Authority correlated the information provided by the responding exporters with the information provided by the responding importers/consumers. Information filed by the importers/consumers was also consolidated. It was found that the volume of imports based on all this information was significantly above de-minimis limits as prescribed under the Rules.

F. OTHER ISSUES

20. The authority has examined the issue raised by M/s Monotona Tyres Ltd., Mumbai a medium-scale automobile tyre and tube manufacturer in the course of this investigation. It has been stated by the company that low denier and low width fabric is used in their product and the domestic industry is reluctant to supply their kind of fabric. However, it is noted that this fabric is included within the scope of the product under consideration and has been the subject matter of these investigations. The relationship of M/s Monotona tyres with the domestic industry as regards supply of a particular width of fabric is beyond the scope of the present investigations.
21. The Authority has examined the issue raised by M/s. Indian Cycle & Rickshaw Tyre Manufacturers' Association. However, it is noted that this fabric is included within the scope of the product under consideration and has been the subject matter of these investigations.

G. VIEWS EXPRESSED BY INTERESTED PARTIES IN THE PUBLIC HEARING HELD ON 1ST SEPTEMBER, 2004

22. Points raised by Domestic Industry :-

- (i) The domestic industry mentioned that in respect of Chinese GAAP, USA had admitted that Chinese accounting system does not adhere to international accounting system.

- (ii) Assets transfer value should be seen as to whether these assets are transferred in the context of market fairness or these are negotiated settlements.
- (iii) Chinese companies allegedly collect VAT but do not deposit the total amount collected. They allegedly negotiate rebate on such total collection based on their export performance. For foreign exchange, there are different exchange rates based on export performance. Risk funds are provided for foreign trade. Significant miscellaneous income is coming out of hidden subsidies.
- (iv) The Response to the exporters questionnaire should have been filed by NJIE also and a separate dumping margin should be determined for NJIE.
- (v) No information is available about the shareholders of Kingring. It is also not known whether Kingring Group/Ningbo is a standard VAT payer.
- (vi) The Auditors have qualified the report of Shandong; there are no long-term loans or interest component.
- (vii) The costing should be worked out based on international GAAP.

23. Views raised by Exporters/Importers :-

(I) Ningbo Nylon

- (i) The preliminary findings at such late stage are not as per Rule 12, and are in violation of Article 7.1. There is no recording as to why Preliminary Findings were notified after 9 months.
- (ii) Public file does not have balance sheets of domestic industry.
- (iii) The exporter should have been asked about the questions of shareholding patterns.
- (iv) The Petition copy is for 12 months whereas POI is for 15 months.
- (v) Existence of subsidy has no bearing on anti-dumping case. Existence of subsidies does not make a country a non-market economy.
- (vi) Authority has not asked questions for procurement of electricity/water and have relied upon the submissions in case of Tiles findings.
- (vii) There is no increase in import and Chinese imports have taken share of other countries only.

- (viii) DGCIS data ignoring abnormal transactions cannot be kept confidential.
- (ix) Sales/production figures of domestic industry are different for Mid-Term Review / Preliminary Findings.
- (x) Every parameter has to be examined as a stand-alone factor.
- (xi) Price under-cutting is shown as 6.34% and the range is given 10-16%.

(II) Jiangsu Qunfa

The Demand for the subject goods has not declined. Accounting standards may be different. In case of Potassium Carbonate under the similar condition, MET was given.

(III) Weifang/Shangdong

There is no element of state investment in this company. The company does not produce CTC.

(IV) ATMA

The Domestic industry does not fulfil complete demand. The NTCF producers are financially better than Tyre Companies. In respect of CTC grade, the Chinese Suppliers are giving deferred payments.

(V) Government of China PR

- (i) The exporters/producers have done utmost to cooperate. However, the Designated Authority did not grant Market Economy Treatment and even no individual treatment by arriving at individual dumping margins.
- (ii) There is no ownership interest of Chinese Government in any of the NTCF exporters.
- (iii) By not using the available export price of the Cooperating Exporters for calculating the dumping margin, Designated Authority has violated its own laws.
- (iv) The Designated Authority did not seek any clarification before Preliminary Findings.

24. Submissions by Junma Tyre Cord Co. Ltd.:-

Junma has stated that it has not exported the subject goods to India (either directly or indirectly) during the POI. The first export of the subject goods by Junma was on 15th August, 2003 i.e. after the POI. They are contemplating to file a new-shippers review after the final findings.

H. PERIOD OF INVESTIGATION

25. The investigation of dumping and injury covered the period from 1st April, 2002 to 30th June, 2003 (15 months) which is referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'. The examination of trends relevant for the analysis of injury covered the years from 1999-2000 to the period of investigation (injury analysis period). The Authority holds that the POI kept for the investigations need not be the period for which the data is contained in the application. The Authority considered it appropriate to extend the POI by one quarter from the period for which the petitioner had provided data in the application to make the POI both recent and representative. Opportunity to comment on such data by making it available in the public file has been provided to various interested parties during the course of investigation.

I. RESPONSES OF INTERESTED PARTIES TO DISCLOSURE STATEMENT & EXAMINATION:

26. Response:

(i) Domestic Industry

1. The domestic industry has reiterated in its response various submissions made by it during the course of the investigations, including incomplete response by the responding exporters, confidentiality of information, alleged suppression of information by the responding exporters.
2. The domestic industry has, while supporting the determination of the Designated Authority with regard to examination of MET, argued that the responding exporters could not have been given market economy status on account of a number of other reasons listed by them during the course of the investigations.
3. The dumping margin determined is significantly lower than the dumping margin in the preliminary findings, even though the Chinese companies have not been granted market economy status.
4. Export price determined has not been reduced on account of expenses of the import-export company. The export price should also be reduced for the amount of profit of the trading company. Further, no price adjustment appear to have been made on account of packing, and Marine Insurance, Port Handling and Expenses.

5. Information provided by the domestic industry clearly establishes injury to the domestic industry.

(ii) Exporters

a) M/s Ningbo Nylon/ Ningbo Jinlun Import and Export Co. have filed their comments reiterating their earlier submissions. The exporter however, did not avail the opportunity of a personal hearing that was granted to them pursuant to the disclosure statement. The comments are broadly as follows:

1. The disclosure statement is at a great variance with the verification report.
2. The Designated Authority found all information complete till verification report but has now pointed out that lot of information was not provided by the company, which is legally, factually and procedurally incorrect.
3. If the Designated Authority found that information given by the company was not complete, the Designated Authority should not have verified the information.
4. The exporter has been put to unnecessary, excessive, undue and uncalled for burden. Unnecessary information was demanded from the exporter.
5. The Designated Authority has not responded to various issues raised by the exporter and has not provided reasoning in support of its action.
6. The exporter has not been provided adequate opportunity to comment on the petition and information provided by the domestic industry.
7. The team showed satisfaction at the time of spot verification on a number of issues, did not point out at deficiencies now pointed out in the disclosure statement and has now given a completely different position in the disclosure statement.
8. The disclosure statement has for the first time introduced a number of new facts, for which the interested parties were not put on notice before.
9. When information under similar circumstances was accepted in another cases, it could not have been rejected in this case.
10. Price undercutting has not been determined category wise.

b) M/s Shandong Polytex Chemical Fiber Co. Ltd has responded with their an intention to make an offer in principle of a price undertaking amounting to a price revision.

c) M/s Jiangsu Qunfa has responded by providing certain additional documents which are translated copy of certificates issued by certified public accountant with regards to the audited balance sheets and profit and loss account for the period 2000,2001 and 2002. Further, they have furnished copies of the certificates of incorporation of Yangzhou Chemical Assets Management Company Ltd and China Huarong Assests Management Company.Ltd. They have informed that they would file the translated version as soon as the same is received along with the share holding pattern.

iii) M/S Ningbo and M/s Shandong Polytex have stated their intention to offer price undertaking on mutually acceptable terms and conditions.

27. Examination by the Authority

(i) Domestic Industry

The authority has noted the comments of the domestic industry on the disclosure statement and has dealt with the observations appropriately in these findings.

(ii) Exporters

a) As regards the points raised by Ningbo Nylon/ Ningbo Jinlun Import and Export Co., the Authority observes as follows:

- 1 A visit to the premises of an exporter for the purpose of verification of information can not be construed to be that all information filed by the exporter is otherwise complete to the satisfaction of the Authority. Verification is conducted by the Authority in order to satisfy on the accuracy of information filed. Verification visit neither substitutes the obligation of the parties to provide complete information nor certifies satisfaction on the part of the Authority that the information filed by the exporter is otherwise complete and acceptable.
2. Verification reports are issued to the Foreign Producers in order to eliminate any misunderstanding on various information filed by the parties and information verified by the Authority. Verification report is not a certificate to the parties that the information is otherwise complete or that the Authority would necessarily adopt the information filed by a party.
3. The scheme of Rules does not provide that the Authority should verify the information only if the Authority eventually intends to adopt the entire information. In any event, verification of information is an integral part of the investigation process. Verification may be necessary before acceptance of information. However, verification of information does not guarantee acceptance of information.
4. Large number of issues have been raised in the present investigations by various interested parties. While request for initial information is normally comparable in all the cases, supplementary/additional information is desirable considering the various facts & circumstances of the case. The Authority does not consider that any unnecessary information was called from the exporter and the company was put to any undue and unnecessary burden.
5. It is not feasible that submissions of the interested parties are verbatim reproduced in the findings, nor is that mandated under the Rules. The Authority is required to record main reasons leading to the determination, which has been done in this case.

6. The Authority considers that opportunity to comment on the application as also various submissions made by various interested parties were provided to all interested parties during the course of the investigation process.
 7. It is not correct that the team showed satisfaction on any aspect of the case. In fact, team could not have expressed any opinion at the time of such verification visits, as the purpose of visits is not to confirm acceptance or otherwise of various information. The Authority is required, during the course of the investigation, to satisfy itself as to the accuracy of the information supplied by various interested parties upon which the Authority proposes to base findings.
 8. It is not incorrect that the disclosure statement introduced a number of new facts. The Authority has merely brought out various issues raised by interested parties or that were otherwise relevant to the conduct of the investigations in this case.
 9. As would be seen from the para on price undercutting, the Authority has determined price undercutting category wise, separately for grey, dipped and CTC.
 10. Ningbo has argued that the Authority has referred to assets valuation reports under the para on cost of technology and labor. It is clarified that the Authority has dealt with the issue of cost of technology, for which the Authority has stated in the disclosure statement that the issue of cost of technology involves issue of acquisition pricing in respect of assets, technology and facilities, for which complete information has not been made available.
- b) As regards the offer of a price undertaking by M/s Shandong Polytex, the authority notes that such offers are normally made after the preliminary determination.
 - c) As regards Jiangsu Qunfa, the authority notes that the exporter has not commented on any of the essential facts.
- iii) In line with relevant rules, the authority considered the offer of price undertaking by two of the exporters. The authority provided detailed price undertaking proforma alongwith annexures to help the exporters submit their proposals.

J. DUMPING

28. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country in terms of section 9 A (1). The co-operating exporters in China PR have submitted response to the exporter's questionnaire.
29. The Authority sent the notice of initiation to the known exporters from China PR. Extension in time limits to file response was sought by M/s Jiangsu Qunfa Chemical Co. Ltd., M/s. Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd., and M/s. Ningbo Jinlun Import & Export Co. Ltd., which was, upon due cause shown, granted by the Authority. Response to the questionnaire was filed by the following producers:-

- Ningbo Nylon Co Limited (referred to as Ningbo Nylon)
- Weifang Great Dragon Chemical Fibre Company Limited and Shandong Polytex (referred to as Weifang)
- Jiangsu Qunfa Company Limited (referred to as Jiangsu)

30. The responses filed by these producers were found deficient, details of which were brought out in the preliminary findings. Detailed deficiency letters were addressed to the exporters as brought out in the preliminary findings. It is important to note here that the deficiencies in the exporters data were major and so significant that the preliminary findings could not have been based on their submissions. Additional information was received from these exporters, which was examined in detail by the Authority and still found deficient. Further additional information was sought by the Authority, which was also provided by the exporters. The exporters agreed to on-the-spot investigations which were also carried out by the Authority in their respective premises in China PR. The Authority therefore considers these exporters as cooperating exporters for the purpose of the present investigations. It is pointed out that some of the deficiencies intimated by the Authority in the preliminary findings have not been rectified by these parties till date, despite several opportunities. These were also pointed out orally at the time of spot verification. These companies were advised sufficiently in advance of the nature of the information to be verified and of further information which was required to be provided in terms of Annex 1 of the WTO ADA. Several clarifications were sought prior to the on-the-spot verification to which replies were not furnished. The Authority does not consider that these omissions/deficiencies are accidental. Although these interested parties have not acted to best of their abilities, the Authority considered to accept the responses to the extent considered appropriate. The Authority also notes that it is not to the Authority to establish any State interference, but to the companies requesting MET to demonstrate the absence of any significant State interference in their business decisions.

31. Claim for Market Economy Treatment

- (i) As communicated to the known exporters and to the Embassy of the People's Republic of China, the Authority examined the claim of the applicant of China PR being a non-market economy in the light of Para (7) and (8) of Annexure I of the Anti-Dumping Rules as amended.
- (ii) As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- (a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - (b) the production costs and financial situation of such firms are not subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- (iii) In order to allow exporting producers from China to submit a claim for market economy treatment, the Authority sent a Market Economy Treatment questionnaire to all the known co-operating companies to enable them to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in subparagraph (3) of paragraph 8. Detailed questions regarding ownership, management, control, determination of commercial and business policies and on financial situation etc. were addressed to these companies. Issues of ownership were addressed to these companies to ascertain if the companies were owned or controlled by the State. The responses received from these respondents were analysed to determine whether these companies enjoyed a degree of independence from the Chinese State comparable to that which would prevail in a market economy country.
- (iv) Three Chinese producers/exporters requested MET pursuant to sub-rule 3 of Rule 8 of the Anti-Dumping Rules and replied to the questionnaire for according MET. The Authority sought information deemed necessary in the MET questionnaire and raised additional queries and sought evidence in the pre-verification letter issued to each of the cooperating companies. The Authority requested general and in certain instances specific information with regard to the following parameters from the responding exporters:-
 - Ownership details
 - Shareholding patterns
 - Information on promoter/holding company/companies wherever it was found that one of the promoters/shareholders included TVEs
 - Law on Township & Village Enterprises
 - Constituents of Board of Directors, their legal status and person/party being represented by them.
 - Raw Material Inputs and Costs:- The following information was sought
 - information on caprolactam, power, steam, water. This included information on sources of supply of these items, identity and structure of the suppliers and price at which these were supplied and information on the market value of these inputs.
 - Whether the inputs were sourced against short term or long term contracts.

- Whether there was any State interference, control or intervention in respect of raw materials, inputs, utilities and costs. A clarification was called for (1) the market prices prevailing during the POI, and (2) on what basis it was established that these prices were determined by market supply and demand.
 - details of purchase of each cost component indicating (1) quantity purchased (2) value thereof (3) source of purchase (4) details of supplier.(5) length of relationship with supplier
 - the existence or otherwise of any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
 - Production Facilities and Costs
 - Loans and subsidies
 - Barter Trade/ Counter Trade
 - Profit Distribution
 - Bankruptcy and property laws
 - Exchange rates conversions
- (v) The information as filed by the responding exporters and verified by the Authority is discussed below. In order to be granted MET, co-operating companies must demonstrate that they meet the criteria set out in Para (7) and (8) of Annexure I of the Anti-Dumping Rules as amended. Based on the above referred provision of the Anti-Dumping Rules, it is not to the Authority to establish any State interference, but to the companies requesting MET to demonstrate the absence of any significant State interference in their business decisions. The criteria set out in para (7) and (8) of Annexure I, as summarized above was analysed.

32. Response to the MET Questionnaire by M/s. Ningbo Nylon Company Ltd –

- (a) business decisions are made in response to market conditions and without State interference:
- (i) In order to examine whether there was any degree of government influence or interference over the allocation of resources and decisions of the co-operating producer/exporter, whether directly or indirectly, the ownership pattern of the respondent was examined. The claims /counter claims made by the interested parties were taken into account and details in this respect were verified, wherever provided.
- (ii) The Authority examined Company Law of China in detail. The Authority considers that merely because a company is established under Company Law of China and is abiding by the same is insufficient to hold that the company should be given MET. In fact, it is seen that even if a company is incorporated under Company Law it may be completely or substantially State owned/controlled. The Authority notes that the composition of Board of Directors of these companies, identity of each persons in the Board, their functions, other position held by these persons, the reasons which led to their appointment in the board, etc. are all no less important in deciding whether

there is any State interference. The Authority refers to and relies upon the relevant provisions relating to constitution of Board of Directors, Board of Supervision, General Manager, their functions & powers, appointment & dismissal, autonomy of the company in matters of appointment etc and the role which State or State owned/controlled persons/bodies plays, if any, in such companies whether directly or indirectly.

- (iii) In their response to the MET questionnaire and in the oral hearing held on 1st September 2004, the exporter had claimed that it is a wholly privately owned limited liability co. The shareholding pattern and list of shareholders given in response to exporters questionnaire and MET questionnaire indicated the name of Jinlun Group Corporation Ltd. as being the principal shareholder with 97.67% of the total shareholding. It was revealed during the investigations that a significant proportion of Ningbo Nylon Co. is owned by the "Kinging Group". The website information of the company clearly stated that Ningbo Nylon Co. Ltd., is the "leading enterprise of Kingring Group." Kingring Group was however, nowhere mentioned in the response of the exporter.
- (iv) The exporter was asked to submit relevant evidence that Ningbo Nylon is not a fully owned subsidiary of Kingring Group to rebut the allegation of the domestic industry. The reasons for not mentioning the name of Kingring Group in the exporters response and the MET response was raised by the Authority in the course of these investigations and by the verification team during the on-the-spot verification. The exporter had also failed to reveal that Kingring Group was owned by four TVE's or Township and Village Enterprises. In response, the exporter has clarified that the official name of the principal shareholder company is "Jinlun Group Corporation Ltd". This Group is at the same time referred to as the "Kinging Group" in China. It was only after the preliminary findings that the exporter admitted that Ningbo Nylon is a part of the Kingring Group and that Jinlun Group was also known as the Kingring Group. Prior to the preliminary findings, no disclosure had been made by the exporter regarding the above to the Authority. The authority noted that, the exporter strongly contested the preliminary findings notified by the Authority containing disclosures on these accounts and challenged authenticity of the information even when the information has been subsequently admitted as factually correct.
- (v) The domestic industry in its non-confidential submissions (placed by the Authority in the Public File) stated that Kingring Group Shareholdings Co. Ltd., started operation as a rural (village) factory in 1982, a "collectively-owned" entity belonging to and under the administration of Cixi Township Businesses Administration Bureau. In October 1993, Kingring Group Corporation was formed. In 1994, Ningbo Nylon (Jinlun) Shareholdings Co. Ltd. was founded with Kingring Group holding about 97.78% of Ningbo Nylon. At the end of 1999, Kingring Group was transformed from a "collectively -owned" enterprise to a "shareholdings" entity. In 2001 employees and managers shares were reallocated to different shareholding village companies and it appears that 67.38% is owned by village and township enterprises.

- (vi) The exporter did not refute the above submissions of the domestic industry which were available in the public file.
- (vii) During the verification, the Authority procured further information from the responding company to look into the ownership and the operations of the primary shareholder viz., Jinlun/Kingring Group. The domestic industry had further raised an issue that the major shareholder of Jinlun/Kingring Group Corporation are Township and Village Enterprises (or TVE's) which in their opinion established that there is State interference/control in the operations of Ningbo Nylon. The Authority therefore considered it appropriate to examine the nature of ownership and the issue of state interference or otherwise in respect of the TVE's owning Ningbo Nylon Co.
- (b) Status of Jinlun / Kingring Group Corporation (the major shareholder/parent company of M/s. Ningbo Nylon):-

The authority examined the shareholding pattern of the exporter.

- (i) It was stated that ***% shareholding of Ningbo Nylon is held by the Jinlun or Kingring Group. The registered capital of Jinlun Group Co. Ltd. or Kingring Group is RMB ***. A structure chart showing the subsidiary companies of Kingring Group Co. Ltd. was provided by the exporters vide their letter dated 15.10.04, the analysis of which is as follows:

NINGBO JINLUN GROUP CO. LTD. OR KING RING GROUP

REGD. CAPITAL RMB ***

Share	Subsidiary companies	Regd, Capital RMB Yuan	Held by King Ring
***	A	***	***
***	B	***	***
***	C	***	***
***	D	***	***
***	E	***	***
***	F	***	***
***	G	***	***
***	H	***	***
***	I	***	***
***	J	***	***

- (ii) It was submitted that about ***% and ***% of the shares are owned by individual natural persons, viz., *** and *** respectively. About ***% of the shareholding is by certain Township and Village Enterprises or TVE's which are as follows:

- (a) The Temple Hill Village Economic Cooperative, Zonghan Neighbourhood
 - (b) Zonghan Neighbourhood Capital Management Cooperative
 - (c) Yangshan Village Economic Cooperative, Zhonghan Neighbourhood
 - (d) Majialu Road Village Economic Cooperative, Zhonghan Neighbourhood
- (iii) During the verification it was understood that township enterprises are various enterprises invested in mainly by rural collective economic organizations or peasants and established in townships or towns (including villages under their jurisdiction) which bear the duty of supporting agriculture. These enterprises are established by the individual people living in the same villages or neighbourhoods. Investment made by rural collective economic organizations or peasants should exceed 50% of the total investment. The property belongs to the whole body of peasants who have set up the enterprises. The individual owners of the properties/enterprises can make their own decisions to consume, keep, sell or invest their assets.
- (iv) For township enterprises established with joint investment made by rural collective economic organizations and other enterprises, organizations or individuals, the property shall belong to every investor in a proportion of the investment made by each of them. For township enterprises established with investment made by peasants in partnership or by individuals, the property shall belong to the investors.
- (v) All decisions by a TVE to send a nominee to the board of directors is decided by the whole body of peasants through vote. Each holding is valued in terms of money and a mutual fund (TVE) is created by each peasant contributing land (e.g. 500 acres) and getting shares equivalent to acreage held by him. This common fund is transferred to the assets of the company in lieu of shares. The value of the entire fund of each cooperative is reported in shares. While par value share is the same, the number of shares per holding would vary depending on the size of the holding. Profit distribution is dependent on the number of shares held. Any peasant having a land holding may withdraw from the cooperative fund created. Assets held by TVE's are valued by an independent Assets Evaluation Company or the shareholders themselves on the basis of accounting system and the assets transferred to the company by the cooperative and the process of transfer itself is stated to be valued by independent accounting / valuation companies and not by the State.
- (vi) The shareholding pattern of M/s Ningbo Nylon was verified to be as follows:

Shareholder	Shares	Share %
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
Total	***	***

- (vii) The list of Board of Directors of Ningbo Nylon and Jinlun/Kingring Group was furnished with the interests they represent.
- (viii) Ningbo Nylon is a limited liability company which is not listed on the stock exchange. Most of its shares are held by Jinlin (Kingring) Group Corporation. The issue of TVE's being shareholders in, Jinlun/Kingring Corporation was examined in relation to the legal provisions governing the operation of TVE's in China PR and the ownership of such TVE's. TVE's operate under the Law of the Peoples Republic of China on Township Enterprises promulgated on 26th Oct, 1996 and originally sprang up in rural areas, mostly in the 1970s, after economic reforms were introduced. Township enterprises produce agricultural inputs, farm machinery, agro-products and other low value-added goods. The Ministry of Agriculture (MOA), through its Township Enterprise Bureau (TEB), is also responsible for the township and village enterprises (TVEs). The authority notes that in the present case, the township enterprises have engaged themselves in an industrial product.
- (ix) It was explained that the assets held by TVEs are valued by the independent Assets Value company or by the shareholders themselves on the basis of accounting system and the assets transferred to the Company by the Cooperative and the process of transfer itself is stated to be valued by independent accounting/valuation company and not by the State. Though the position was explained, the exporter did not submit any relevant documents like Assets Valuation Report, Transfer Valuation Report, etc. It is found from the Law of the People's Republic of China on Township Enterprises that the State also provides financial support or contribution to these TVEs. It could not, therefore be ascertained whether the funds for the acquisition of the shares in Kingring came from peasants or from the State.
- (x) The role of the State has been provided under Articles 5, 6,7 & 20 of the Law of the People's Republic of China on Township Enterprises. It was alleged by the Domestic Industry that the TVEs have representation from the State Council. The list of Board of Directors of M/s. Jinlun Group comprises 7 Directors from such Village Economic Cooperatives and 2 Directors from Capital Management Cooperative. The exporter has not demonstrated that these Directors do not have any linkage/association with the State Council or with the concerned Department of Township Administration. It was also not clarified whether the relevant State Council, Department of Township Administration appoints/ does not appoint such Directors in line with Article 7. Article 20 also refers to the providing of preferred loans on favourable terms by the State Financial Institutions. It has not been clarified whether Jinlun Group having a significant number of Directors from TVEs is entitled for such preferred loans on favourable terms, and that the investments in related companies were done with such loans to acquire assets at rates different from market rates.

- (xi) The role of the State appears not to lie in direct ownership of TVE's but in planning, coordination and supervision and granting of credits and preferred loans on favourable terms as evident from Articles 5,6,7 and 20 of the Law of the People's Republic of China on Township Enterprises, promulgated on 26th Oct, 1996. The issue of State interference through local body (village or district) officials therefore cannot be ruled out. Further, the co-operating exporter did not establish or demonstrate the absence of state interference in the operation and management of the TVE's which have a majority shareholding in the Jinlun/Kingring Group owning Ningbo Nylon Co.
- (xii) The exporter did not comment as to how against registered capital of RMB *** of Ningbo Jinlun Company or Kingring Group, they have been able to contribute by way of different share holding percentage in ten of its Group Companies to the tune of RMB ***.

33. Prices, Costs and Inputs

- (i) The main raw material for the product under consideration is Caprolactum. It has been mentioned in reply to the verification report that M/s. Ningbo Nylon purchased ***MT of Caprolactum. Whereas as indicated on Pg. 90 of their letter dated 15.04.2004, the quantity is shown as *** MT. M/s Ningbo Nylon purchased ***MT of Caprolactum during the POI out of which ***MT was from state enterprises, ***MT was from NJIE (its own affiliated company) and ***MT was from private enterprises. This shows that the company purchased 80% of Caprolactum from State-owned/own affiliated enterprises.
- (ii) M/s NJIE during this period purchased *** MT out of which *** MT was purchased from the domestic market, *** MT was purchased from foreign buyers for the purpose of processing and *** MT was purchased from foreign buyers for the purpose of general trade.
- (iii) The prices paid by the company, the monthly average domestic prices prevalent in China (source ICIS-LOR) and the monthly average contract prices prevalent in Asia (ICIS-LOR) have been compared.
- (iv) The position in respect of NJIE is as follows:

Prices per MT

Comparative Prices of Caprolactum In China During POI						
	Asia \$	China Domestic RMB	China Domestic \$	NJIE		
				Local Purchase \$/MT	Imported For processing \$/MT	Imported For General Trade \$/MT
Apr-02	1000	11100	1341		***	***
May	1000	10250	1238		***	***
June	975	10350	1250		***	***
July	1110	12750	1540	***	***	***
Aug	1110	0	0		0	***
Sep	1110	12450	1504	***	***	***
Oct	1200	12550	1516		***	***
Nov	1200	0	0		***	***
Dec	1175	0	0		***	***
Jan-03	1175	12800	1546		***	***
Feb	1175	13150	1588		***	***
Mar	1175	13350	1612		***	***
Apr	1225	12250	1479		***	***
May	1125	11350	1371		***	***
June	1125	11900	1437		***	0

(v) It may be seen that NJIE was able to purchase at comparatively lower rates than prevalent in the international market.

(vi) The position in respect of Ningbo Nylon is as follows:

Prices per MT

Comparative Prices of Caprolactum In China During POI						
Ningbo Nylon						
	Asia \$	China Domestic RMB	State owned RMB	Joint stock companies RMB	Private companies RMB	NJIE RMB
Apr-02	1000	11100	***	***	***	***
May	1000	10250	***	0	0	***
June	975	10350	***	0	0	***
July	1110	12750	0	0	0	***
Aug	1110	0	0	0	***	***
Sep	1110	12450	***	0	***	0
Oct	1200	12550	***	0	***	***

Nov	1200	0	***	***	***	0
Dec	1175	0	***	0	0	0
Jan-03	1175	12800	0	0	0	***
Feb	1175	13150	0	0	***	***
Mar	1175	13350	***	0	***	0
Apr	1225	12250	***	0	***	***
May	1125	11350	0	0	0	***
June	1125	11900	***	0	0	0

- (vii) Though Ningbo purchased most of its requirements from China, the rates paid by them were comparatively lower than rates prevalent in China.
- (viii) Further analysis shows that the caprolactum purchased by NJIE for processing supplied to Ningbo is accounted by the two companies at different prices.

Price per MT

Comparative Prices of Caprolactum In China During POI

			As per Ningbo Submissions		As per NJIE Submissions
	Asia \$	China Domestic RMB	From NJIE RMB	From NJIE \$	Supplied to Ningbo \$
Apr-02	1000	11100	***	***	***
May	1000	10250	***	***	***
June	975	10350	***	***	***
July	1110	12750	***	***	***
Aug	1110	0	***	***	0
Sep	1110	12450	0	0	***
Oct	1200	12550	***	***	***
Nov	1200	0	0	0	***
Dec	1175	0	0	0	***
Jan-03	1175	12800	***	***	***
Feb	1175	13150	***	***	***
Mar	1175	13350	0	0	***
Apr	1225	12250	***	***	***
May	1125	11350	***	***	***
June	1125	11900	0	0	***

- (ix) During the verification the exporters did not present any long term contract or special discount enabling this company to avail these rates. The exporter also did not show the transfer price mechanism between NJIE and Ningbo.

- (x) The Authority notes that the issue of raw materials prices paid by the company is vital to an examination of both MET as also correct assessment of its cost of production. In a situation where the raw materials prices are significantly lower than the prevailing market rates within China as also in the international market, not only that a vital condition for MET is not satisfied, but also costs are underestimated.

34. Utilities

- (i) The producer M/s. Ningbo Nylon has purchased electricity, steam from its own affiliated company M/s. ***. The Kingring Group has ***% stake in this company. Though the exporter has provided purchase prices of water, electricity and steam, it has also been stated that the company, M/s. *** used to be a Department known as ***. The invoice number generation is also common to all the Group companies, this being the internal numbering. Though the company mentions that the purchase prices are the prevailing market prices, the company was requested to provide information regarding the supplies made by M/s. *** to other independent customers. In response, the company has provided five invoices for the services made to ***. Invoice no. *** for Feb-2003 which shows per unit cost of ***RMB, for May-2003 ***, for Jun-2003 ***, for April-2003 *** and for March-2003 ***RMB/KWH against which *** has supplied to Ningbo at the rate of fixed price of ***RMB/KWH during these months. The invoices have been provided for only one (presumably) independent customers show a price differential of ***- ***RMB/KWH. In absence of full facts, it can be concluded that the purchase of utilities from affiliated companies are at lower/subsidized prices. Whereas, the prices charged by *** were uniform through out the POI at the rate of ***RMB/KWH, the prices charged by *** of Cixi during the POI varied in the range of *** to *** RMB/KWH. The submissions do not indicate major purchases from *** of Cixi. The exporter provided the invoices pertaining to supply of these utilities to affiliated companies only and not to general customers at large. The exporter was provided an opportunity to prove that ***, though being its own erstwhile department, is now supplying at similar rates to all customers. The payment arrangements among the two affiliates was not shown to understand issues relating to intra-company financial arrangements.
- (ii) In view of the shareholding pattern of Kingring Group, the fact that the exporter has one common single invoice numbering system for all Group Companies, the production of electricity by another group company which is completely or substantially held by Kingring (which in turn is held primarily by TVEs), difference in the prices paid by other consumer and Ningbo Jinlun, non-availability of a copy of contract in respect of steam and electricity with the Authority (even though copy of water bill has been provided), non-submission of prices to unaffiliated suppliers, lead to the conclusion that the exporter could not establish that the prices of electricity and steam, major

inputs for production of the product under consideration are without significant state interference, nor could the exporter establish that the rates were otherwise also reasonable, reliable and appropriate.

35. Cost of Technology and Labour

- (i) The cost of technology involves, amongst other issues, the issue of acquisition pricing in respect of assets, technology and facilities. It has been claimed by the company that the assets owned jointly by different TVEs were valued by independent assets valuation accounting firms and which in turn were allocated to its different business ventures in line with its shareholding interests. M/s. Kingring has ***% share in Ningbo Nylon shareholding ltd. which in turn runs the production of NTCF. The company has not provided its assets valuation report and such reports in respect of Kingring Group or in respect of four TVEs. However, the shareholding pattern of Ningbo Nylon Co. Ltd. shows ***% share held by *** of Cixi and ***% by ***. As Jinlun Group (Kingring) holds ***% share, the issue examined was whether the assets held by Jinlun Group were transferred to Ningbo Jinlun at non-market prices or were valued as per market driven rates. However, in the absence of both information and evidence, no conclusions could be drawn.
- (ii) It has been admitted that a very substantial portion of the company has been taken over by TVEs. However, the manner in which these shares were sold to TVEs and to other private parties and how TVEs have the necessary financial resources to invest in such an industrial product, in a situation where the primary function and role of such TVEs is to engage themselves in general welfare of peasants, remain unexplained by the exporter. It is noted that no information whatsoever has been provided by the exporter in this regard, other than disputing the rationale behind seeking such information and suggesting undue burden being cast on the exporters. The Authority notes that while the exporter is free to advance its arguments in support of its claims, its primary obligation is to provide information considered necessary by the Authority. It is also important for the Authority to understand whether such sale-purchase of assets of the company by the State were offered to public at large or whether the Govt. decided the price at which such assets would be transferred and also decided the purchaser thereof.
- (iii) The Authority also notes that whereas a well laid down system of subsidies is beyond the scope of present investigations, an ad-hoc administration of benefits, that too neither presented nor explained adequately to the Authority, may tantamount to State interference.
- (iv) In respect of labour, the company provided details of pay scales to different categories of employees. BOFT, MOFCOM has clarified that companies in China are required to observe a minimum wage. Otherwise wages are decided between workers' unions and management of the respective companies. The

aspect of social security mentioned in their web site was raised in the course of the investigations. The website information of Kingring Group stated that *** staff members of the Jinlun Group had been covered by the social security system on which a clarification was sought from the exporter. However, no clear clarification has been provided. However, it is understood from the response of other exporters that in order for the State to carry out its economic reforms smoothly, China started a social security programme alongside the economic reform to enable State-owned companies lay out surplus employees to help the company concerned to operate within a market economic environment. There were *** million people who were laid out from State-owned companies who joined the social security programme in 2003. The issue of subsidy in labour (if any) could not be further verified.

- (v) The Authority is of the view that while laying off of surplus employees or Govt. undertaking social security program may not be inappropriate, what is relevant for the present purpose is how these employees were laid off, whether any costs were incurred thereon, if so, who paid for such costs. If such costs were incurred by the State, the issue of selling price of the assets held by the State becomes relevant. If such lay off costs have been incurred by the company concerned, whether these costs are accounted for in the books.

36. Outputs, Sales and Investments

- (i) The company has been selling primarily in the domestic market. The possibility of a guided price or a cartel by other domestic producers could not be examined though it was noticed that the respondent companies in this investigation are maintaining same selling prices for different grades/denier. This can be part of their selling strategies. Further, during the verification, it was noticed that this company has made sales to its affiliated companies also. The company was requested to identify affiliated companies for the purpose of comparison of domestic sales made in the ordinary course of trade. This was not clarified.
- (ii) The Authority notes that the domestic sales were made by Ningbo Nylon as well as NJIE. However, entire export sales were by NJIE. NJIE has not provided complete questionnaire response – main and MET questionnaire, nor has Authority examined or verified NJIE to ascertain whether or not this company could be granted market economy treatment. NJIE undertakes sales in the domestic market also. The business license of NJ states that the company cannot export the material and can only sell in the domestic market.

- (iii) As regards investments, the company has not provided any information. Complete details of investments made in the company have not been provided. The manner in which TVEs purchased the share holding in the company was not completely disclosed. Investments made by NJ in subsidiaries were also not adequately explained. While complete financial report in respect of 2001, 2002 and 2003 (POI) was not provided, the available financial report for the year 1999 and 2000 contains serious auditor's qualifications in respect of investments in much as the investments themselves have not been reflected in the books.

37. Accounting records independently audited and applied for all purposes

- (i) Under the provisions of Rule 8, the Authority is also required to verify the existence and implementation of a transparent and non-discriminatory company law which ensures adequate corporate governance (application of international accounting standards, protection of shareholders, public availability of accurate company information) etc. BOFT had clarified that Companies in China PR are required to maintain one clear set of basic accounting records, which are independently audited in line with the Chinese GAAP but not international accounting standards.
- (ii) As informed in the tour verification report, the company has not provided complete set of its financial statements and audit reports. The company has not provided the detailed financial report (along with Directors Reports, Auditors Reports, Note to Account, Annexures etc. usually found in annual reports) for the period 2001, 2002 and 2003 both for Ningbo Nylon and for NJIE. In fact, in respect of NJIE, all that the company has provided is a sheet of paper containing balance sheet and income statement. This can not be said to be complete financial statement. Neither has NJIE provided a complete questionnaire response separately, nor does combined response have full details with regard to expenses and revenues of NJIE.
- (iii) A one page statement with the title Income Statement as Annexure –20 (Pg. 185) vide letter dated 15.10.2004 was provided in respect of Ningbo Nylon Company. Though the elements were to be verified, the exporter was requested to provide Auditors' Report to check any qualifications about the company.
- (iv) The Auditors' Report in respect of the Jinlun Group Company Ltd., International Trade Department, (presumably NJIE), contained the qualifications as follows:
 - (a) for the year 1999 (pg 99 of letter dated 15.10.2004)

(b) for the year 2000 (pg107 of letter dated 15.10.2004)

“***”

(v) The Audit Report of M/s. Ningbo Nylon Company Ltd. Contained following qualifications:

(a) for the year 1999 (Pg. 116) of letter dated 15.10.2004

“***”

(vi) The Audit Report of M/s. Ningbo Nylon company for the year 2000 (Pg. 129 of letter dated 15.10.2004) did not contain any qualification, however, showed *** million RMB to be received from M/s. *** alongwith some other companies. It was in this back-drop that an English version of Director's Report, Auditor's Report for 2001, 2002 and upto June, 2003 for Ningbo Nylon and for NJIE were requested.

(vii) Since the company did not provide the relevant annexures, it could not be ascertained whether the Auditor's report had any qualifications nor could the accounting practices of the company be checked. It also could not be ascertained whether the auditors have found that the company follows Generally Accepted Accounting Principles in China and whether the company maintains records which reasonably and accurately reflect the expenses, incomes, revenues and costs.

(viii) As stated earlier, caprolactum purchased by the company supplied from its own related company, NJIE has been reported by NJ and NJIE at different rates. This has direct impact on the annual results. No explanation has been given by the company for this difference.

(ix) As stated earlier, the group maintains a single invoicing system, which implies single invoicing systems being followed by NJ, NJIE, *** and all other related companies. There are substantial intra-group transactions. No group companies responded to main and MET questionnaire. Under the circumstances, the Authority could not verify correctness of revenues, expenses and profits.

38. No significant distortions in 'carry over' from former non-market economy system

(i) Vide letter dated 23rd September, 2004, the exporter was asked to furnish the details of the number and value of reallocation of shares and the names of recipient companies as regards the Kingring Group. The exporter was also asked to clarify whether these shares were reallocated at market rates or whether they were negotiated settlements. Further, in the same letter, the exporter was asked to clarify how the assets were obtained (example, bought on the open market, transferred to the company by a shareholder, given for free or at a discount by the State or a third company etc.).

- (ii) In response the exporter has stated that the Authority has raised questions which are not borne out of the legal provisions casting undue and unprecedented burden on them. In any case, the reallocation of shares has nothing to do with the structure of the company. Further, since all the transactions are between non-State entities, the question raised by the Authority becomes irrelevant.
- (iii) The Authority notes that issues on prices and costs and related issues stated under Rule 8 can be examined only in the context of ownership of the firms and their management acquisition of assets and mode of acquisition. Issues raised in this context regarding reallocation of shares, the rates at which the shares were purchased, whether these were at market rates or otherwise, whether these were offered to pre-determined parties or to public at large, the valuation of assets, transfer prices of assets etc. were not made available by the exporter and are hence not known. With reference to sub-clause (b) of sub-para 3 of Rule 8 it is not possible to conclude that State-owned shares had been sold freely and at a market price during the transfer of the company into private ownership. This is relevant not only on the issue of direct or indirect State-interference but also has direct impact on the associated costs, revenue, prices and profits.

39. Legal environment and stability provided by bankruptcy and property laws

All companies, including the respondents, are subject to bankruptcy and property laws guaranteeing legal certainty and stability.

40. Currency exchanges carried out at the market rate

- (i) China has begun to implement the single, market-based, managed floating foreign exchange system since 1994. Under the managed floating foreign exchange system the State may be involved in the adjustments to the exchange rates through internationally permitted legal and economic measures but not administrative measures.
- (ii) Subsidies received, if any, by the exporter
 - (a) That domestic industry in their various submissions contested granting of MET to the exporter on a number of grounds. One of the major grounds was the allegations of ad-hoc administration of subsidies, collection of VAT by the company from the consumers in full but less than full payments to the local bodies collecting such VAT; ad-hoc subsidies received by the company from the State or Provincial Government. It was also pointed out that such subsidies need not be accounted for in the books of the company receiving such subsidies and the same can be accounted for in the books of parent company. It was also alleged that there was no system for granting of these subsidies and these were matters of ad-hoc administration and were given on a case by case basis without any laid down criteria.

- (b) The domestic industry had provided a translated version of the extracts from 2003 Annual report purportedly pertaining to M/s. Ningbo Nylon (Jinlun Shareholding Co.) Company indicating subsidies as follows:

	RMB
Difference Subsidies	***
Total	***

- (c) Discussions were held during the verification and the exporter has questioned the authenticity of this document. The title of the document was got translated by the authority and it indicates that it is a document from Ningbo City Industrial Commercial, Administration Management Bureau, comprehensive Archives (General Dossier) pertaining to Ningbo Nylon.
- (d) Ningbo Jinlun & NJIE have not provided its complete annual reports. None of the other group companies, including the parent company, Kingring Group, has provided their annual reports. A clarification was requested on the payment arrangement among these group companies to understand the financial mechanism followed among these companies. In the absence of submissions/clarifications, the Authority is not in a position to confirm the financial mechanism followed among the group companies or arrive at a conclusion that no subsidies have been received by the exporter or that the allegations made by the domestic industry are false.

41. Methodology for constructing Normal Value.

- (i) In view of the aforesaid and the fact that the respondent company has provided no explanation or evidence to substantiate their claim for MET, a determination on normal value as per provisions contained in Section 9A (1) (c) (I) and (ii) read with sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules cannot be made. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per as per Rule 7 and 8 of the Anti-Dumping Rules as amended.
- (ii) The normal value has therefore been determined on a reasonable basis considering also the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include a reasonable profit margin.
- (iii) The product is manufactured from Caprolactum. It is noted that the (weighted average for POI) price in international market was \$*** per kg. The domestic industry has given an average procurement price of \$***. Deducting the duty element in India, the basic price comes to *** which matches the international prices prevalent in Asia during the POI. The exporters have vide there reply to verification report have mentioned that the consumption factor for caprolactum (upto NTCF based on input output norms) is ***. The authority has examined this factor. It is seen that the domestic industry or the industry in China has shown a consumption factor of ***, thus the factor *** appears to be a typographical error and has not been adopted for constructing the Normal value. The normal value comes to \$*** per kg for grey fabric.

The normal value for Dipped after adding the dipping cost comes to \$ *** per kg.

42. Response to the Exporters' Questionnaire by M/s. Ningbo Nylon Company Ltd.

M/s Ningbo Nylon Company has responded to the questionnaire sent by the Authority. The Authority deputed a team in the premises of this exporter to verify the data submitted by them in response to the exporters questionnaire and to obtain such further information as was considered necessary for these investigations.

43. Normal Value:-

(A) M/s Ningbo Nylon

44. Normal Value has been claimed based on sales in the home market and information on sales in the home market have been furnished in Appendix 1 of the response. The exporter had furnished information pertaining to sales of the subject goods viz. exports to India, domestic market sales and exports to other countries as per Appendix 3. The information has been furnished for the following Grades, viz. *** etc. The factory costs and profit furnished in Appendix 8, 9 and 10 has also been furnished for these grades. In Appendix 3A (sales price structure for exports to India), adjustments before and after fob have been claimed apart from commission. In Appendix 3B (sales price structure for domestic sales) adjustments have been claimed on account of inland freight and dipping costs wherever applicable. The exporter has also furnished all invoices of export sales to India and sample invoices of domestic sales in China PR

45. Cost of Production:- Back up details for the cost of production shown in Appendix 7 was sought at the time of verification. It was informed that the cost shown in Appendix 7 represents the average cost for the period of investigation. The share applicable to the product under consideration was total for 15 months and was shown from the computer. The cost of production (monthly) was, in turn, derived from the cost accounting system. The allocated costs were total irrespective of the number of grades manufactured by the company and represented the average cost. The correctness of the total cost appearing in the costing system was demonstrated by linking them with one page financial statement for the POI.

46. The exporter has not provided the grade-wise costing in respect of all the grades sold in the domestic market. The exporter provided the grade-wise costing in respect of grades exported to India which were duly compared along with the total cost allocation (excluding depreciation and financial charges) for POI in respect of Ningbo Nylon. The total cost allocation gives weighted average cost per MT of NTCF irrespective of any grade adjustments. The company had also not provided Audit Reports, Director Reports and complete financial statements for the year 2002, 2003 and the POI. Hence, the authenticity of the expenses claimed, any qualifications in the financial accounting / systems, if any, made by the respective auditors could not be established. Thus the Authority was not able to determine the cost of production of various grades and segregate the loss-making transactions in sold in the domestic market in the said grades. In view of the above and in the absence of information regarding sales made to affiliates, the Authority could not conduct the ordinary course of trade test.

47. As per Appendix 4-1 (Pg. 240-241) vide its Response of 29th December, 2003, it was provided that sales processed by import & export company (presumably NJIE) was *** MT in dipped category and *** in Grey Category totaling *** MT. Out of this *** MT was sold as grey and remaining *** MT may be dipped. It is mentioned that *** MT in dipped category has been sold to other countries that means balance ***MT might have been sold in the domestic market. Vide its letter dated 15.10.2004 (Pg. 189-191), the information relating to Domestic Sales of NJIE totaled to ***MT leaving a gap of *** MT which has not been explained.
48. The exporter has provided grade wise quantity sold by NJIE in domestic market. The difference in Grade *** figures has been noted.
49. Ningbo has sold ***MT in the domestic market. Its sales to affiliates are not known as these have not been provided. During the verification it was mentioned that M/s. *** are affiliated companies. Apart from these companies, the exporter was requested to identify sales made in the domestic market to affiliate companies. The exporter has not responded to the request of the Authority to identify and segregate sales made to its affiliates in the domestic market.
50. The exporter has provided VAT invoice number against ERP number for transactions made in the domestic market after verification at Annexure— 17 of its response. It has been claimed that the VAT numbers have a continued serial number. The purpose of this analysis is primarily to understand the system of sales in domestic market, how the company controls its sales, how the money is realized, at what prices the product is sold in the domestic market. From Annexure -17, it is seen that against the same ERP number different VAT numbers have been issued presumably for the same Customer but depending on his delivery schedule. Different quantities have been sold against different VAT invoice numbers. It was explained during the verification that the company has a common ERP number. Some of the gaps in these ERP numbers had been listed and forwarded. The exporter was requested to confirm whether these gaps are primarily on account of human error or because of same ERP numbers being used by other affiliate companies. The exporter has not explained this position, however, preferred to provide VAT number alongside the ERP number. The VAT numbering is in different series starting from *** etc. It is thus not clear as to whether the company has a consistent numbering for its sales invoices to verify the sales made in the domestic market. In respect of ERP number 90006060 relates to processing of job work of NTCF by M/s. Ningbo Nylon Company. The list has been provided at Annexure -19 at Pg. 183-184 vide its letter dated 15.10.2004. During verification it was noticed that the company is raising sales invoices for job work. The list is not complete as it does not provide the job work done by M/s. Ningbo Nylon for NJIE, the invoices raised and the money received on this account.
51. The aspect of inland freight paid on domestic sales was discussed during the verification. It was mentioned that there are approx. *** purchasers in the domestic market and normally the sales are made on freight to pay basis. That means the freight is paid by the purchaser. It was mentioned that approximately *** companies pay their own freight. The exporter was requested to identify such companies and allocate the amount incurred on inland freight on relevant invoices only. However,

a list indicating total freight paid during the POI was provided. This does not clearly indicate element of freight paid against such consignments where the company has paid the freight. The incidence of inland freight in the average cost of NTCF has not been identified.

52. It has been mentioned that M/s. Ningbo Nylon purchased *** MT of Caprolactum. Whereas as indicated on Pg. 90 of the letter dated 15.04.2004, the quantity is shown as *** MT. The exporter has now mentioned that the actual consumption rate of Caprolactum on job work basis for NJIE is ***. Whereas vide Appendix-6, Pg. 244, submissions dated 29.12.2003, the average consumption has been given as ***. It was also brought out that the company has claimed separate cost of Caprolactum for consumption in the domestic and export market and has rather claimed higher cost of production on account of Caprolactum in the home market. The above consumption factor, however, reflects a reverse picture.
53. Under the circumstances, Normal Value under the rules is determined on the basis of the provisions contained in Rules 7 and 8 of the Anti-Dumping Rules.
54. Export Price:-
- (A) M/s. Ningbo Nylon
55. The exporter had furnished information pertaining to sales of the subject goods viz. exports to India, domestic market sales and exports to other countries. The information has been furnished for various grades exported to India. The factory costs and profit furnished in Appendix 8,9 and 10 has also been furnished for these grades.
56. Examination by Authority
1. The Authority notes that the demarcation of 'grades' has been made by the exporter without elaborating on the costs linked with specific physical or technical attributes differentiating these 'grades'. The Authority notes that for each of the grades exported to India, the cost of production has been separately provided. It is seen that the cost of raw material and other inputs vary significantly between the grades.
 2. The adjustments claimed in Appendix 3 (sales price structure for exports to India) are as follows:

Ningbo Nylon Exports To India

Product_c o	Qty	Gross_inv	Dis	Net_inv	Comm	Rebate	Inland_fre	Oversees_fr	Sale	Net Value	Net Price/MT
----------------	-----	-----------	-----	---------	------	--------	------------	-------------	------	-----------	-----------------

Based on the quantities exported to India as given above and the individual ex-factory export prices of the different grades after considering adjustments claimed including the adjustment @ ***% on account of commission/selling expenses etc. from Ningbo to NJIE, the Authority has determined a weighted average ex-factory export price of USD ***/kg for Grey and USD ***/kg for the Dipped category.

57. Response to the MET Questionnaire by M/s. Shandong Polytex

- (a) Business decisions and costs are made in response to market conditions:
58. In order to examine whether there was any degree of government influence over the allocation of resources and decisions of the co-operating producer/exporter, whether directly or indirectly, the ownership pattern of the respondent was examined.
59. In their response to the exporters and MET questionnaires it was clarified that Great Dragon is defunct and all assets, staff, records and business has been absorbed by Polytex and it is Polytex which is the necessary co-operating party that is competent to participate in these investigations. Weifang Great Dragon Chemical Fibre Co. Ltd., was a joint venture enterprise incorporated in 1995, by Shandong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre (Group) Company and Singapore Megaway Group Corporation Limited.
60. The shareholders of Great Dragon, originally a Sino-foreign joint venture company was as follows:

Shareholder	Investment (Unit: USD 1 million)	Proportion of Investment
Megaway Development Ltd., Singapore	***	***
Shangdong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre group Co.	***	***

61. After putting in the registered capital into Great Dragon, Mega Dragon lent RMB *** million Yuan (inclusive of *** Yuan of capital and interest accrued thereon) to Great Dragon to spur its production. Since Great Dragon did not refund this loan to Mega Dragon in time, Mega Dragon filed a law suit against Great Dragon in Shangdong Weifang Intermediate People's Court as a result of which the two parties reached an agreement that Great Dragon would transfer all its assets worth *** million Yuan to Mega Dragon on 25th August, 2003 to make reimbursement of the loan payable to Mega Dragon and the residue of *** Yuan would be refunded before 30th October, 2003.
62. Mega Dragon which owed money to Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd. signed a refund agreement with the latter on 13th August, 2003 in which Mega Dragon agreed to refund Sea Dragon with assets of *** million Yuan. Thereafter Mega Dragon transferred the *** million Yuan worth of assets it received from Great Dragon to Sea Dragon. On 18th, 19th and 21st August, 2003 Sea Dragon, Mega Dragon and Great Dragon signed three Assets Transfer Agreements in which it was agreed that Great Dragon would transfer *** million Yuan worth of assets to Sea Dragon.

63. After receipt of the above-mentioned assets, Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd. signed a shareholders Agreement with Shangdong Sea Dragon Import & Export Co. in July, 2003 to establish Shangdong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd. which was officially registered with the Commerce & Industry administration on 28th Oct., 2003. Sea Dragon rented all of the above-mentioned assets it received from Great Dragon to Polytex. Being devoid of assets, Great Dragon is now defunct and not in operation at all.
64. Thus, Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd. and Shandong Weifang Sea Dragon Import & Export Co. Ltd. invested *** and *** respectively in Shangdong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd.
65. Post POI, in February 2004, the shareholding pattern in Shangdong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd. underwent further change as follows:
1. Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd. invested *** %;
 2. Shandong Weifang Sea Dragon Import & Export Co. Ltd. invested *** %; and
 3. Shangdong Longhao Chemical Fibre Co. Ltd. invested *** %
66. As per Article 1 of the Articles of Association of Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd., Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd is a joint stock company of limited liability incorporated by Shandong Weifang Sea-Dragon Co. Ltd. and Shandong Weifang Sea-Dragon Import & Export Co. Ltd. in accordance with the Company Law of the People's Republic of China.
67. The details of shareholding pattern are as follows:

27.02.04

Shareholder	RMB (million Yuan)	Proportion of Investment
-------------	--------------------	--------------------------

68. The total registered capital of the company is therefore *** Yuan.
69. Shangdong Polytex is a company of limited liability jointly owned by the above companies. It is not a listed company but a subsidiary of Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd. which is listed on the Shanghai Stock Exchange. Polytex, Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd., Shangdong Weifang Sea Dragon Import & Export Co. Ltd. and Shangdong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre Co. Ltd. are all limited companies.
70. The legal form of Shangdong Polytex has thus changed from a joint venture company to a limited company. However, it was stated during the verification that Shangdong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre Co. Ltd. has been a State-owned company for the last five years. It is a public limited company. Shangdong Weifang Mega Dragon has about ***% shareholding in Shangdong Weifang Sea Dragon which is its subsidiary company. A copy of the shareholding certificate of Shangdong Weifang Mega Dragon was requested. Attempts were made to procure a copy; however, due to lack of time and logistical problem of transporting the document, it could not be made available during the verification. It was further clarified that Shangdong

Weifang Mega Dragon has a Board of Directors whose main functions are inter-alia to ensure that the assets of the company are not put into misuse and to take decisions on level of output, costs, procurement of raw materials etc.

(b) Prices, Costs and Inputs

71. The main raw material is Nylon Yarn. The weighted average purchase price for the POI was *** RMB. It was seen that most of the raw material was purchased from Junma Chemical Fibre Co. (a private company) with which the company has had relationship for six years.
72. The processing stage in the case of M/s. Shangdong Polytex is from yarn to fabric. The suppliers of inputs are joint-stock companies, one private company, a joint-venture company and a State-owned company.
73. The suppliers of inputs include ***. The company is independent of all these companies and shares no board members or senior executives with any of these entities. The legal form and length of business relationship is as follows:

Supplier	Length of business relation	Nature of Supplier
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***
***	***	***

74. Nylon Yarn has never been imported by the company from overseas suppliers. The purchase is not against short or long term contracts or from the Government auction market. Main raw materials are purchased from suppliers on the market demand and supply basis and all transactions are subject to market fluctuations.
75. The volumes of raw materials were procured from domestic suppliers as given below:

	A	B	C	D	E	F	G	H
April, 02	***	***	***	0	***	0	***	0
May	***	0	***	0	0	0	***	0
June	***	0	***	0	***	0	0	0
July	***	0	***	***	***	0	0	0
August	***	0	***	***	0	0	0	0
September	***	0	***	0	***	0	0	0
October	***	0	***	***	0	0	0	0
November	***	0	***	***	0	0	0	0
December	***	0	***	0	0	0	0	0
January, 03	***	0	***	0	0	***	0	0
February	***	0	***	0	0	***	0	0
March	0	0	***	0	0	***	0	0
April	0	0	***	0	0	***	0	0

May	***	0	***	***	0	***	0	0
June	***	0	***	0	0	***	0	***
Total	***	***	***	***	***	***	***	***

(c) Rates of Nylon Yarn –

76. The company purchased nylon yarn at a weighted average price of *** RMB. The domestic market prices of nylon yarn could not be made available to draw any conclusion in this regard.

(d) Utilities

77. Water, electricity and steam are supplied respectively by Anqiu Tap Water Company, Anqiu Power Company and Anqiu Thermal Electricity Company. The three suppliers are all state-owned companies. The rate of water, electricity and steam purchased is stated to be RMB *** yuan/cubic meter, *** yuan/kwh and *** yuan/ton respectively in the company's response to the MET questionnaire. Purchase invoices were also obtained during the on-site verification.

78. It was further stated that the price of electricity, water and steam is at State-determined rates according to market condition. These are stated to be uniform prices all over China. Details of purchase are given below:

Details purchase of our Steam, Electricity and Water									
Attachment 4	A			B			C		
Unit	Steam Tons/RMB		Per Unit	KWH/RMB		Per Unit	Water Tons/RMB		Per Unit
Date	Quantity	Amount		Quantity	Amount		Quantity	Amount	
April, 02				***	***	***	***	***	***
May, 02	***	***	***	***	***	***	***	***	***
June, 02				***	***	***	***	***	***
July, 02	***	***	***	***	***	***	***	***	***
August, 02	***	***	***	***	***	***	0	0	0
September, 02				***	***	***	0	0	0
October, 02	***	***	***	***	***	***	***	***	***
November, 02				***	***	***	***	***	***
December, 02				***	***	***	***	***	***
January, 03	***	***	***	***	***	***	***	***	***
February, 03	***	***	***	***	***	***	***	***	***
March, 03	***	***	***	***	***	***	***	***	***
	***	***	***	***	***	***	***	***	***

79. It was further clarified that the utility companies (for power, water, oil and gas) have also been under the economic reform programme for sometime. Sinopec and China Oil have all become public companies listed in New York and London Stock exchanges and electricity and water companies are all under restructuring for

purposes of IPO. The utility companies would charge the same rate of price to the same category of industry irrespective of whether the utility company is a state-owned or private enterprise. The difference would lie in the categorization of the industry. For example, a water company would charge a high water consumption or high polluting company a higher price.

(e) Cost of Technology and Labour

80. The cost of technology involves the issue of acquisition of assets. It is clear that ***% of Sea Dragon is held by Mega Dragon which is a State-owned company. It is also clear that Mega Dragon provided capital to Great Dragon which was not refunded to Mega Dragon in time. As a result of a lawsuit, Great Dragon transferred its assets to Mega Dragon for reimbursing the loan. Mega Dragon also owed money to Sea Dragon and signed a refund agreement with Sea Dragon. Mega Dragon transferred the *** million Yuan worth of assets it received from Great Dragon to Sea Dragon. It is, therefore, clear that the refund of loan with assets by Mega Dragon to Sea Dragon was actually the transfer of assets received by Mega Dragon from Great Dragon (originally assumed to be a State-owned company from information available on records). The exporter also clarified orally during the verification visit that Mega Dragon has been a State-owned company during the last five years.
81. In respect of labour, the company has stated that there are different grades of employees with different pay scales. The employees enjoy medical and life insurance.
82. Wages are negotiated between employer and employees on supply and demand basis. The Law requires a certain minimum wage beyond which the negotiation is done to arrive at the final wages. Relevant enterprises are free to determine wages according to market demand.
83. BOFT, MOFCOM has clarified that companies in China are required to observe a minimum wage. Otherwise wages are decided between workers' unions and management of the respective companies. The aspect of social security mentioned in their web site was raised in the course of the investigations on which a clarification has not yet been received. The issue of subsidy in labour (if any) could not be further verified.

(f) Accounting records are independently audited and applied for all purposes

84. The company's attention was drawn to the auditor reports (as provided in response to the questionnaire) of 2000 (page 215-216), 2001 (page 226-227), 2002 (page 236-237) which contained serious qualifications. The company was requested to provide auditor report for the year 2003. The company mentioned that the board is taking adequate steps to settle these observations. It was also clarified that though the accounting statement named for Foreign Investment Industrial Enterprise (2002-12-31) (page 242-245), pertain to the company Weifang Great Dragon.

85. Since the company has not provided the relevant reports for the POI, it could not be ascertained whether the Auditor's report has any qualifications nor the accounting practices of the company could be checked. It also could not be ascertained whether the auditors have found that the company follows Generally Accepted Accounting Principles in China and whether the company maintains records which reasonably and accurately reflect the expenses, incomes, revenues and costs.
- (g) there are no significant distortions carried over from former non-market economy system
86. Vide pre-verification letter dated 23rd September, 2004 the Authority requested for the legal forms of Shangdong Weifang Sea Dragon Co. Ltd., Shangdong Weifang Sea Dragon Import & Export Co. Ltd. and Shangdong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre Group Company. This was not provided by the exporter. The company was also requested to explain how their assets were obtained (e.g. bought on the open market, transferred to the company by a shareholder, given for free or at a discount by the State or a third company etc.). While the shareholding certificate of Shangdong Polytex clearly shows that it is held by Sea Dragon, Sea Dragon Import & Export, and Longhao, the shareholding pattern of these holding companies is not known.
87. Shangdong Polytex had earlier vide their submission dated 10th September, 2004 claimed that after M/s. Singapore Megaway Development Ltd. left in July 2003, the shareholders of Weifang Great Dragon (later Shangdong Polytex) changed. The major shareholder of M/s. Polytex, namely Shangdong Weifang Sea Dragon is not a State-owned company but a public listed company, listed on the Shanghai Stock Exchange. It was further stated that Shangdong Weifang Sea Dragon's shareholders are from different fields including institutional investors and private investors. No documentary evidence to this effect was attached and neither was it provided later. It was stated by the company during the verification visit that Shangdong Weifang Mega Dragon Chemical Fibre Co. Ltd. has been a State-owned company for the last five years. It is a public limited company. Shangdong Weifang Mega Dragon has about ***% shareholding in Shangdong Weifang Sea Dragon, which is its subsidiary company. A copy of the shareholding certificate of Shangdong Weifang Mega Dragon was requested during the verification but could not made available by the company. Further, copies of shareholding certificates of Sea Dragon and Sea Dragon Import & Export as requested in the pre-verification letter were also not made available.
88. It is, therefore, clear that ***% of Sea Dragon is held by Mega Dragon which is a State-owned company as clarified orally by the exporter during the verification visit. Mega Dragon provided capital to Great Dragon which was not refunded to Mega Dragon on time. As a result of a lawsuit, Great Dragon transferred its assets to Mega Dragon for reimbursing the loan. Mega Dragon also owed money to Sea Dragon and signed a refund agreement with Sea Dragon. Mega Dragon transferred the ***

million Yuan worth of assets it received from Great Dragon to Sea Dragon. Therefore, the refund of loan with assets by Mega Dragon to Sea Dragon was actually the transfer of assets received by Mega Dragon from Great Dragon (originally assumed to be a State-owned company from information available on records).

89. In the pre-verification letter dated 23rd September, 2004, a query was raised on the original status of Weifang Great Dragon Chemical Company. It was specifically asked whether it was a State-owned company or a private enterprise. While no response was received in response to the letter, a copy of, the Auditors report dated 20th April, 2003 on Weifang Great Dragon Chemical Co. Ltd. by certified public Accountants was made available during the verification which clearly states that after auditing it was found by the CPA that :

“***”

90. It is thus clear from the above that a company called *** (which appears to be a State-owned entity) was merged into Weifang Great Dragon. As stated above, after putting in the registered capital into Great Dragon, Mega Dragon lent RMB *** million Yuan (inclusive of *** Yuan of capital and interest accrued thereon) to Great Dragon to spur its production. As admitted by the exporter, Mega Dragon has been a state-owned company for the last five years.
91. Queries raised by the Authority on the reallocation of shares, the rates at which the shares were purchased, whether these were at market rates or otherwise, the valuation of assets etc. in order to assess the issue of significant State interference or otherwise in costs, production and pricing decisions were not made available by the exporter and are hence not known. It was claimed by the company during the verification that all fixed and tangible assets are purchased in the open market. No machinery, land or buildings have been rented by the company. In their questionnaire response, copies of the agreements concerning assets turnover between Weifang Sea Dragon, Mega Dragon and Weifang Great Dragon have been enclosed. Sea Dragon, Mega Dragon and Great Dragon signed three assets transfer agreements extracted copies of which have been enclosed in their questionnaire response. Vide agreement dated 19th August 2003, Weifang Great Dragon has given (turned over) a new dipping line to Weifang Sea Dragon which was worth *** Yuan before 20th August, 2003. Vide agreement dated 18th August 2003, Weifang Great Dragon has given (turned over) rapier looms worth *** Yuan to Shangdong Weifang Sea Dragon before 15th August, 2003. Vide Agreement dated 21st August 2003 Weifang Great Dragon has given (turned over) a dipping line machine worth *** Yuan to Sea-Dragon.
92. The information furnished by the company during the verification and as given in their questionnaire response clearly shows that loans payable by Great Dragon to Mega Dragon and that payable by Mega Dragon to Sea Dragon have been reimbursed in the form of transfer of assets from State-owned companies. Vide

agreement dated 13th August 2003, Weifang Mega Dragon has given assets worth *** million Yuan as reimbursement to Weifang Sea Dragon Co. Ltd. Shangdong Weifang Sea Dragon Co. has leased the assets for the production of tyre cord fabrics and canvasses including housing and machinery to Shangdong Polytex. The lease term is from 1st October, 2003 to 31st December 2008. A copy of this lease agreement has been enclosed in their response. It is not known whether the assets including housing and machinery were originally transferred by Mega Dragon (a State-owned company) which is the holding company of Shangdong Polytex. The shareholding of Sea Dragon is also not known. In respect of sub-clause (b) of sub-para 3 of Rule 8, it is not possible to conclude in view of the above that loans / assets transferred by Shangdong Weifang Mega Dragon which is a State-owned company to Shangdong Weifang Sea Dragon (in which Mega Dragon has a ***% shareholding) had been sold freely and at a market price. The Assets turnover Agreements state that assets were “given” by Weifang Great Dragon to Sea-Dragon which is the holding company of the respondent, M/s Shangdong Polytex.

(h) Legal environment and stability provided by bankruptcy and property laws

93. All companies, including the respondents, are subject to bankruptcy and property laws guaranteeing legal certainty and stability.

(i) Currency exchanges carried out at the market rate

94. China has begun to implement the single, market-based, managed floating foreign exchange system since 1994. Under the managed floating foreign exchange system the State may be involved in the adjustments to the exchange rates through internationally permitted legal and economic measures but not administrative measures.

95. Response to Exporters Questionnaire by M/s. Shangdong Polytex

(a) Normal Value:-

96. As provided under page 70 of its response, the company had informed that it had sold *** MT of NTCF in the domestic market. It was explained during the verification that *** MT was sold to many small customers and it was not possible to provide complete details for the same. The company however provided details in respect of *** MT. It was seen that the total value for *** MT was ***RMB resulting in average selling price of *** RMB/MT and in case of *** MT the total value was *** RMB resulting into average selling price of *** RMB/MT. These values are net of VAT. During the verification the total realization on account of sales in the domestic market was *** RMB for *** MT resulting into average selling price of *** RMB/MT.
97. The company has sold only dipped fabric to India. The company has exported *** MT during to India during the POI. As stated in Appendix 3(page 70), the value of

this export was corrected as *** RMB as against *** RMB mentioned. As provided in the corrected version of Appendix 4, it was noted that the company had exported *** MT to India at total sales realization of ***RMB.

98. As per Appendix 4, per MT sales value in respect of Domestic market comes to *** rmb, in respect of exports to India it comes to ***RMB and in case of exports to other country it comes to *** RMB. The Authority notes that as per the submissions vide Appendix – 8 (A) (Pg. 82), the company has provided factory cost and profit of exports to India for two segments namely Agent and User. It was clarified that in respect of user the material is supplied directly and in case of Agent it is supplied through agents. The factory cost has been shown as RMB ***/MT in both the cases. This company has purchased Nylon Yarn @ average *** RMB for the POI. The company has shown profit in case of exports through agents and has shown loss in case of direct sale. Based on this, the company was asked to reconcile the profitability to which no response has been received after the submission of the verification report. The company has exported *** MT to India of dipped category. After allowing the adjustments as claimed (*** RMB), the net export price comes to *** RMB. The company has got back refund on account of VAT from the government on account of exports approx. ***RMB/MT. The company is selling in the domestic market different grades at uniform price of *** RMB/MT. After adding VAT, the price comes to *** RMB/MT. The company had mentioned that the refund is received at intermittent intervals after adjusting the VAT amount to be paid and becoming due on account of exports. Thus, effectively the impact on account of VAT is *** which gets reflected in the cost.
99. It was discussed that whereas sales on account of NTCF contributes to approx *** the expenditure has been allocated at *** resulting into loss on account of NTCF. It was further discussed that expenses on account of Administration, selling/distribution costs, depreciation and financial expenses were allocated @ ***%. As provided under Appendix 8A, the company sold *** MT in exports to India at a profit of *** RMB resulting in total profit of *** RMB. As per Appendix 8B the company sold ***MT in the domestic market resulting in loss of (per MT ***) *** RMB resulting in final loss of *** RMB whereas as per the allocation the loss allocated to NTCF comes to *** RMB. The company's attention was drawn to the auditor reports of 2000 (page 215-216), 2001 (page 226-227), 2002 (page 236-237) and was requested to provide auditor report for the year 2003. The company mentioned that the board is taking adequate steps to settle these observations. It was also clarified that though the accounting statement are named for Foreign Investment Industrial Enterprise (2002-12-31) (page 242-245), these pertain to the company Weifang Great Dragon. The company was shown that as per these statements the current liabilities are ***RMB and the current assests are *** RMB resulting into negative working capital of *** RMB.
100. The deficiencies in financial statements, qualifications in the Audit Reports of the company have already been pointed out in the verification report to the company. Detailed examination of the company's submissions have already been conveyed

vide verification report. The company has not commented on the issues raised concerning financial statements in the verification report.

(b) Methodology for constructing normal value

101. The respondent company has provided no explanation or evidence to substantiate their claim for MET. The financial statements containing the cost related information has the deficiencies as explained above and was communicated vide verification report which the exporter has not rebutted. Thus determination on normal value as per provisions contained in Section 9A (1) © (I) and (ii) read with sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules cannot be made. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per Rule 7 and 8 of the antidumping rules as amended.
102. The normal value has been determined on a reasonable basis considering also the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include a reasonable profit margin.
103. The product is manufactured from Caprolactum. It is noted that the (weighted average for POI) price in international market was \$*** per kg. The domestic industry has given an average procurement of \$***. Deducting the duty element in India, the basic price comes to *** which matches the international prices prevalent in Asia during the POI. The normal value for Dipped after adding the dipping cost comes to \$ *** per kg.

(c) Export Price:-

104. It is seen that the export price for grades exported to India comes to RMB ***. The exporter has claimed adjustments on account of Inland freight, commission, overseas freight and overseas insurance. Different amount has been claimed during different quarters for these adjustments. The adjustments on weighted average basis and as verified comes to RMB *** for inland freight, for commission RMB ***, for overseas freight RMB *** and for overseas insurance RMB ***. This totals upto RMB ***. Allowing these adjustments from the weighted average export price, the ex factory export price comes to RMB ***.
105. Response to the MET Questionnaire by M/s. Jiangsu Qunfa

(a) Business decisions and costs are made in response to market conditions:

106. In order to examine whether there was any degree of government influence over the allocation of resources and decisions of the co-operating producer/exporter, whether directly or indirectly the ownership pattern of the respondent was examined.
107. Jiangsu Qunfa Chemical Co. Ltd. was formally the Yangzhou Organic Chemical Plant. It was a reasonably large-scale State enterprise at that period of time but is no

longer considered to be large scale by today's standards in this industry and was an enterprise set up in 1964 by the former Ministry of Chemical Industry. The Ministry itself does not exist today. The company was restructured as Jiangsu Qunfa in 1999. Qunfa is a jointly owned company by the State and its own employees. The part of the State owns it in the form of shareholding. It has been clarified in the response to the MET Questionnaire that a State owned company under Chinese law is a company owned by all the people i.e. the State, as provided under the law of the People's Republic of China on Industrial Enterprises owned by the Whole People of 13th April, 1998 (the Industrial Enterprises Law) and the Regulation for Transformation of Operational Mechanism of State-Owned Industrial Enterprises (the Regulations for Transformation). It was clarified that having gone through with economic reform including structural and ownership reform in China for 20 years, Qunfa is no longer the traditional State-owned company. The ownership of the company and its shareholders is as follows:

S. No.	Shareholder	Investment injected (Unit: RMB million)	Proportion of investment	Nature of shareholding company
1.	Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd.	***	***	***
2.	China Huarong Assets Management Co. Ltd.	***	***	***
3.	Staff of the Company	***	***	***

108. Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd. on behalf of the State owns *** % shares of the company and China Huarong Assets Management Co. Ltd. (institutional investor) owns *** % shares of the company. The rest are held by the staff of the company.
109. Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd. and China Huarong Assets Management Co. Ltd. are both limited liability companies (which requires a minimum of two shareholders). They are not listed on the stock exchange. Both of the holding institutions are subject to bankruptcy and property law and were established in accordance with the corporate law of the People's Republic of China.
110. Jiangsu Qunfa, the respondent is also a limited liability company not listed on the stock exchange. There has been no change in the last five years in the legal form of Jiangsu Qunfa.
111. The role of the State as a shareholder is that it runs the company through the agencies. There is a Board of Directors comprising eleven persons. The State is represented by three persons, the Chemical Assets Company is represented by four persons and the employees and staff have four representatives. The functions of the Directors are to ensure that assets are not misused and the decisions regarding production and sales are taken by the General Manager. It was stated that there are

no horizontal affiliations with any other company and affiliation is restricted to shareholding companies.

112. The Board of Directors of Jiangsu Qunfa Chemical Co. Ltd. are as follows:

Name	Occupation	Represent for
------	------------	---------------

113. The Board of Directors is the decision-making body of the company and is responsible for the formulation and amendment of regulations of the enterprise. It is stated to be independent and has full autonomy in management and takes responsibility for profits and losses earned or incurred by the company. It was stated that no state or local/regional authorities are involved in the functioning and decision-making processes of the company.

114. Pursuant to the verification and in response to the pre-verification letter issued on 23rd September, 2004, M/s. Jiangsu Qunfa has given further clarifications as regards ownership. The company is stated to be not directly jointly owned by the State. The State originally invested in the company in 1960s. In 1999, following the economic reform in China, the State authorized Yangzhou Chemical Asset Management Co. Ltd. to look after its assets. Yangzhou Chemical Asset Management Co. is also interested to sell the assets, if conditions are not met. Before 1999, it was owned by the State and there was no other shareholder except the State.

115. The meaning of 'jointly owned' company is clarified to be that the company is owned by the shareholders of Yangzhou Chemical Asset Management Co. Ltd., the employees of the company and China Huarong Asset Management Co. Ltd. (institutional investor). There has been no change in the last five years in respect of the legal form of Yangzhou Chemical Asset Management Co. Ltd. and Huarong Asset Management Co. Ltd.

116. The registering authority of the company is Mr.***, Auditor *** Audit Firm, which is an independent firm. The detailed list of registered capital is as follows:

Shareholders	Capital Paid (RMB million)
Yangzhou Chemical Asset Management Co. Ltd.	***
Employees and Staff	***
Huarong Asset Management Co. Ltd.	***

Prices, Costs and Inputs

117. Jiangsu Qunfa has a number of suppliers. The company purchased the raw material at a weighted average price of *** RMB during the POI. The prices prevalent in the domestic market (source ICIS-LOR data) are as follows:

	Asia \$	China Domestic RMB
Apr-02	1000	11100
May	1000	10250
June	975	10350
July	1110	12750
Aug	1110	0
Sep	1110	12450
Oct	1200	12550
Nov	1200	0
Dec	1175	0
Jan-03	1175	12800
Feb	1175	13150
Mar	1175	13350
Apr	1225	12250
May	1125	11350
June	1125	11900

118. The company has confirmed that they do not have any exclusive relationship with any of the suppliers, contractor, distributor or resellers. All Jiangsu Qunfa's buying and selling pattern are based on short-term contract. They have stated that historically, Jiangsu Qunfa has never built any kind of special relationship with its suppliers or distributors. The company has purchased the basic raw material at comparatively lower prices as prevalent in the domestic market.
119. The names of the suppliers of raw materials, electricity are:

Utilities

120. Qunfa purchases electricity, gas and coal from State-owned companies. Water has been purchased from Yangzhou Water Using Supervising Agency and electricity from Jinagsu Electricity Supplier Co., Yangzhou Branch. Steam has been procured from Yangzhou North-East Electricity Co. The relevant invoices were obtained at the time of the verification and are enclosed with this report. All companies must pay the same prices while purchasing power and steam from State owned suppliers i.e. they have to pay the price for industrial usage. The only difference is between industrial and household use. The latter is cheaper than the former.
121. It was further clarified that the utility companies (for power, water, oil and gas) have also been under the economic reform programme for sometime. Sinipect and China Oil have all become public companies listed in New York and London Stock Exchanges and electricity and water companies are all under restructuring for purposes of IPO. The utility companies would charge the same rate of price to the same category of industry irrespective of whether the utility company is a state-owned or private enterprise. The difference would lie in the categorization of the industry. For example, a water company would charge a high water consumption or high polluting company a higher price.

Cost of Labour

122. The working staff of Qunfa (Para 80 from Page 37) is divided into two groups, the skilled and non-skilled. They are recruited by way of announcement of vacancies through the media and through interviews of candidates recommended by Employment Agencies and graduates from various colleges. New employees go through a trial period of one to three months. There are *** managers, *** skilled workers and *** non-skilled workers in the company. The salaries, monthly, range from *** RMB, *** RMB and *** RMB for managers, skilled and non-skilled workers respectively. Every employee is entitled to medical and company pension. Some employees with special financial needs or those making an outstanding contribution to the company may also be entitled to housing benefits.

123. BOFT, MOFCOM has clarified that companies in China are required to observe a minimum wage. Otherwise wages are decided between workers' unions and management of the respective companies.

(b) Accounting records are independently audited and applied for all purposes

124. The company had provided financial statements ie Profit and loss account and Balance sheet for the calendar year 2002 and 2003. The Auditor Reports for the years 2000, 2001 and 2002, were provided. Only the Audit Report for 2001 contained qualifications. Report etc commenting on the auditors report was not provided.

125. Since the company has not provided the relevant annexures for the POI, it could not be ascertained whether the Auditor's report has any qualifications nor the accounting practices of the company could be checked. It also could not be ascertained whether the auditors have found that the company follows Generally Accepted Accounting Principles in China and whether the company maintains records which reasonably and accurately reflect the expenses, incomes, revenues and costs.

(c) there are no significant distortions carried over from former non-market economy system

126. Vide pre-verification letter dated 23rd September, 2004 the Authority requested for the legal forms of (i) Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd. and (ii) China Huarong Assets Management Co., Ltd., prevailing in the last five years. This was not provided by the exporter. A clarification was also called for regarding the original status of Jiangsu Qunfa Chemical Co. Ltd. and its shareholders. These were not provided. The company was also requested to explain how their assets were obtained (e.g. bought on the open market, transferred to the company by a shareholder, given for free or at a discount by the State or a third company etc.). In view of the investment in the form of shareholding by Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd., which on behalf of State owns *** % shares of the company, it is not possible to conclude that the assets held by the company had been sold freely and at a market price.

(d) legal environment and stability provided by bankruptcy and property laws

127. All companies, including the respondents, are subject to bankruptcy and property laws guaranteeing legal certainty and stability.

(e) currency exchanges carried out at the market rate

128. China has begun to implement the single, market-based, managed floating foreign exchange system since 1994. Under the managed floating foreign exchange system the State may be involved in the adjustments to the exchange rates through internationally permitted legal and economic measures but not administrative measures.

Response to Exporters Questionnaire by Jiangsu Qunfa

Normal Value:-

129. The company has exported *** MT during the POI to India. The company is producing only dipped fabric. The company had not provided the domestic sales data being small and very large number of transactions but showed the domestic sales data on the computers. A copy of the same was collected from the company. The company has sold ***MT in the domestic market during the POI out of which *** MT was sold to five customers and *** MT was sold to very large number of customers in various transactions. The company exported ***MT at value of \$*** resulting into *** approx RMB per MT.

130. The figures provided under Appendix 4 were verified. The company had provided financial statements i.e. Profit and loss account and Balance sheet for the calendar year 2002 and 2003. It was explained that in absence of information available for the POI that is domestic sales, allocations of total expenditure for the POI, the figures provided under these appendices could not be verified. The company explained the system of export rebate available on exports to outside China.

131. As the cost of production data is unacceptable for the aforesaid reasons, and the respondent company has provided no explanation or evidence to substantiate their claim for MET, a determination on normal value as per provisions contained in Section 9A (1) (c) (I) and (ii) read with sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules cannot be made. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per Rule 7 and 8 of the antidumping rules as amended.

Methodology for constructing normal value

132. As the cost of production data is unacceptable for the aforesaid reasons, and the respondent company has provided no explanation or evidence to substantiate their claim for MET, a determination on normal value as per provisions contained in Section 9A (1) © (I) and (ii) read with sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules cannot be made. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per Rule 7 and 8 of the antidumping rules as amended.

133. The normal value has been determined on a reasonable basis considering also the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include a reasonable profit margin.
134. The product is manufactured from Caprolactum. It is noted that the (weighted average for POI) price in international market was \$*** per kg. The domestic industry has given an average purchase price of \$***. Deducting the duty element in India, the basic price comes to *** which matches the international prices prevalent in Asia during the POI. The normal value for Dipped after adding the dipping cost comes to \$ *** per kg.

Export Price:-

135. It is seen that the export price for grades exported to India comes to RMB ***. The exporter has claimed adjustments on account of Inland freight, commission, overseas freight and overseas insurance. Different amount has been claimed during different quarters for these adjustments. The adjustments on weighted average basis and as verified comes to RMB *** for inland freight, for commission RMB ***, for overseas freight RMB *** and for overseas insurance RMB ***. This totals upto RMB ***. Allowing these adjustments from the weighted average export price, the ex factory export price comes to RMB ***.

Conclusion on MET

136. To conclude, three Chinese producers/exporters requested MET pursuant to sub-rule 3 of Rule 8 of the Anti-Dumping Rules replied to the questionnaire for according MET. The Authority sought all information deemed necessary in the MET questionnaire and raised additional queries and sought evidence in the pre-verification letter issued to each of the cooperating companies.
137. A MET claim must contain sufficient evidence that the exporting producer operates under market economy conditions. In particular, the exporting producer must provide evidence that its decisions regarding prices, costs and inputs, technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard.
138. Based on the above referred provision of the Anti-Dumping Rules, it is not to the Authority to establish any State interference, but to the companies requesting MET to demonstrate the absence of any significant State interference in their business decisions.
139. One of these companies (Jiangsu Qunfa) has argued that the fact that a company is State-owned does not mean in itself that the State interferes and that with economic reform including structural and ownership reform in China PR in 20 years, it is no longer the traditional State-owned company. Jiangsu has disagreed with the preliminary findings of the Authority in this regard. However, Yangzhou Chemical Assets Management Co. Ltd., a State agency has ***% shareholding in the company and State interference in the presence of State ownership through shareholding, cannot be ruled out in the appointment of Directors and business decisions affecting the company. This position was also true in the case of Shangdong Polytex, whose

major shareholder (Weifang Sea Dragon) is largely owned by a State-owned company (Mega Dragon).

140. The Authority notes that on the issue of State interference the respondent companies have provided no explanation or evidence to substantiate their claim for MET, except for mere statements that there was no state interference. None of the respondent companies have explained how their assets were obtained, the method of their acquisition, the rates at which the shares were purchased, whether these were at market rates or otherwise and the valuation of these assets. Shareholding certificates showing the names and details of shareholders and the shareholding pattern in the respondent companies were not given with. In the case of one company (M/s. Ningbo Nylon), it is not possible to conclude that State-owned shares in the holding company viz., Jinlun/Kingring, which was previously a collective-entity, had been sold freely and at a market price during the transfer of the company into private ownership. In the case of another company (M/s. Shangdong Polytex), it cannot be concluded that the loans and assets transferred by the holding company, which is largely State-owned has been sold freely and at a market price. The assets turnover agreements clearly state that assets were 'given' to the respondent company. In the case of Jiangsu Qunfa, the investment is predominantly by a State-owned company in the form of shareholding. Subsequent to the spot verification, a detailed verification report was sent to the exporters wherein certain differences or discrepancies in the accounting statements and related information filed by the exporters were pointed out to the exporters. These observations were largely not rebutted and the required information having bearing on some of the crucial issues was not submitted.
141. It was seen that in the case of these particular companies the detailed financial report along with Director's Reports, Auditor's Reports, Note to Account, Annexures etc. usually found in Annual Reports for the periods 2001, 2002 and (up to June) 2003 were not provided. The financial statement(one page) for the POI in the case of M/s. NJIE was provided. In the absence of relevant annexures and detailed financial reports, it could not be ascertained whether the Auditor's Reports had any qualifications nor could the accounting practices of these companies be checked. In case of Weifang that the Auditor's report remained qualified for a considerable period not only involving POI but also previous years. The nature of qualification was significant and had a direct bearing on the associated revenue and expenses. The purpose of keeping accounts audited in line with GAAP and international accounting standards is to assess the reliability of the accounts and more particularly of revenues, costs and profit booked by the company. It is required to be established by the exporters, in a situation, in case where the books are not audited in accordance with international accounting standards that the records reasonably reflect the costs associated with the production and sale of the product involved. In absence of financial reports etc. thus, it could not be ascertained whether the Auditors had found that these companies follow GAAP in China PR and whether these companies maintain records which reasonably and accurately reflect the expenses, incomes, revenues and costs. The information provided by these companies were insufficient to conclude that this criterion of sub-rule 3 of Rule 8 was met.
142. Issues relating to raw material prices and utilities have been discussed in the relevant portions of this report.

143. None of the three Chinese exporters/producers fulfilled all of the conditions for granting MET, and therefore in the absence of any evidence, all claims for MET have to be rejected.
144. It has been claimed that the authority can not treat India as a surrogate country. The Authority notes that petitioner had not provided an evidence of price or constructed value in a market economy third country. Price from a market economy third country to other countries were also not made available by the petitioner. It may be noted that Prices from market economy third country to India could also not be adopted for the reasons that (a) the product under consideration involved a number of different types which vary in associated costs & prices; (b) price adjustments to determine ex-factory prices are not available, (c) these prices could not be considered representative given the claims that prices from third countries to India were inappropriate due to dumping from China. While disputing the claim of the domestic industry to treat Chinese producers as non market economy, the Chinese producers, or importers or any other interested party made no claim nor advanced any evidence either with regard to price or constructed value in a market economy third country. Under the circumstances, the Authority is of the opinion that the only option available is to determine normal value considering price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Price actually paid in India could not have been considered for the reason that the same were below cost of production. Thus, the only option with the Authority is to consider cost of production in India, duly adjusted, to reflect international raw material prices and optimum conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit.
145. Dumping Margins :- Examination by the Authority:-
146. The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. A determination on normal value as per provisions contained in Section 9A (1) (c) (I) and (ii) read with sub-rule 2 (i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules could not be made in view of the reasons cited above. The Authority is therefore unable to apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 and is constrained to proceed as per Rule 7 and 8 of the antidumping rules as amended for the determination of normal value. Based on the normal value and export prices as indicated above, the Authority assessed the dumping margins in case of all co-operating exporters in the table below:-

	USD per Kg		
	Ningbo	Weifang	Jiangsu
Normal Value Grey	***		
Export Price Grey	***		
Dumping margin	***		
Normal Value Dipped	***	***	***
Export Price Dipped	***	***	***
Dumping margin	***	***	***
Weighted average	***		
Dumping Margin %	24.47%	20.76%	24.45%

K. INJURY

147. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
148. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.
149. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra the details of which are given below:-
150. Quantum of Imports :-

						Qty: MT Unit Price: Rs. / kg			
1999-2000		2000-01		2001-02		POI		POI (annl.)	
Qty	Unit Price	Qty	Unit Price	Qty	Unit Price	Qty	Unit Price	Qty	Unit Price
Individual Country Imports									
China PR						6095.79			
As per DGCI&S	1017.08	124.3	1984.56	120.74	1677.04	138.34	116.08	4876.63	116.08
As per China Customs						7970	111.77	6376	111.77
As per cooperating exporters response						8404	116.48	6723.2	116.48
Other Countries	15632.3	126.32	16267.9	149.13	12521.8	135.87	19793.7	124.99	15835.0
Total imports considering responding exporters in POI	16649.4	126.2	18252.6	146.04	14198.9	136.16	28197.8	241.47	22558.2
Market Share									
China	6.11%		10.87%		11.81%		29.80%		29.80%
Others	93.89%		89.13%		88.19%		70.20%		70.20%

- (i) The Authority considered import data received from DGCIS, data provided by the domestic industry from secondary sources, responses filed by the cooperating exporters and data released by China Customs. The Authority has considered it appropriate to adopt export data as per information provided by the cooperating exporters.
- (ii) Authority considered import volumes as per information from various sources. Authority has correlated the various information to the extent feasible and found that the import volumes reported by the DGCI&S does not

appear comprehensive, as the responding exporters themselves have admitted having exported subject goods much more than what is reported by DGC&IS. Even data released by China customs does not appear comprehensive, as the responding exporters themselves have admitted having exported subject goods much more than what is disclosed by the Authority. Data made available by the Secondary Sources is not comprehensive, as it does not include all customs ports in the Country. Imports as per responding exporters is also not comprehensive, as at least one of the producers in China has not responded to the Authority. Authority examined responses filed by the importers also. However, exports made by other Chinese producers other than responding exporters could not be ascertained from this information also.

- (iii) The DGCIS has also made available transaction-wise data for the POI. The Authority notes that as per transaction-wise data, ignoring abnormal transactions, the volume of imports and value of grey, dipped and CTC fabric from the subject country was as follows:

Indexed			
China PR	Qty (MT)	Value (Rs.)	Rate (cif Rs./kg.)
Grey Fabric	65.94	60.75	30.06
Dipped	28.89	31.14	34.14
CTC	7.18	8.11	35.78
Total	100	100	100

- (iv) The Authority notes that the share of China in total imports has increased from 6.11% in 1999-00 to 29.80% in the POI. The share of other countries has declined from 93.89% in the base year to 70.20% in the POI.
- (v) Although the Authority has relied upon DGCIS import data for the purpose of these provisional findings, the Authority notes that the actual imports of the subject goods from China PR are far higher. In this connection, the Authority has also examined the quantum of exports made available by China Customs as reflected in the World Trade Atlas, the details of which for the POI is reflected in the table below:

Source: World Trade Atlas

China Customs	Qty (kg)	Value (Rs.)	Rs./kg
Apr-02	131513	16279000	123.78
May-02	267360	29174000	109.12
Jun-02	293269	33574000	114.48
Jul-02	203311	23478000	115.48
Aug-02	389666	41533000	106.59
Sep-02	385597	42151000	109.31
Oct-02	561010	62927000	112.17
Nov-02	635692	69378000	109.14
Dec-02	672172	74463000	110.78
Jan-03	753053	85175000	113.11
Feb-03	717198	80963000	112.89
Mar-03	574485	64355000	112.02
Apr-03	761759	85905000	112.77
May-03	650924	72366000	111.17
Jun-03	973510	109162000	112.13
	7970519	890883000	111.77

- (vi) The quantity reported for NTCF is much higher than that reported by the DGCIS and per unit weighted average prices are lower. The difference in the prices could be possibly due to difference in the basis adopted by DGCIS and China Customs. DGCIS normally reports CIF import price, while China Customs data might be FOB export price. However, normally the volumes reported should not be much different.
- (vii) The Authority notes that as per information given by the participating exporters, the volume of NTCF exported during the POI by them was as follows:
- Ningbo Nylon = *** MT
 - Weifang = *** MT
 - Jiangsu = *** MT
 - Total = 8404 MT
- (viii) In addition to above, there could have been other companies who might have exported the material and who have not responded to the Authority. The domestic industry alleged that Baling was also one of the major exporter of the subject goods, who has not cooperated with the Designated Authority and whose exports are not included in 8404 MT exports reported by the responding exporters. In any event, there can be no dispute on the fact that 8404 MT was imported in the period of investigation. The Authority has therefore considered it appropriate to consider this as the volume of the imports in the period of investigation from China.

151. Demand

Sales	Qty:MT				
	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (annl.)
Grey	41292	37537	41489	58906	47125
Dipped	4208	2070	4029	8852	7082
CTC	744	728	649	877	701
Total Sales (Domestic Industry)	46244	40335	46167	68635	54908
Total Imports (as per DGCIS)	16649	18252.55	14198.92	25889.56	20711.65
Total Imports (China as per cooperating exporters response)				28197.78	22558.22
Imports (China PR)	1017.08	1984.56	1677.05	6095.79	4876.63
Imports (taking into account cooperating exporters response)				8404	6723.2
Imports (Other sources)	15632.4	16267.99	12521.87	19793.78	15835.02
Demand	62893	58587.55	60365.92	96832.78	77466.22
Share of domestic industry (petitioners) in Demand %	73.53%	68.85%	76.48%	70.88%	70.88%
Share of imports %	26.47%	31.15%	23.52%	29.12%	29.12%

Share of dumped imports from China PR %	1.62%	3.39%	2.78%	8.68%	8.68%
Share of Others %	24.86%	27.77%	20.74%	20.44%	20.44%
Domestic Production	48873	42062	47478	72025	57620
Share of China Imports relative to Production	2.08%	4.72%	3.53%	11.67%	11.67%

- (i) The authority notes that in the injury analysis period, the demand increased by 23.17%, the production increased by 17.89% and sales of domestic industry increased by 18.73% only. The domestic industry's share in demand declined and share of imports has increased. The increase in the production of the domestic industry has not been matched with a increase in the domestic industry's share in demand. On the contrary, the domestic industry's share in demand has declined while that of China has registered a significant increase. Authority notes that there is a marginal decline in capacity utilisation of the domestic industry in respect of grey fabric, which implies that the domestic industry could have produced and sold more, had it got an opportunity to do so. In other words, even though the sales of the domestic industry increased, the sale could have been higher, given the higher level of demand, had the dumped imports not prevented it from increasing its sales.
- (ii) If imports from China are considered as per China Customs data reflected in World Trade Atlas, the share of China would be 8.37% in the period of investigation. Share of domestic industry and others in demand would further decline to 70.85% and 20.78% respectively in the POI.

Particulars	POI
Imports from China (as per World Trade Atlas)	7970.52
Imports Other sources (as per DGCIS)	19793.78
Total Imports	27764.30
Demand	96399.30
Share of Domestic industry	71.20%
Share of China	8.27%
Share of Others	20.53%

152. Actual and Potential Decline in Market Share :-

The Authority notes that based on cooperating exporters data, market share of domestic industry declined. The Authority also notes that there is a supply gap of approximately 18-20000 MT which has to be met by imports. However, the analysis of imports shows that share of dumped imports has increased substantially whereas imports from other sources have declined. The increase in market share of China and reduction in market share of Indian Producers and other countries is clearly on account of the prices offered by the Chinese suppliers, which not only helped

Chinese suppliers gain higher market share, but also forced the Indian Producers to bench mark their prices and resulted in decline in their market share. Given the surplus capacities available with the Chinese producers, the nature of product and adverse impact which the prices of one supplier can have on others, it is apparent that the loss of market share for the domestic industry would have been more had it not offered the present prices. Potential decline in market share is also apparent, should the dumping be allowed. The Authority notes in this regard that the imports from China in the period July, 2003 – Oct., 04 have been in the region of 17152 MT (i.e., 1072 MT per month, as against 531 MT per month during the POI), which clearly implies potential adverse impact which the imports could have had on the domestic industry.

153. Actual and Potential Decline in Sales :-

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (Ann)
Sales (MT)	46244	40335	46167	54908
% Change		-12.78%	14.46%	18.93%
Sales Realisation				
Weighted Average (Rs./kg.)	***	***	***	***
% Change (year by year)		0.19%	-14.01%	1.38%
% Change over injury period				12.65%

Corresponding with increase in demand (23.17%) the Sales have increased by 18.73% during POI over base year. There was a significant decline in realisation in 2001-02 which improved marginally in the POI as compared to the previous year. On overall basis, the prices declined by 12.65% over the injury period. If the domestic industry had not sold the quantities actually sold in the POI, it would have resulted in increased inventory or curtailment of production levels achieved. Higher sales volume helped to mitigate the adverse impact of dumped imports. Thus though the volume of sales showed increase, the Weighted Average Sales Realisation showed decline of 12.65% during POI over the base year. Even when the sales volumes increased, the increase in sales volumes was less than increase in demand. Further, the domestic industry faced marginal decline in capacity utilization in respect of grey fabric, which clearly implies that the domestic industry could have produced and sold more, had the Chinese prices not undercut the domestic prices to the extent it did in the period of investigation.

154. Production and Capacity Utilisation :-

	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (annl)
Installed Capacity (MT)					
Grey	49600	50500	55126	73000	58400

Dipped	7680	7680	7680	9600	7680
CTC	1100	1100	1100	1375	1100
Total	58380	59280	63906	83975	67180
Production (MT)					
Grey	43590	38690	42352	61620	49296
Dipped	4539	2644	4478	9528	7622
CTC	744	728	648	877	702
Total production	48873	42062	47478	72025	57620
Capacity Utilisation % - Total	83.72%	70.95%	74.29%	85.77%	85.77%
Grey	87.88%	76.61%	76.83%	84.41%	84.41%
Dipped	59.10%	34.43%	58.31%	99.25%	99.24%
CTC	67.64%	66.18%	58.95%	63.77%	63.77%

- (i) The capacities with the applicants have increased over the years due to enhancement by one of the applicant companies and de-bottlenecking efforts by the domestic industry. Demand for the subject goods in India was expected to increase given the production levels estimated by automobile companies. Domestic industry was aware of this expected increase in demand and had been gearing up to cater to this demand. However, in spite of increase in demand by 23.17%, the domestic industry's share has declined. It is found that the capacity utilisation has increased on overall basis because of increase in capacity utilization in respect of dipped fabric. The capacity utilisation in respect of grey fabric has rather declined. It is also found that cycle tyre cord fabric (where capacities are from basic stage) also shows decline in capacity utilisation.
- (ii) The average capacity utilisation combined for grey, dipped and CTC for the subject goods by the domestic industry has improved by 2.45% from 1999-2000 till the POI. While the production and capacity utilisation of the domestic industry improved, it is noted that this is despite dumping from different sources earlier and the domestic industry still holding unutilised capacities.
- (iii) Higher output by the domestic industry has been accompanied by increased sales volumes corresponding to the growth in the market demand. Despite this the industry faced a significant decline in weighted average sales realisation (for all grades) of the subject goods by approximately 12.65% over the period.

155. Net Sales Realisation and landed value :-

				Indexed Rs/Kg
	1999-00	2000-01	2001-02	POI

				(AnnL.)
Wt. Avg. net sales realisation				
Grey	***	***	***	***
Dipped	***	***	***	***
CTC	***	***	***	***
Weighted Average	100	100.19	86.15	87.34
Landed value(as per DGCIS)				China
Grey				95.0
Dipped				107.8
CTC				113.0
Wt. avg.				100

- (i) The Authority observes that the landed price of imports from China were significantly lower than the selling prices of the domestic industry. The imports from China were thus significantly undercutting the prices of the domestic industry. It is also observed that the undercutting is present in all the three forms of the product. Thus, undercutting is found on average basis as also for different types of NTCF, grey, dipped and CTC.
- (ii) It is found that the decline in the selling price of the domestic industry in respect of grey fabric was more than decline in the prices for dipped and CTC. While prices of grey fabric declined by about 13.6%, that of dipped declined by about 9.9% and that of CTC declined by 7.6%. The weighted average price decline (12.6%) reflected more the trends of grey fabric, given that the grey fabric constituted 86% of total sales of the domestic industry. This trend of higher decline in prices of grey fabric directly reflect higher volume of imports of grey as compared to dipped fabric. Out of total exports of 8404 MT reported by the cooperating exporters, grey fabric constituted 60% of total exports.

156. Sales realisation and landed price of imports :-

Rs/kg

Year	Wt. Avg. Net Sales Realisation of domestic (Rs/kg)	Landed Price of Imports	
		China PR	Others
1999-00	100	100	100
2000-01	100.19	93.67	113.84
2001-02	86.15	99.37	96.04
POI (Ann)	87.34	84.13	88.35

- (i) The decline in weighted average landed prices of the subject goods from China PR have been by about 16 % as compared to the base year 1999-2000. The Authority also observes that the imports from China were undercutting the prices of the domestic industry throughout the injury period. It is also

observed that the landed prices of imports from Other Countries were higher (except in 2001-02) than the import prices from China.

- (ii) It is noted that while the price difference between the Chinese prices and domestic industry prices was about 1.72% in 1999-2000, the same increased to about 6.18% in the period of investigation. Thus, it is evident that the price difference between the Chinese prices on one hand and domestic industry and other country prices on the other hand increased over the period.

157. Price undercutting from China vis-à-vis other countries.:-

The analysis is as follows:

Year	Price undercutting (%)	
	China PR	Others
1999-00	***	***
2000-01	***	***
2001-02	***	***
POI (annl)	***	***

158. Price Undercutting/ Underselling :-

The Authority compared selling price of the domestic industry with the landed price of imports. The comparison was done separately for grey, dipped and CTC. The information shows as under:-

	China	NSR of domestic industry	Price Undercutting %	NIP	Price Underselling %
Wt. avg. net sales realisation					
Grey	***	***	***	***	***
Dipped	***	***	***	***	***
CTC	***	***	***	***	***
Weighted Average	***	***	9.50	***	15.67

The Authority notes that during the POI, the weighted average underselling was 15.67% and weighted average under cutting was 9.50%. The price undercutting for various types was in the range of 3% – 9%(grey), 10% – 16% (dipped), 8% – 14% (CTC) and price underselling was in the range of 5% – 11% (grey), 6% - 12% (dipped) and 11% - 17% (CTC).

159. Profitability:-

The table below shows that the indexed cost of production (wt. avg. for all grades) declined in the POI as compared to the base year by about 9.78%. The Authority has analysed that this was largely due to decline in the weighted average domestic prices of Caprolactum for the same injury analysis period. The selling prices declined by about 12.14% in the POI as compared to 1999-00. Despite decline in COP, due to lower sales realisation, the weighted average profitability declined by 29.75% in POI.

	Indexed			
	1999-00	2000-01	2001-02	POI (annl.)
Cost of Production	100	100	87.15	89.93
Selling price	100	100.19	86.15	87.35
Profit/loss indexed	-100	-96.45	-104.02	-134.20

160. Closing Stocks of Domestic Industry:-

	Qty: MT			
	1999-2000	2000-01	2001-02	POI
Grey	321	1347	1097	1047
Dipped	184	216	175	123
CTC	0	86	62	98
Closing Stocks of domestic industry	505	1649	1334	1268
No. of days sales in stock	3.99	14.92	10.55	8.43

Closing stocks have been compared with the sales quantum of the domestic industry and indicated as a percentage thereof in the table below:

	1999-2000	2000-01	2001-02	POI (annl.)
Sales	46244	40335	46167	54908
Closing Stocks	505	1649	1334	1268
Inventory as a percentage of sales	1.09%	4.09%	2.89%	2.31%

It may be seen that though Closing Stocks increased in absolute term, however as a % of Sales, the increase is marginal. The increase in inventories is in spite of increase in demand.

161. Return on Investments

	Indexed Rs. Lacs			
	1999-00	2000-01	2001-02	POI (ann.)
Capital Employed	100	103.16	103.41	103.25
Profit/Loss	-100	-104.10	-111.86	-177.07
Return on Capital Employed	-10.02%	-10.12%	-10.85%	-17.20%

Return on investment follows the same trend as that of profitability and cash flow. It was noticed that knowing the demand supply gap, domestic industry added further capacity. Domestic industry expected better profitability with higher investments and higher sales volumes. However, profitability declined rather than increasing as a result of dumping from China. This resulted in deterioration in the return on capital employed.

162. Cash Flow/Profit

				Indexed	Rs. lacs
	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (Ann)
Profit/loss	-100	-104.10	-111.86	-221.32	-177.97
Depreciation	100	96.44	75.24	129.04	103.25
Cash profit/loss	-100	-116.62	-171.98	-372.86	-298.29

- (i) Profitability of the domestic industry deteriorated. In the previously concluded mid-term review, it was found that the profitability of the domestic industry deteriorated. The profitability has further deteriorated thereafter.
- (ii) Since all the companies are multi product companies, it has not been feasible to determine cash flow for the product under consideration only. However, cash profit has been determined, which is for the product under consideration only. Cash profit follows the same trend as that of profits. It should also be noted that the Authority had found in the previously concluded mid term review that sustained losses for the past three years severely affecting the cash flow position of the domestic industry. Deterioration in profitability was also responsible for adverse cash flow. The situation further worsened in the period under investigation.

163. Employment and Wages

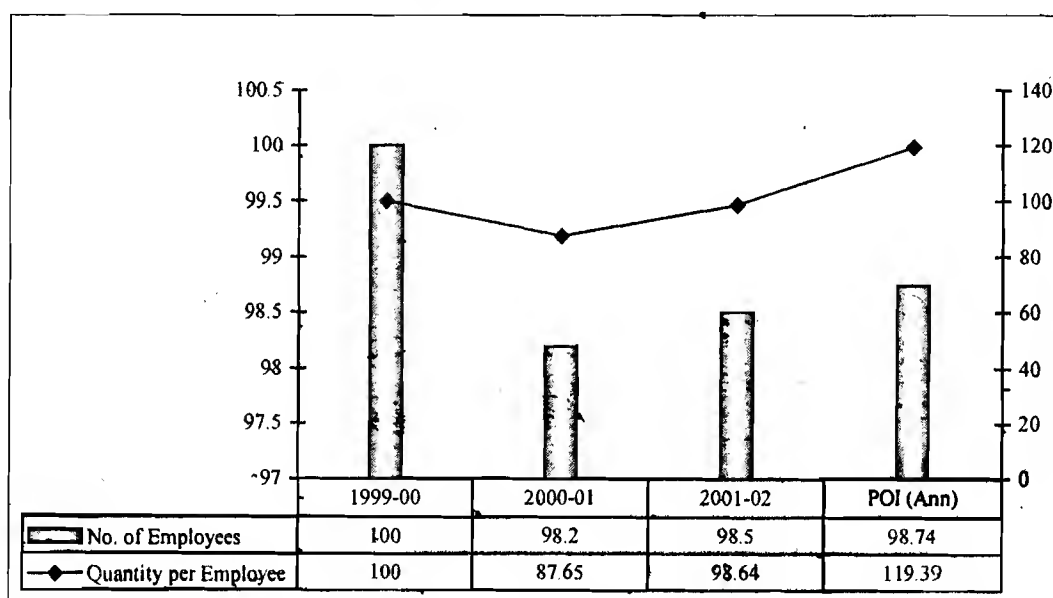
				Indexed	
	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (annl.)
Employment (in no.)	100	98.20	98.50	98.74	98.74
Wages (Rs. Lacs)	100	102.09	119.46	161.89	129.50
Wages per unit of production	100	118.62	122.97	109.84	109.84

Increase in capacity by 15.07% should suggest higher employment. The domestic industry has however reduced employment after increase in capacity. Wages show an increase of about 29.47% in three years (from 1999-2000 to the POI) which means an average increase of less than 10% per year. The authority considers such wage increase as normal wage increase not attributing losses to domestic industry. Even when wages have increased, productivity has also increased. Further, even when wages increased by 29%, wage per kg. of production increased only by 10%.

164. Productivity

	1999-2000	2000-01	2001-02	POI	POI (Ann.)
Total production	48873	42062	47478	72025	57620
Production per Employee (MT)	100	87.65	98.64	149.23	119.39

(i) This has been projected in the following graph:



(ii) The above graph indicates that productivity per employee has increased over the years which is indicated in increased production and sales volumes due to the efforts made by domestic industry to optimize production and reduce employment. However, in spite of increased productivity, the financial performance of the domestic industry in terms of profits has deteriorated and the applicants have incurred losses.

165. Growth

Even though the capacity, production, sales volume, sales value of the domestic industry increased and showed positive trend, the growth in sales value was less than the growth in sales volume. Further, even when sales showed positive growth, market share, profits, return on investment, cash-flow, etc. showed negative growth.

166. Ability to Raise Investment

All the producers are multi product companies. The domestic industry added more capacity during the period. No evidence of injury in terms of ability to raise funds for investment found.

It has been pointed out that the sales figures mentioned in the final findings earlier notified in the review investigations are different from the figures mentioned in the preliminary findings. This has been examined in detail and it is found that the two figures are not comparable for a number of reasons. The composition of domestic industry and Indian Industry both is different in the two cases. While Century Enka did not cooperate in the previous case and the Designated Authority had resorted to best available data, the company is now participating in the present investigations. The product under consideration and like articles are different in the two investigations. While CTC was not included in the previous investigations, the same is included in the present investigations. Further, while TFL was a separate company in the previous case, the company has since been taken over by SRF and their data is now included in the data provided by SRF. Data of some of the

petitioner companies was also incorrect in the preliminary findings, which has now been corrected.

L. Calculation of NIP by the Authority

167. The Authority has called for costing information from the Domestic Industry represented by M/s SRF Limited, (Chennai, Manali, Goomidipoondi) M/s NRC Limited Mumbai, M/s Century Enka Limited Pune, and M/s Nirlon Ltd Mumbai etc. in the prescribed proforma for the period under investigation and for the previous years. The actual cost of production of the subject goods for the domestic industry is proposed to be used to determine the cost of production on the basis of Generally Accepted Principle (GAAP).

In the determination of NIP for the Domestic Industry the Authority has made a detailed analysis of all the relevant factors including usage of raw materials, usage of utility, the actual expenses during the POI, investment, the best capacity utilization etc. to arrive at a Non Injurious Price for the Domestic Industry. NIP for the domestic industry has been determined after considering a reasonable profit margin on the capital employed.

M. CONCLUSION ON INJURY

168. The Authority notes that the imports of the subject goods from China PR have increased in absolute terms and relative to production and consumption in India. While imports was less than 100 MT in 1999-2000, the same increased to almost 500 MT in the period April, 03 – June, 03.
169. Whereas the market share of imports from China PR in demand in India increased, the market share of domestic industry declined. Even though the decline in the market share of the domestic industry was marginal, it is vital to note that the domestic industry was in the process of recovering from past effects of dumping. Foreseeing increase in demand the domestic industry had enhanced its capacity but could not utilize it fully. Thus, while the domestic industry attempted to gain the market share lost to other countries (who were earlier resorting to dumping), the said share was taken away by dumped imports from China. Moreover, the domestic industry's decline in share of demand has to be viewed in the context of overall increase in demand levels.
170. Share of imports from China PR in total imports to India steeply increased whereas that of other countries declined. At the same time, the prices from China were significantly lower than prices from other countries. The period earlier investigated for this product was 2000-2001. Between 2000-2001 and present investigation period, the share of China has further increased while that of other countries has proportionately declined.
171. Sales of the domestic industry increased over the injury period. However, while the increase in demand was 23.17%, increase in the sales of the domestic industry was 18.73%. Thus, sales of the domestic industry increased less than increase in demand. It is also found that while grey NTCF sales of the domestic industry increased only by 14%, the dipped sales increased by 68%. The analysis of exports from China reveals that approx. 60% of exports were in grey category. Thus the imports hit the

grey segment. Lower exports of dipped category helped domestic industry increase its sales in this segment. Sales of cycle tyre cord (CTC) declined even though the domestic industry had significant unutilized capacity. Thus, the impact on different categories of NTCF is directly due to dumped imports from China PR.

172. Even when the sales of the domestic industry on overall basis have increased, it is found that the sales in the last quarter of POI were less than prorata sales in 2002-2003. At the same time, as per Chinese Customs imports from China in this period rose sharply from 5585 MT in 2002-2003 to 2387 MT in April, 2003-June, 2003. This clearly shows that sales of the domestic industry are likely to decline if the imports from China continue to undercut the prices of the domestic industry in the market. The Authority has also seen that in the last quarter of POI and after POI, average imports from China per month is approximately 1000 MT.
173. Imports of the product at lower prices have significantly undercut the prices of the domestic industry in the market. It is argued by the domestic industry that the prices paid by the consumers are always benchmarked on the basis of imports. While imports from other countries were earlier benchmarking the prices of the domestic industry, imports from China at even lower prices started undercutting the prices of the domestic industry.
174. The price undercutting was determined cumulatively for the entire period. However, undercutting has been determined separately for the three types of the product involved (grey, dipped and CTC) and it was found that the weighted average price undercutting to the extent of 9.50% was present. In fact, it was found that price undercutting was significant in case of CTC, which directly correlates with the decline in the CTC sales volumes and consequently CTC production and capacity utilization.
175. Price underselling has been determined by comparing non injurious price established with the landed price of imports. The comparison was done first for the three types of the product and thereafter on weighted average basis. It is found that the landed price of imports is significantly below the non injurious price established. Thus, the imports are forcing the domestic industry to undersell the product significantly in the domestic market.
176. It is also to be noted that in the previous investigations relating to this product (wherein the investigation period was 2000-01), it was found by the Authority that the material injury to the domestic industry was not due to imports from subject countries however, it was found that profitability of the domestic industry has also deteriorated. The profitability of the domestic industry has declined further after that investigation period. It is also noted that the domestic industry, in the meantime, has increased its production and sales. This should have helped the domestic industry in curtailing per unit overhead costs and in improving its profitability.
177. Production of the domestic industry increased over the injury analysis period in line with rising demand of the subject goods in the country. Further, enhancing its capacity has helped the domestic industry in significantly reducing the incidence of overhead costs. However, such efforts of the domestic industry to reduce incidence

of its overhead costs did not help the industry in improving its profitability. Profitability, on the contrary, declined.

178. Capacity utilization of the domestic industry improved over the injury analysis period. This has to be seen in the context of previous dumping from different countries and consequent imposition of Anti Dumping Duty. However, whereas capacity increased by 15.07%, capacity utilization increased only by 2.45%. Further, the demand increased by 23.17%. Thus, the increase in capacity utilization was sub-optimal and domestic industry had unutilized capacity.
179. Wages per unit of production have increased by *** %, while total wages paid increased by *** %. The Authority notes that *** % wage increase in a period of about three years appeared normal wage increase. In normal circumstances, the cost of production of the domestic industry on account of wages should have proportionately increased. Thus, had the domestic industry not increased its production, its unit cost of production would have increased by about Rs. *** per kg. on account of increase in wages alone. However, the wages increased only by about Rs. *** per kg., as the domestic industry was able to absorb the wage increase on higher production. Resultantly, the profitability of the domestic industry should have increased by about Rs.*** per Kg., thus resulting in higher profits by about Rs. *** crores. However, in spite of such efforts by the domestic industry, the profitability rather declined. This is clearly due to price effect the imports have had on the domestic industry prices in the market.
180. The Authority notes that the employment level with the domestic industry declined marginally. This is in spite of addition of capacity and higher production. It is found that had the domestic industry increased employment level proportionately, it would have paid higher wages by about Rs. *** lacs (Rs. *** lacs as against Rs. *** lacs actually paid). Thus, the domestic industry should have improved its profitability by this amount, whereas its profitability deteriorated due to price effect the imports have had on the domestic industry.
181. Lower wages on one hand and increase in production on the other hand significantly helped the domestic industry in improving its productivity. However, in spite of such increase in productivity, the profitability of the domestic industry deteriorated. Had the domestic industry maintained the same level of productivity per employee as it had in 1999-2000, it is found that the domestic industry would have employed about *** persons. This would have resulted in higher wages by Rs. *** crores. Thus, improvement in productivity should have increased the profits of the domestic industry by Rs. *** crores. However, the profitability rather declined due to price effect the imports have had on the domestic industry.
182. Cash profits has followed the same trend as that of profitability. It is noted that the NTCF industry is fairly old in the country. The depreciation cost of the domestic industry is much lower. Therefore, any deterioration in profitability is likely to result to cash losses situation to the domestic industry. In fact, it is found that the domestic industry has been forced to a situation of deteriorating cash losses.

183. Return on investment from production and sale of NTCF for the domestic industry have been negative. It is found that whereas the production has increased, capital employed has declined. This should have enabled the industry to earn better returns on the capital employed. However, return on capital employed deteriorated instead of improving.
184. In view of the foregoing it is observed that:-
- (a) the quantum of imports from the subject country has increased in absolute terms and in relation to production and consumption in India;
 - (b) the market share of the applicants has gone down while that of dumped imports has increased;
 - (c) the applicants have been forced to sell at prices below their non-injurious price.
 - (d) the domestic industry has suffered significant price undercutting as a result of dumped imports from subject country.
 - (e) The profitability of the domestic industry significantly declined.
 - (f) The return on investments for the domestic industry declined significantly.

N. CAUSAL LINK

185. In accordance with the Principles for Determination of Injury set out in Annexure II (v) of the Anti-Dumping Rules, the Authority examined whether material injury has been caused to the domestic industry by dumped imports. Known factors other than the dumped imports, which could at the same time be injuring the domestic industry were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors were not attributed to the dumped imports.

Effects of the dumped imports

186. The significant increase in the volume of the dumped imports between 1999-00 and the period of investigation and of its corresponding share of domestic demand from 1.62% to 8.68% as well as the price undercutting found (9.50% on weighted average basis during the POI) coincided with the deterioration of the economic situation of the domestic industry. In examining the price effect, it is seen that the CIF and landed values have further declined significantly in the POI. The domestic industry experienced a deterioration of profitability that has to be seen in the background of growing demand in the injury analysis period and the POI. Dumped imports exerted a downward pressure on domestic industry's selling prices which resulted in a drop in prices (by 12.65%) in a situation where the production costs declined by about 10.00%.
187. The Authority notes that import prices from the subject country have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover from. The impact of dumped imports on the various economic indices of the domestic industry has been examined in the section on Injury in these findings. It is, therefore, considered that the material injury to the domestic industry was caused by the negative impact of dumped imports from the subject country.

Effects of Other Factors

188. In the examination of any known factors other than the dumped imports which at the same time, may be injuring the domestic industry, the Authority has examined

import volumes and prices of the subject goods from other third countries. According to the available information, the total import volume of the like product originating in third countries other than China PR increased from around 15632 MT in 1999-2000 to around 15835 MT in the POI and their share in total imports decreased from 93.89 % in 1999-2000 to 70.20 % in the POI. The share of imports from third countries in demand decreased from 24.85% in 1999-2000 to 20.44% in the POI. The weighted average landed prices of these imports remained substantially higher than prices from the subject country in the period of investigation and caused negative price undercutting.

189. It was further found that as per DGC&IS, imports originating in Chinese Taipei, Thailand, Czech republic and Korea RP had a share of more than 3% in total import volumes. However the landed values of the subject goods from Czech Rep and Chinese Taipei were above the prices of the domestic industry and were significantly higher than the landed prices from China PR. The CIF prices in respect of Korea RP and Thailand were found to be lower. The authority has examined this issue.
190. At the time of mid term review investigations for the same product, it was found that the imports from China were at prices lower than Other countries under investigation at that time (Korea, Indonesia, Taiwan and Thailand). It was also found that the landed price of imports from those countries were higher than the landed price of imports from China and domestic industry. Therefore, it was concluded by the designated Authority that there was no causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry.
- 191 In the present investigation period, it would appear from the published DGCI&S data as also application filed by the domestic industry that the import price from Thailand are lower than the imported price from China. The Authority procured and examined in detail transaction wise import data provided by the DGCI&S. The analysis was also done based on IBIS data.

The Authority notes that the import prices from Thailand were significantly higher than import prices from China, as may be seen from the table below. It may be noted that imports from Thailand were only of dipped NTCF category.

	US \$ per kg.	Rs. Per kg.
China – Ningbo Jinlun	***	***
China – Weifang	***	***
China – Jiangsu	***	***
Thailand – as per DGCI&S	2.678	128.70
Thailand – as per Secondary Sources	2.752	132.24

- 192 While it is evident from the above that the import prices from Thailand were higher than the import prices from China, it is clarified that the petition showed import prices from Thailand as lower than import prices from China. It was noted that these import prices from China included imports of CTC also (which are priced much higher than dipped fabric

prices). Once CTC prices are excluded, it would be seen that the import prices from China were in fact lower than import prices from Thailand.

193. In respect of Korea RP, the authority notes that the volume of imports from Korea has continually declined throughout the injury period. As per DGC&IS and IBIS data, there have been no imports from Korea during the quarter April-June 2003. The exports from Korea were almost nil after September 2002, however the imports again started in the month of Feb 2003 onwards. During this period, however the prices were higher than that of China. Due to imports in the beginning of the investigation period, the average price for POI as whole is lower. The transaction wise analysis shows that imports in the period of April-Sep 2002 were made by M/s Apollo and reflect apparent exports under one contract and one price. It appears these exports were effected due to some past contractual obligations. Imports made by other users were at comparatively higher prices. No response has been filed by Apollo Tyre and therefore, further facts could not be ascertained in this regard.

194. Imports from Korea appeared again in the period Feb. to April, 2003. These imports were made by different consumer (primarily by J K Industries and very small volume by MRF). These imports were, however, made at prices much higher than China.

195. Therefore the Authority notes that the volume of imports of NTCF from other countries are either de-minimis or the prices are significantly higher. The technology adopted by the domestic industry which involves the processes of polymerisation, spinning, twisting, weaving and dipping, is comparable to the technology used elsewhere in the world for the production of the subject goods. The domestic industry has no export sales of the subject goods. No other factors are reported to have caused material injury to the domestic industry.

196. There is no contraction in demand of NTCF in India which could have contributed to any injury to the domestic industry. In fact demand has increased. The imports from China PR have increased in absolute terms and relative to production and consumption in India. While the domestic industry's share in demand has declined, the share of dumped imports has increased.

O Other issues

197 Confidentiality of information:- The Authority notes that confidentiality provisions have been adhered to while conducting the present investigations. Information in the nature of confidential information or information provided on confidential basis has been treated confidential in accordance with the Rules.

198 Access to information:- The Authority notes that evidence made available by one party has been made available to other interested parties participating in the investigations, subject to the requirements of confidentiality. Information such as IBIS, ICIS-LOR information has been allowed as confidential information, given the conditions imposed by

the supplier of information. In any case, the Authority considers that this information is otherwise available to these interested parties and could have been obtained by any interested party. The Authority also notes that an information claimed confidential can be disregarded only if it cannot be demonstrated from appropriate sources that the information is otherwise correct. It is also relevant to point out that even though relevant information is available with these interested parties, it is not even an argument of these interested party that any of the information relied upon by the Authority is otherwise incorrect.

199. Duty less than dumping margin:- The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of NTCF and has determined the amount of injury margin. For this purpose, the Authority has compared the selling price of the domestic industry with the landed value of imports from the subject country.

200. Price undertaking: - The Authority notes that price undertaking offers were made by M/s Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd. previously known as Weifang Great Dragon Chemical Fibre Co.Ltd and M/S Ningbo Nylon Co. Ltd and Ningbo Jinlun Import and Export Co. Ltd (NJIE).The authority gave personal hearing to the interested exporters in this regard. M/s Shandong while offering their prices also disclosed their present export prices and has agreed to revise its prices periodically, in line with changes in caprolactam prices. Price undertaking offered by Shandong has been accepted by the Authority. However, price undertaking offered by Ningbo Jinlun could not be accepted, as the exporter has not offered separate prices for grey and dipped NTCF and has not agreed to link the prices to changes in the major raw materials. The Authority notes that given the nature of the product, it would not be appropriate to accept a price undertaking in the form and manner given by Ningbo Nylon.

P. LANDED VALUE

201. The landed value of imports is determined on the basis of export price of NTCF determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

Q. FINAL FINDINGS

202. It is seen after considering the foregoing that:

- (a) NTCF of all types described under para B 4 originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) material injury has been caused by dumped imports from the subject country.

203. An offer for price undertaking was made by M/s. Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd. (previously known as M/s. Weifang Great Dragon Chemical Fibre Co. Ltd.) with its registered office at Wennan Road, Anqiu City, Shandong, China, as per details given in the confidential and non confidential price undertaking offered by the exporter. The exporter has

submitted that they have been exporting Dipped NTCF only. Details of the price undertaking are as follows:-

Type of fabric	Minimum agreed Price US \$ per kg.	Price basis
Dipped NTCF	2.850	CIF

The exporter has agreed to proportionately revise its prices with each US \$ 0.010 per kg. change in caprolactam prices by a factor of US \$ *** per kg., considering a base price of US \$ *** for caprolactam in the POI and changes in the prices as reported by ICIS-LOR for Asia Region in the preceding quarter. The exporter has also agreed to provide relevant information to the Designated Authority periodically with regard to actual shipments made and adherence to the said price undertaking. In accordance with Rule 15, on acceptance of price undertaking of M/s Shandong Polytex Chemical Fibre Co. Ltd. (previously known as M/s. Weifang Great Dragon Chemical Fibre Co. Ltd.), the investigation in respect of this exporter is suspended.

204. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties be imposed on Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from China PR, falling under customs sub-heading no. 5902.10 of Chapter 59 of the Customs Tariff Act 1975 and 5902.10.00 of the ITC (HS) Code. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.9 below.

Sl. No	Sub-Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specifications	Country of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Ningbo Nylon	Ningbo Jinlun Import and export co.	0.54	Kg.	USD
2.	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Any	Ningbo Jinlun Import and export co.	0.54	Kg.	USD
3	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Ningbo Nylon	Any	0.54	Kg.	USD
4	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Jiangsu Qunfa	Any	0.56	Kg.	USD

	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Any	Jiangsu Qunfa	0.56	Kg.	USD
6	5902.10	NTCF	All Grades	China PR	China PR	Any	Any	0.81	Kg.	USD

205. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 30th June 2004.

206. Landed value of imports for the purpose shall be assessable value as determined under the customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the customs tariff act.

207. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and service tax) Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority